RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, शुक्रवार

06.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 134

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत-फिनलैंड डिजिटल और सस्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी को देंगे नई गति : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

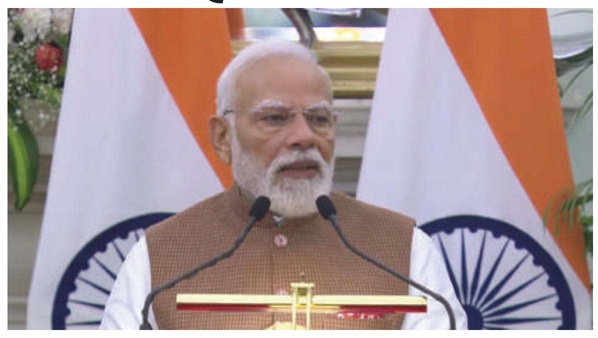

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ वार्ता के बाद कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में अपने संबंधों को एक नई रणनीतिक साझेदारी का रूप दे रहे हैं, जिससे उच्च प्रौद्योगिकी और नवाचार के अनेक क्षेत्रों में सहयोग को गति मिलेगी। हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति स्टब के भारत के पहले दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि वह न केवल एक वैश्विक नेता हैं बल्कि एक प्रतिष्ठित विचारक और लेखक भी हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आयोजित रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि के रूप में उनकी उपस्थिति भारत के लिए सम्मान और प्रसन्नता की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक कई क्षेत्रों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे वैश्विक माहौल में भारत और यूरोप जैसे दो बड़े कूटनीतिक साझेदारों के बीच संबंधों का नया दौर वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूती मिलेगी। मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की कंपनी नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि फिनलैंड के वास्तुकारों के सहयोग से चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया गया है। इसके साथ ही दोनों देशों के सहयोग से असम के नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस आधारित बायोएथेनॉल रिफाइनरी की स्थापना भी की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति स्टब की यात्रा के दौरान भारत और फिनलैंड ने अपने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी दोनों देशों की साझेदारी को और गहरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतांत्रिक और जिम्मेदार देशों के बीच यह रणनीतिक साझेदारी विश्व के लिए भरोसेमंद प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में सहायक होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिनलैंड भारतीय छात्रों और प्रतिभाओं के लिए तेजी से एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे संयुक्त अनुसंधान और स्टार्टअप सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि फिनलैंड शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श माना जाता है और दोनों देशों ने शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल-से-स्कूल साझेदारी और शिक्षा के भविष्य पर अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इससे स्कूल से लेकर उद्योग तक मानव संसाधन विकास के हर स्तर पर सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नॉर्डिक क्षेत्र में फिनलैंड भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और दोनों देश आर्कटिक तथा ध्रुवीय अनुसंधान के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ ग्रह दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है और इस वर्ष फिनलैंड के सहयोग से भारत में वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का आयोजन किया जाएगा, जिससे सस्टेनेबिलिटी के प्रयासों को नई गति और नए विचार मिलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित, कहा-उत्साह सबसे बड़ा बल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्साह और दृढ़ संकल्प की शक्ति को रेखांकित करते हुए एक संस्कृत सुभाषित साझा किया है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उत्साह सबसे बड़ी ताकत होती है। प्रधानमंत्री ने आज एक्स पर यह सुभाषित साझा किया, "उत्साहो बलवानार्य नास्त्युत्साहात् परं बलम्। सोत्साहस्यास्ति लोकेऽस्मिन् न किञ्चिदपि दुर्लभम्॥" इस सुभाषित का अर्थ है कि उत्साह सबसे बड़ा बल है और उत्साही व्यक्ति के लिए इस दुनिया में कुछ भी दुर्लभ या असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री का साझा किया गया संदेश लोगों को सकारात्मक सोच, परिश्रम और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

नीतीश का 'राज्यसभा' प्रस्थानः बिहार की सियासत में महापरिवर्तन की आहट

शाह की मौजूदगी में भरा पर्चा; बोले- 'चारों सदनों का सदस्य बनने की इच्छा थी पूरी हुई, नई सरकार को मिलता रहेगा मार्गदर्शन'

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति ने गुरुवार को एक ऐसी करवट ली, जिसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई दे रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। विधानसभा सचिव के कार्यालय प्रकोष्ठ में हुए इस हाई-प्रोफाइल नामांकन के साथ ही बिहार के सियासी गलियारों में 'नीतीश युग' के एक अध्याय के समापन और एक नए समीकरण के उदय की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पावर शिफ्ट की चर्चाः क्या अब भाजपा का होगा मुख्यमंत्री? : नामांकन के साथ ही सूबे का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर है। सचिवालय से लेकर चौक-चौराहों तक सिर्फ एक ही सवाल तैर रहा है— 'अब आगे क्या?' राजनीतिक हलकों में यह चर्चा आम है कि बिहार में अब भाजपा का मुख्यमंत्री होगा और जदयू के दो उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी पत्तों का खुलना बाकी है, लेकिन सत्ता के शीर्ष पर बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है।

नीतीश का भावुक संदेशः 'आपका विश्वास ही मेरी ताकत' : नामांकन से पूर्व नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के नाम एक भावुक अपील जारी की। उन्होंने कहाः "पिछले दो दशक से अधिक समय से आपने मुझ पर जो विश्वास जताया, उसी के बल पर मैंने पूरी निष्ठा से बिहार की सेवा की। बिहार आज विकास और सम्मान का जो नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है, वह आप सब की ही ताकत है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत इच्छा साझा करते हुए कहा कि संसदीय जीवन की शुरुआत से ही उनकी तमन्ना थी कि वे विधान मंडल और संसद के दोनों सदनों (विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा) के सदस्य बनें। राज्यसभा का सदस्य बनकर वे अपनी इस इच्छा को पूर्ण कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं में कसकः 'साजिश' या 'समझौता'? : एक तरफ जहां एनडीए में एकजुटता दिख रही है, वहीं जमीन से जुड़े जदयू कार्यकर्ताओं के बीच मायूसी और आक्रोश का मिला-जुला असर है। कई पुराने निष्ठावान कार्यकर्ताओं का कहना है कि "नीतीश बाबू एक बहुत बड़ी राजनीति के शिकार हुए हैं।" कार्यकर्ताओं को डर है कि नीतीश के केंद्र की ओर रुख करने से संगठन पर उनकी पकड़ कमजोर हो सकती है।

बड़ी बातें: जो भविष्य की ओर इशारा करती हैं : मार्गदर्शक की भूमिकाः नीतीश ने स्पष्ट किया कि जो नई सरकार बनेगी, उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

जम्मू। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया। महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी।

कन्याकुमारी से 400 किमी दूर अमेरिकी हमले में ईरानी जहाज डूबा, 80 शव मिले

कोलंबो। श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी हमले के बाद डूबे एक ईरानी नौसैन्य जहाज से करीब 80 ईरानी नाविकों के शव बरामद हुए हैं। श्रीलंका ने पहले बताया था कि उसकी नौसेना ने बुधवार तड़के करीब 180 नाविकों को लेकर जा रहे आईरिस देना नामक ईरानी जहाज से 32 ईरानी नाविकों को बचाया। श्रीलंकाई नौसेना ने हालांकि इसकी वजह नहीं बताई कि जहाज ने आपातकालीन संदेश क्यों भेजा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया है। उन्होंने कहा कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से टॉरपीडो से दुश्मन के जहाज को डुबोने की पहली घटना है। ईरानी जहाज हाल ही में भारत द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय नौसैन्य अभ्यास में शामिल हुआ था। भारतीय नौसेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

कनाडाई पीएम ने कहा- पीएम मोदी बहुत अलग हैं उन्होंने 25 साल में एक बार भी छुट्टी नहीं ली

एजेंसी। नई दिल्ली

कभी कनाडा और भारत के बीच तनातनी चल रही थी। अब दोनों देश एक दूसरे की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हाल ही में भारत की यात्रा पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि ये प्रधानमंत्रीजी बहुत अलग हैं उन्होंने बीते 25 सालों में कभी एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। वे सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रसेवा को महत्व देते हैं। कार्नी ने एक कार्यक्रम में अपने हालिया भारत दौरे और पीएम मोदी से मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मोदी की कार्यशैली और काम के प्रति उनका समर्पण बेहद अलग है। उन्होंने कहा- 'यह व्यक्ति अलग तरह का है। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले 25 वर्षों में उन्होंने एक भी दिन छुट्टी नहीं ली है।कनाडाई प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी हर हफ्ते के अंत में चुनाव प्रचार में निकल जाते हैं और उनकी रैलियों में लाखों लोग पहुंचते हैं। कार्नी ने कहा कि कई बार एक रैली में करीब ढाई लाख लोग तक मौजूद रहते हैं, जो उनकी लोकप्रियता को दिखाता है। कार्नी ने पीएम मोदी की कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि वह खास तौर पर ग्रामीण आबादी के लिए काम करने पर ध्यान देते हैं। दरअसल कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी हाल ही में भारत दौरे पर आए थे। यह दौरा ऐसे समय हुआ जब पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण रहे थे।

जनगणना के लिए 4 डिजिटल टूल लॉन्च, प्रगति-विकास शुभंकर का अनावरण

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां जनगणना-2027 के लिए चार डिजिटल प्लेटफॉर्म का सॉफ्ट लॉन्च किया और प्रगति (महिला) एवं विकास (पुरुष) नामक शुभंकर का अनावरण किया। यह दुनिया का सबसे बड़ा जनगणना अभियान होगा और पहली बार पूरी जनगणना डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। साथ ही पहली बार नागरिकों को 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' यानी स्वयं ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराने का विकल्प भी दिया जाएगा। सरकारी सूचना के अनुसार उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) द्वारा विकसित किए गए हैं। इनकी मदद से देशभर में जनगणना संचालन को अधिक व्यवस्थित और तकनीक-आधारित बनाया जाएगा। जनगणना-2027 के लिए बनाए गए शुभंकर 'प्रगति' और 'विकास' एक महिला और एक पुरुष गणनाकर्मी का प्रतीक हैं। इनके माध्यम से जनगणना से जुड़ी जानकारी और संदेश आम नागरिकों तक सरल और प्रभावी तरीके से पहुंचाए जाएंगे। साथ ही ये पुरुष और महिलाओं की समान भागीदारी के प्रतीक भी हैं, जो वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दर्शाते हैं। सरकार ने 16 जून 2025 को राजपत्र अधिसूचना जारी कर जनगणना-2027 की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की थी। यह जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी और इसमें देशभर में 30 लाख से अधिक गणनाकर्मी, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल होंगे। पहले चरण 'गृह-सूचीकरण एवं आवास जनगणना' के तहत आवास की स्थिति और घरेलू सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके लिए मकान-सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच 30 दिनों की अवधि में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा निर्धारित समय पर किया जाएगा।

शी-मार्ट विषय पर वेबिनार कल, प्रधानमंत्री करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। बजट के बाद के वेबिनार सत्र-2026 के तहत शुक्रवार को शी-मार्ट विषय पर चर्चा की जाएगी। इस सत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने गुरुवार को एक्स पर लोगों से वेबिनार से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि शी -मार्ट ग्रामीण महिलाओं को उत्पादन से ब्रांडिंग की ओर, स्थानीय बिक्री से राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ने में मदद करेंगे। क्योंकि आज की महिला उद्यमी ही कल की व्यापारिक नेता हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह महज़ उत्पाद बेचने की जगह नहीं होगी, बल्कि एक ऐसा मंच होगा जहां आत्मविश्वास बढ़ेगा, सपने साकार होंगे और महिलाएं उद्यमी के रूप में अपना उचित स्थान प्राप्त करेंगी। दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में वे अब बड़े बाजारों में कदम रखेंगी, उचित मूल्य अर्जित करेंगी, मजबूत नेटवर्क बनाएंगी और अपनी मेहनत को स्थायी सफलता और आत्मनिर्भरता में बदलेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित किए जाने वाले 'ग्रामीण महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए शी-मार्ट विषय पर आयोजित बजट के बाद के वेबिनार सत्र में हमारे साथ जुड़ें।

देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था। पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है। सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है। डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में उतारे 6 उम्मीदवार सिंघवी-रेड्डी-फूलो और बौद्ध जाएंगे राज्यसभा

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के नामांकन का आज यानि गुरुवार को अंतिम दिन है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने तेलंगाना, तमिलनाडु, हिमाचल और छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सीट के लिए अपने पत्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी को तेलंगाना से दुबारा राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। तेलंगाना से कांग्रेस ने सिंघवी के अलावा वेम नरेंद्र रेड्डी को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। सिंघवी को जहां गांधी परिवार का करीबी माना जाता है तो वेम रेड्डी तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डा के भरोसेमंद माने जाते हैं। पूर्व विधायक रेड्डी तेलंगाना कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद इस सूची को जारी किया गया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा को कैंडिडेट बनाया है। इसके अलावा एम. क्रिस्टोफर तिलक तमिलनाडु से उतरेंगे। अभिषेक मनु सिंघवी और वी. नरेंद्र रेड्डी तेलंगाना से राज्यसभा जाएंगे। हरियाणा से कर्मवीर सिंह बौद्ध को मौका दिया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है। हरियाणा में कांग्रेस ने दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कर्मवीर सिंह बौद्ध को मौका दिया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान का नाम चर्चा में था तो वहीं अशोक तंवर भी रेस में बताए जा रहे थे। लेकिन अंत में कर्मवीर सिंह बौद्ध के नाम पर ही मुहर लगी। इसे पार्टी की एक नया दलित नेतृत्व खड़ा करने की कोशिश माना जा रहा है।अब हिमाचल की बात करें तो वहां भी कांग्रेस ने चौंका दिया है। उन अनुराग शर्मा को राज्यसभा में मौका दिया है, जिनका नाम दूर-दूर तक चर्चा में नहीं था। इससे पहले मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने संकेत दिए थे कि इस बार कांग्रेस बाहरी राज्य से उम्मीदवार नहीं उतारेगी और हिमाचल से ही चेहरा सामने लाया जाएगा।

पेट के कैंसर को शुरुआती चरण में पकड़ना आसानः एक्सपर्ट

नई दिल्ली। पेट की समस्या को अक्सर हम गैस, अपच, थकान या भारीपन समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यही संकेत समय रहते पहचान लिए जाएं तो कैंसर की बीमारी को शुरुआती चरण में पकड़ना आसान हो सकता है। अधिकतर मामलों में मरीज डॉक्टर के पास तब पहुंचते हैं जब कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैलना शुरू कर चुका होता है। कैंसर जागरूकता से जुड़ी संस्था अमेरिकी कैंसर सोसायटी यह स्पष्ट करती है कि पेट के कैंसर के कई शुरुआती लक्षण ऐसे होते हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। इनमें सबसे आम है बार-बार पेट फूलना या खाने के बाद भारीपन महसूस होना।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

होली पर गुरुद्वारा साहिब में सजा विशेष दीवान, कीर्तन व कथा से संगत हुई निहाल

रांची। श्री गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब में होली के पावन अवसर पर गुरुवार को विशेष दीवान सजाया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु घर की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम की शुरुआत हजूरी रागी जत्था के भाई महिपाल सिंह ने आसा दी वार के कीर्तन से की। इसके बाद उन्होंने "आजु हमारे गृह वसंत गुन गाए प्रभ तुमी अनंत" तथा "थिर घर वैसहु हर जन पिआरे सतगुरु तुमरे काज सवारे" शबद का गायन कर संगत को भाव-विभोर कर दिया। मधुर कीर्तन सुनकर गुरुद्वारा परिसर भक्ति रस में डूब गया और संगत ने श्रद्धा के साथ गुरुबाणी का आनंद लिया। इस दौरान गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्द्र सिंह ने कथा वाचन करते हुए होला महल्ला की परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने वर्ष 1680 में किला आनंदगढ़ साहिब में इस पर्व की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य सिख समुदाय में वीरता, साहस और अनुशासन की भावना को सुदृढ़ करना था। उन्होंने कहा कि होली के रंग तभी सार्थक हैं जब जीवन में परमात्मा की भक्ति और सेवा का भाव भी हो। दीवान का समापन श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास और हुकुमनामा के साथ हुआ। इसके बाद संगत के बीच कढ़ाह प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। इस अवसर पर संगत के लिए चाय-नाश्ते का लंगर भी चलाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सेवा की। कार्यक्रम का संचालन मनीष मिड्ढा ने किया, जबकि श्री गुरु नानक सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा ने उपस्थित संगत को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और सभी ने गुरुबाणी के साथ पर्व की खुशियां मनाईं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को, तैयारी जोरों पर

रांची। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के मार्गदर्शन में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम के तहत चान्हो प्रखंड के हुटार ग्राम में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी निलश्याम कुमार ने लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 14 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत में आप अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क और सुलभ तरीके से करा सकते हैं। उषा कुमारी और सुमति कुमारी ने बाल श्रम, बाल अधिकार, बाल विवाह, डायन बिसाही, नशा उन्मूलन, पीड़ित मुआवजा और जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के बारे में जानकारी दी। संजीत उरांव और सोनु सिंह ने डायन बिसाही की ओर फोकस करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को डायन कहकर इंगित करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। वहीं हरिराम करमाली और अलमा एक्का ने नशा उन्मूलन पर कहा कि युवाओं को नशा से दूर रहना चाहिए। मौके पर पीएलवी की ओर से वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन की जानकारी दी गयी। सुनीता देवी ने प्रधानमंत्री आवास योजना और जॉब कार्ड के बारे में फोकस किया। रेनु देवी ने लोक अदालत और सुजिता देवी ने मंईयां सम्मान योजना के बारे में बतायार। पीएलवी बरखा तिर्की, प्रीतम सक्सेना और पुनम देवी ने 14 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उक्त तिथि को लोग अपने वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से करा सकते हैं।

मंदिर से गणेश प्रतिमा की चोरी, लोगों में आक्रोश

खूंटी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के गोविंदपुर के पास कारो नदी तट पर बने शिव मंदिर से शरारती तत्वों ने गणेश की संगमरमर की प्रतिमा और पीतल के शेषनाग को चोरी कर ली। इस संबंध में तोरपा थाने में गुरुवार को मामला दर्ज कराया गया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम 7:00 बजे तक लोगों ने मंदिर में पूजा अर्चना की, लेकिन गुरुवार की सुबह जब लोग वहां पहुंचे, तो गणेश की प्रतिमा और पीतल के शेषनाग गायब मिले। यह देखते ही लोगों में आक्रोश भर गया और भारी संख्या में सनातनी लोग मंदिर के पास पहुंच गए। मामले की सूचना मिलते ही जरिया गढ़ के थाना प्रभारी बीरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर माहौल को शांत कराया। थाना प्रभारी ने कहा कि इसमें शरारती तत्वों का हाथ हो सकता है। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बाइक और ऑटो की टक्कर में जीजा–साले की मौत, दो घायल

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के चेरवादाग मोड़ के पास बुधवार को हुए सड़क हादसे में जीजा–साले की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कर्रा की ओर से आ रहे एक ऑटो और कर्रा से जलटंडा साप्ताहिक हाट की ओर जा रही बाइक के बीच चेरवादाग मोड़ के पास आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। बाइक पर तीन लोग सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार रमेश और उसका साला मुन्ना उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में मुन्ना उरांव का दोस्त राजू कच्छप और ऑटो चालक अनिल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा पहुंचाया। वहां चिकित्सक प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति पर निगरानी कर रहे हैं। बताया जाता है कि मृतक मुन्ना उरांव रांची जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र के पांडू टोली का निवासी था। वह अपने दोस्त राजू कच्छप के साथ चिउर छापरा स्थित अपने जीजा के घर आया हुआ था। वहां से तीनों एक साथ जलटंडा साप्ताहिक हाट जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान चेरवादाग मोड़ के पास यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कर्रा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। घायल ऑटो चालक अनिल कर्रा के पेपीर टोली का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। वहीं पुलिस ने गुरुवार को सदर अस्पताल में शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित 'बाहा पर्व' में हुए सम्मिलित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

नेमरा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सपरिवार अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित 'बाहा पर्व' में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ग्रामीणों के साथ नेमरा गांव स्थित जाहेर थान पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां पारम्परिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। परंपरा के अनुरूप पूजन कार्य गांव के नाइके बाबा (पाहन) चैतन टुडू एवं कुडम नाइके बाबा (उप पाहन) छोटू बेसरा ने संपन्न कराया। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन नेमरा के ग्रामीणों के साथ 'बाहा पूजा' के लिए अपने निवास स्थान से पदयात्रा करते हुए जाहेर थान पहुंचे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'बाहा पर्व' में शामिल होने अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर नेमरा सहित आस-पास क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित नजर आए। संस्कृति के अनुरूप नेमरा के ग्रामीण ढोल-नगाड़ा एवं मांदर बजाते हुए मुख्यमंत्री के साथ जाहेर थान पहुंचे। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने स्वयं मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साहवर्द्धन किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया।

मुख्यमंत्री सपरिवार पहुंचे नेमरा-मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन सहित सपरिवार दो दिवसीय दौरे पर नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में आस-पास क्षेत्र के लोग नेमरा गांव पहुंचे तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री भी आत्मीयता के साथ लोगों से मिले एवं उनकी बातों को सुना। मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को 'बाहा पर्व' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

चोरी करने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बर्मामाइंस थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर में आग लगाकर कॉपर क्वाइल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर करीब 70 किलो ग्राम चोरी किया गया ट्रांसफार्मर का क्वाइल बरामद किया है। इस संबंध में बर्मामाइंस थाना में मामला दर्ज किया गया था। टाटा स्टील (यूआईएसएल) में मैनेजर के पद पर कार्यरत अजित कुमार त्रिपाठी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि 10 से 12 अज्ञात अपराधियों ने ट्रांसफार्मर में आग लगाकर उसमें लगे कॉपर क्वाइल की चोरी कर ली थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर बर्मामाइंस थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर मामले में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद कर्मकार (35), अनिल दास उर्फ छोटा भकुआ (21) और अजय मांझी उर्फ हबीबुल (31) के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से की गई पूछताछ में आरोपितों ने ट्रांसफार्मर में आग लगाकर कॉपर क्वाइल चोरी करने की बात स्वीकार की है। बर्मामाइंस के थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का पूर्व में भी

आपराधिक इतिहास रहा है और विभिन्न थानों में इनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

युवक ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के कुम्हारपाड़ा में गुरुवार सुबह एक युवक के कीटनाशक खाकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कुम्हारपाड़ा निवासी सूरज प्रसाद (38) के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह सूरज की दूसरी पत्नी सोनी ने कमरे में उसे जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास में कीटनाशक की बोतल भी पड़ी हुई थी। आनन-फानन में इसकी सूचना सीतारामडेरा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच के दौरान पुलिस को मृतक के मोबाइल फोन से एक वीडियो भी मिला है। बताया जा रहा है कि उस वीडियो में सूरज ने अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात कही है। फिलहाल पुलिस वीडियो की भी जांच कर रही है और उसके आधार पर पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार सूरज प्रसाद ने दो शादियां की थीं। उसकी पहली पत्नी पिंकी सोनारी क्षेत्र में रहती है, जबकि वह अपनी दूसरी पत्नी सोनी के साथ कुम्हारपाड़ा में रह रहा था। करीब छह महीने पहले वह एक ट्रेन दुर्घटना का शिकार हो गया था, जिसमें उसके दोनों पैर और एक हाथ कट गए थे। इस घटना के बाद से ही वह शारीरिक और मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद से सूरज गहरे

अवसाद में रहने लगा था और अक्सर अपनी स्थिति को लेकर चिंतित रहता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि आर्थिक और शारीरिक परेशानियों के कारण वह काफी तनाव में था। फिलहाल सीतारामडेरा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पूरी तरह पुष्टि हो सकेगी।

पैसों के विवाद में दामाद की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में हुए एक हत्या कांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 28 फरवरी 2026 को ग्राम चेड़ाबार के पास कोयल नदी की झाड़ियों में छिपाया गया एक शव बरामद हुआ था। शव की पहचान युगेश सिंह, पिता कृष्णा सिंह, निवासी ग्राम करचा, पोस्ट कण्डा, थाना नावाबाजार, जिला पलामू के रूप में हुई। युगेश सिंह ग्राम चेड़ाबार निवासी तिरधारी सिंह के दामाद थे।

मामले में मृतक की पत्नी के लिखित आवेदन के आधार पर चैनपुर थाना में कांड संख्या 57/2026, दिनांक 1 मार्च 2026 को धारा 103(2)/238/3(5) बीएनएस के तहत शिव कुमार सिंह उर्फ शिवपुजन सिंह समेत अन्य पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर

राजीव रंजन के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस निरीक्षक सदर अंचल और चैनपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

पुलिस टीम ने छापेमारी कर 5 मार्च 2026 को प्राथमिकी अभियुक्त शिवपुजन सिंह उर्फ शिव कुमार सिंह और अप्राथमिकी अभियुक्त जय प्रकाश सिंह उर्फ हुड़िया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि 27 फरवरी की रात करीब साढ़े आठ बजे वे घर लौट रहे थे। इसी दौरान मुनेश्वर सिंह उर्फ ढेला सिंह के घर के सामने बेल के पेड़ के नीचे युगेश सिंह नशे की हालत में बैठे मिले। दोनों ने उनसे खर्च के लिए पैसे मांगे, जिस पर विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने युगेश सिंह को कोयल नदी की ओर ले जाकर लोहे के फाइटर से मारपीट की और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को नदी किनारे झाड़ियों में छिपा दिया। मारपीट के दौरान मृतक का जीन्स और जूता निकल गया था, जिसे आरोपियों ने नदी में छिपा दिया था। मृतक का पिट्ठू बैग भी नदी में ही फेंक दिया गया था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का जूता, पिट्ठू बैग और हत्या में प्रयुक्त लोहे का फाइटर बरामद कर लिया है। इसके अलावा शव के पास से एक मफलर और बाएं पैर की एक चप्पल भी मिली थी, जिसे शिवपुजन सिंह ने अपना बताया है।

गिरफ्तार आरोपियों में शिवपुजन सिंह उर्फ शिव कुमार सिंह (28 वर्ष), पिता प्रताप सिंह और जय प्रकाश सिंह उर्फ हुड़िया (23 वर्ष), पिता गोविन्द सिंह, दोनों निवासी ग्राम चेड़ाबार, थाना चैनपुर, जिला पलामू शामिल हैं। छापेमारी दल में पूनम टोप्पो, श्रीराम शर्मा, बाबूलाल दुबे, छत्रधारी कुमार और विक्रम तामसोय सहित चैनपुर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

झारखंड के 11 जिलों में 09 को बारिश और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राज्य के 11 जिलों में 09 मार्च को बारिश और वज्रपात को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग के अनुसार 07 से 10 मार्च तक राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम में परिवर्तन होने की संभावना है। इस दौरान गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। विभाग के अनुसार 7 मार्च को पूर्वी सिंहभूम पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 08 और 09 मार्च को 14 जिलों में हल्के दर्ज की बारिश हो सकती है। वहीं 10 मार्च को राज्य के १३ जिलों में हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है, जबकि ११ जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। इन जिलों में कोडरमा, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, गिरिडीह, दुमका, हजारीबाग, देवघर, जामताड़ा, बोकारो और धनबाद शामिल हैं। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 36.4

डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला जिले में 11.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। इससे दिन में धूप में काम तपिश महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 15.2 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 35.1 और न्यूनतम 17.6 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम 35.2 और न्यूनतम 15. 3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम तापमान 34.4 और न्यूनतम 15.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.4 और न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

टाटानगर रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे सुरक्षा बल(आरपीएफ) ने नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से लाखों रुपये के ब्राउन शुगर बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार रेलवे के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से आरपीएफ की ओर से ऑपरेशन नारकोस चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल चक्रधरपुर मंडल के निर्देश पर टीम ने छापेमारी कर तीन तस्करों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों के पास से कुल 28 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसका कुल वजन 3.56 ग्राम बताया जा रहा है। बरामद ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत लगभग तीन लाख 56 हजार रुपये है। इसके अलावा आरोपितों के पास से तीन मोबाइल फोन और 4,330 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। कुल जब्त सामानों की कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार 330 रुपये बताई गई है। पकड़े गए

आरोपितों की पहचान परसुडीह थाना क्षेत्र के किताडीह निवासी मुस्तकीम अंसारी उर्फ रतन, बर्मामाइंस के कैरेज कॉलोनी निवासी बसंत उपाध्याय उर्फ डेफिनिटी और गोलमुरी खालसा क्लब के पास रहने वाले राहुल कुमार डे के रूप में हुई है। गुरुवार को आरपीएफ थाना प्रभारी राकेश महतो ने बताया कि जांच में सामने आया है कि मुस्तकीम अंसारी उर्फ रतन ब्राउन शुगर को सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर इलाके से लाकर टाटानगर स्टेशन परिसर में बसंत उपाध्याय उर्फ डेफिनिटी और राहुल कुमार डे को बेच रहा था। इसी दौरान आरपीएफ की टीम ने तीनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। फिलहाल आरपीएफ तीनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है और पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बाबूलाल मरांडी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा के लिए दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा की सदस्यता के लिए नामांकन दाखिल करने पर बधाई दी। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि नीतीश कुमार पिछले तीन-चार दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे हैं और राज्य को जंगल राज से बाहर निकालकर सुशासन स्थापित करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने प्रशासनिक स्थिरता, विकास और बेहतर शासन के लिए एक नई पहचान बनाई है। मरांडी ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार ने सार्वजनिक जीवन में हमेशा ईमानदारी, सम्मान और नैतिकता के मूल्यों को प्राथमिकता दी है। बाबूलाल मरांडी

ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल राज्य के इतिहास में एक सुनहरे अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्यसभा सदस्य के रूप में नीतीश कुमार का अनुभव और नेतृत्व संसद के उच्च सदन को भी गौरवान्वित करेगा। मरांडी ने नीतीश कुमार को उनके उज्ज्वल भविष्य और देश के विकास में उनके योगदान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

तुपकाडीह में धूल-कीचड़ और कपड़ा-फाड़ होली के बीच दिखा भक्ति और मस्ती का संगम

बोकारो : तुपकाडीह क्षेत्र में रंगों का महापर्व होली अत्यंत उत्साह और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूरे क्षेत्र में उत्सव के दौरान भाईचारे का माहौल रहा और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। इस बार तुपकाडीह की होली में परंपरा और आधुनिक मस्ती का एक अनोखा मेल देखने को मिला, जिसने स्थानीय निवासियों का भरपूर मनोरंजन किया।

स्टेशन रोड स्थित जय हिंद कला मंच के सदस्यों ने इस बार अपनी होली को खास बनाते हुए धूल और कीचड़ के साथ त्योहार मनाया। पुराने दिनों की याद ताजा करते हुए सदस्यों ने एक-दूसरे को कीचड़ से सराबोर कर दिया, जो ग्रामीण परिवेश की पारंपरिक होली की याद दिलाता है। दूसरी ओर, युवाओं के 'फ्रेंड्स ग्रुप' ने 'कपड़ा फाड़' होली का जमकर लुत्फ उठाया। डीजे की थाप और थिरकाने वाले संगीत के बीच युवा पूरी मस्ती में झूमते और नाचते नजर आए।

उत्सव के इस उल्लास के बीच आस्था का रंग भी गहरा नजर आया। होली के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बाबा महादेववर नाथ मंदिर और प्रसिद्ध दुर्गाधाम में उमड़ी। लोगों ने मंदिरों में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। अबीर-गुलाल की खुशबू और ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ तुपकाडीह में होली का यह त्योहार यादगार बन गया।

युवाओं और विस्थापितों के भविष्य को संवार रहा बीएसएल

नियोजन और उद्यमिता के जरिए सशक्तिकरण की रची नई इबारत

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने क्षेत्र की जनता, विशेषकर विस्थापित परिवारों और स्थानीय युवाओं के सामाजिक-आर्थिक उत्थान को अपनी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा है। प्रबंधन की ओर से उठाए गए हालिया कदम इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि संयंत्र केवल इस्पात उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय समाज के सशक्तिकरण का इंजन भी है। विस्थापित युवाओं के कौशल को सम्मान देने और उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए प्रबंधन ने एक दूरगामी नीति अपनाई है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं।

संयंत्र प्रबंधन ने अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए रोजगार की राह आसान करते हुए संवेदकों के माध्यम से उन्हें प्राथमिकता के आधार पर नियोजन उपलब्ध कराने की ठोस व्यवस्था की है। इस पहल के तहत अब तक 100 से ज्यादा युवाओं को विभिन्न कार्यों में समायोजित किया जा चुका है। इतना ही नहीं, रोजगार की यह रफ़्तार और तेज होने वाली है; अगले एक से दो महीनों के भीतर 125 और युवाओं को समायोजित करने से संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। यह कदम न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि उनके तकनीकी कौशल का लाभ सीधे संयंत्र के कार्यों को भी मिल रहा है।

सशक्तिकरण की यह लहर केवल नियोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भी प्रबंधन सक्रिय है। विस्थापित ठेकेदारों को वरीयता के आधार पर कार्य आवंटित किए जा रहे हैं, ताकि वे न केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ हों, बल्कि स्वयं भी रोजगार सृजन के केंद्र बन सकें। प्रबंधन का मानना है कि संवाद और समन्वय के माध्यम से स्थानीय अपेक्षाओं को सुलझाना उनकी प्रतिबद्धता है। आने वाले समय में प्लांट के प्रस्तावित विस्तारीकरण से उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ रोजगार और व्यापार के नए द्वार खुलेंगे, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को एक नई और ऊर्जावान दिशा प्राप्त होगी।

डुमरी में शांतिपूर्ण माहौल में मनी होली

डुमरी : प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार (04 मार्च) को होली शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया।लोगो ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली शांति व सौहार्द के साथ मनाया।वहीं इसके पूर्व 2 मार्च की रात्रि को होलिका दहन किया गया।जबकि 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण के कारण लोग होली नहीं खेले लेकिन बाजारों में काफी चहल पहल रही।पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च भी निकाला गया।साथ ही विभिन्न चौक चौराहों व सार्वजनिक क्षेत्रों में पुलिस के साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। होली को शांति व सौहार्द के साथ संपन्न कराने हेतु एसडीपीओ सुमित प्रसाद पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार सदलबल सक्रिय रहे।अनुमंडल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष मनाया गया था साथ ही एक अग्निशमन वाहन की भी उपलब्धता सुनिश्चित की गई थी।

सामाजिक मैत्री की प्रेरणा देती है होली : अधिशासी निदेशक

» मिथिला सांस्कृतिक परिषद के होली मिलन में फगुआ गीतों की रही बौछार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो में चौतरफा होलियाना माहौल के बीच मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो का होली मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। परिषद की ओर से नगर के सेक्टर- 4ई में संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में आयोजित होली मिलन में एक तरफ जहां खूब अबीर-गुलाल उड़ते रहे, वहीं घंटों पारंपरिक फगुआ गीतों की बौछार होती रही। ढोलक, झाल-मंजीरा और हारमोनियम के साथ परिषद की कीर्तन मंडली के कलाकारों ने फागुन-रस की ऐसी बौछार की कि उपस्थित सभी लोग उसमें सराबोर हो गए।

कलाकारों ने फगुआ गीतों- बाबा हरिहरनाथ सोनपुर में खेले होली..., बिरज में होरी खेलत नंदलाल... मिथिला में राम खेलथि होरी..., खेले मसाने में होरी दिगंबर... आदि गीतों की झड़ी लगा दी। इस क्रम में आसपास का पूरा वातावरण होलीमय बना रहा। परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी एवं महासचिव नीरज चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए होली को आपसी प्रेम, सदभाव और भाईचारे का पर्व बताया। साथ ही, उन्होंने मिथिला समाज के लोगो से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त ने उपस्थित सभी लोगों को होली की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व हमें सामाजिक प्रेम और मैत्री की प्रेरणा देता है। मौके पर बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम- 3) राजेश कुमार झा, परिषद निदेशक मंडल के संयोजक एवं मिथिला एकेडमी के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, निदेशक मंडल के सदस्य केसी झा व विजय कुमार झा, विद्यालय सचिव दिलीप कुमार झा, परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, कोषाध्यक्ष मिहिर मोहन ठाकुर सहित श्रीमोहन झा, सुनील मोहन ठाकुर, अविनाश झा अवि, सुदीप कुमार ठाकुर, विजय कुमार मिश्र अंजू, सुभद्र चौधरी, एसके झा, विश्वनाथ झा, तरुण, अमरनाथ झा, भूषण पाठक, रमण झा, मनोज कुमार झा, अरविन्द मिश्रा, प्रमोद कुमार मिश्र, गंगेश पाठक, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

कसमार : मेरमहारा में प्रकृति पर्व बाहा में थिरके आदिवासी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर पंचायत अंतर्गत आदिवासी बहुल मेरमहारा गांव में बुधवार को संथाल समाज का प्रमुख प्रकृति पर्व बाहा उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर सुबह से ही गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा और लोग पारंपरिक अनुष्ठानों में जुटे रहे। शाम होते ही गांव का अखड़ा सांस्कृतिक रंग में रंग गया। मांदर और ढोल की थाप पर महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। देर रात तक चले इस अखड़ा नृत्य में युवक-युवतियों के साथ बुजुर्ग भी शामिल हुए और पर्व की खुशियां साझा कीं। इससे पहले पर्व के तहत फूलसुसारी सुकदेव मांझी, पाहन रमेश हेंब्रम, परानिक हाड़ाम शक्ति मरांडी और जोग मांझी राहुल हांसदा की देखरेख में पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों ने परंपरागत विधि से देवी-देवताओं और प्रकृति की आराधना कर गांव की सुख-समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान और पारंपरिक कार्यक्रम चलते रहे। इस अवसर पर पाहन रमेश हेंब्रम ने कहा कि बाहा पर्व संथाल समाज की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान और समाज में एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

कार्यक्रम में रामा तुरी, विकास हेंब्रम, केनाराम हेंब्रम, हराधन, निर्मल, लखीराम, राहुल, विजय, सनातन और करमचंद सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। वहीं केदला के मनोज हेंब्रम और उनके साथियों ने मांदर व अन्य वाद्ययंत्रों के साथ संगीत प्रस्तुत कर माहौल को और भी उत्सवमय बना दिया।

बीएसएल लाया सुरक्षा, सम्मान और संवेदनशीलता की 'संजीवनी'

» ऐतिहासिक पहल के तहत 7,000 संविदा कर्मियों को मिला 4 लाख रु. का कवच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने कार्यबल के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी मील का पत्थर स्थापित किया है। संयंत्र प्रबंधन ने अपने ठेका कर्मियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संजीवनी नामक समूह स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया है। यह पहल न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा करेगी, बल्कि औद्योगिक जगत में समावेशी कार्य-संस्कृति और श्रमिक सम्मान का एक अनूठा उदाहरण भी पेश करेगी।

संजीवनी योजना के दायरे में संयंत्र के लगभग 7,000 संविदा कर्मी आएंगे, जिन्हें अब बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस योजना का संचालन बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से किया जा रहा है, जबकि बीमा कवरेज की जिम्मेदारी मेसर्स बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड को सौंपी गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रत्येक बीमित कर्मी को एक वर्ष की अवधि के लिए 4 लाख रुपए तक की इन-पेशेंट (आईपीडी) चिकित्सा सुविधा और 1,500 रुपए तक की आउट-पेशेंट (ओपीडी) सुविधा प्रदान की जाएगी। यह सुरक्षा कवच संविदा कर्मियों और उनके परिवारों को आकस्मिक स्वास्थ्य खर्चों से बचाते हुए उन्हें मानसिक और आर्थिक संबल प्रदान करेगा।

विशेष बात यह है कि पूरे सेल में संजीवनी अपनी तरह की एकमात्र और अनूठी योजना है, जो विशेष रूप से संविदा कर्मियों के कल्याण को समर्पित है। यह पहल इस गहरे विश्वास को पुख्ता करती है कि बीएसएल अपने कार्यबल के प्रत्येक वर्ग को संगठन की प्रगति में बराबर का सहभागी मानता है। स्वास्थ्य सुरक्षा का यह उपहार न केवल कर्मियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि संयंत्र के प्रति उनके जुड़ाव और निष्ठा को भी और अधिक मजबूत करेगा। समावेशी और उत्तरदायी प्रबंधन की यह मिसाल औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कल्याण की दिशा में एक प्रेरणादायक अध्याय के रूप में देखी जा रही है।

रंगोत्सव का छाया उमंग, छोटे-बड़े सब रहे मतंग

» बोकारो में उत्साह के साथ धूमधाम से मनी होली

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रंग, प्रेम, सौहार्द व सद्भाव का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाने वाली होली बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास के इलाके में पूरे धूमधाम के साथ सोल्लास मनाई गई। शहर में चारों तरफ लगातार होलियाना मस्ती का उमंग छाया रहा और रंगों की इस खुशी के उमंग में छोटे, बड़े, सभी मतंग बने रहे। क्या खास, क्या आम, हर किसी ने तमाम भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाए और होली की खुशियां बांटीं। दिन भर डीजे म्यूजिक और होलियाना गीतों की धमक के बीच रंग-गुलाल खेलने के दौर देर शाम तक चलता रहा। सुबह से ही सभी दिशाओं में होली पर बच्चों व युवाओं की हुल्लड़बाजी गूंजनी शुरू हो गयी। गली-मोहल्लों में बच्चों, युवाओं के साथ-साथ बड़े-बुजुर्गों और महिलाओं ने भी अपनी टोलियां लेकर ड्रम, बाल्टी बजाते हुए घर-घर घूमकर एक-दूसरे को रंगों में सराबोर करने का सिलसिला शुरू कर दिया, जो दोपहर तक चलता रहा।

बच्चों ने पिचकारियों से रंग छोड़ खूब मस्ती की। होली पर लोगों का अपने रिश्तेदारों, इष्टमित्रों के घर जाकर भी रंग लगाने के साथ-साथ होली विशेष पूआ, दहीवड़ा आदि पकवान खाने-खिलाने का क्रम भी चलता रहा। वहीं, दोपहर बाद संध्या बेला में अबीर लगाने का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। वहीं, होली को लेकर एक-दो दिन पहले से ही दिनभर फोन, सोशल मीडिया के जरिये एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला भी जारी रहा। लोगों ने जमकर फोटो और रील्स सोशल मीडिया पर साझा किए। इधर, होली पर प्रशासनिक चुस्ती भी रही। दिनभर पुलिस के सायरन बजते रहे। पुलिस सामाजिक व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर चौकस दिखी। हालांकि, इसके बावजूद कई इलाकों में कपड़ाफाड़ होली के बाद दबंगई वाले अंदाज में युवाओं को बेरतरतीब तरीके से गाड़ियां दौड़ाते देखा गया। वैसे, कई जगहों पर लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द का भी परिचय दिया। कुल मिलाकर जिले में होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।

सामाजिक समरसता और सौहार्द का प्रतीक है होली : डॉ. गंगवार

» डीपीएस बोकारो परिवार ने खेली फूलों की होली, नृत्य-संगीत में दिखाई प्रतिभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पर्व-संस्कृति में भी पर्यावरणीय हितों का समावेश करते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो ने अपनी परंपरा के अनुसार इस बार भी फूलों की होली मनाई। विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में अनुपम साज-सज्जा के बीच भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने रासायनिक रंगों की बजाय पर्यावरण के अनुकूल फूलों की पंखुड़ियों का इस्तेमाल किया। प्राचार्य, उपप्राचार्य, प्रधानाध्यापक व प्रधानाध्यापिकाओं सहित सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने एक-दूसरे पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर होली के आनंद में एक नए रंग का रस घोल दिया।

इस अवसर पर गीत-संगीत और नृत्य में शिक्षकों ने जमकर अपनी प्रतिभा दिखाई और रंगोत्सव की खुशी को अपने उत्साह के रंग से सराबोर कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने भी शिक्षकों की प्रस्तुतियों में संग देकर उनका मनोबल बढ़ाया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय संस्कृति और होली की महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि होली न केवल सामाजिक समरसता, सौहार्द और प्रेम का प्रतीक है, बल्कि यह हमें जीवन के हर रंग में रंगने की सीख भी देती है। उन्होंने शिक्षकों के जीवन के विविध रंगों की चर्चा करते हुए उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र-निर्माण में उनकी महती भूमिका पर भी प्रकाश डाला। शिक्षकों ने प्राचार्य को पलाश फूल से बना फ्लोरल बैज पहनाकर सम्मानित किया।

समारोह में, विद्यालय की प्राइमरी व सीनियर विंग के शिक्षकों, कार्यालय के कर्मियों और अभिवंचित वर्ग के बच्चों के शिक्षार्थ संचालित दीपांश शिक्षा केंद्र के शिक्षकों ने भी एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। समूह व एकल गान में उन्होंने आज बिरज में होली रे रसिया..., होली खेले रघुवीरा..., कन्हैया घर चलू गुइयां आज खेले होली..., होली कनक भवन में खेलत सिया रघुवीर जैसे पारंपरिक व फिल्मी गीतों की सुरीली छटा बिखेरी। वहीं, नृत्य में भी अपनी प्रतिभा दिखाते हुए उत्साह, ऊर्जा और उमंग का परिचय दिया। अंत में संगीत विभाग के शिक्षकों ने सदाबहार होली गीतों की नॉनस्टॉप मेडली प्रस्तुत कर सबकी भरपूर तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. गंगवार को हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय का अभिप्रमाणित मध्यस्थ बनाए जाने पर उनका अभिनंदन भी किया गया। मौके पर विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण, उपप्राचार्या शालिनी शर्मा, प्रधानाध्यापिका डॉ. सरिता गंगवार, सुनीता भारद्वाज, ममता त्रिपाठी, अनिंदिता भद्रा व प्रीति सिन्हा तथा प्रधानाध्यापक गोपाल नारायण विश्वकर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं व शिक्षकेत्तरकर्मी मौजूद रहे। मंच संचालन शिक्षिका महाश्वेता एवं प्रियंका तथा धन्यवाद ज्ञापन महिमा सिंह ने किया। इस अवसर पर बनाया गया सेल्फी प्वाइंट भी सबके लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

झोपड़ी में गिरा हाईटेंशन तार, सामान जलकर राख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के तेलमुंगा (गर्री) गांव के तिलैयगजार टोला में गुरुवार की सुबह करीब दस बजे 11 हजार वोल्ट का हाई टेंशन तार टूटकर गिर गया, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और धर्मनाथ गोस्वामी तथा उमेश गोस्वामी की झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते झोपड़ी धू-धू कर जलने लगी। घटना के समय झोपड़ी में स्व-रोजगार के रूप में चलाए जा रहे छोटे ढाबे से संबंधित सामान रखा हुआ था। आग की चपेट में आने से झोपड़ी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। झोपड़ी में रखा चावल, राशन तथा अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री भी आग में जलकर राख हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तुरंत आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की तत्परता और सामूहिक प्रयास से आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण

नहीं पाया जाता तो आसपास की अन्य झोपड़ियां भी इसकी चपेट में आ सकती थीं और बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि धर्मनाथ गोस्वामी और उमेश गोस्वामी की झोपड़ी तथा उसमें रखा सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि धनलाल कपरदार आदि मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

उद्योग और समाज के अटूट रिश्तों की नई पहचान बनेगा 'कृतज्ञता पार्क'

» हरितिमा और बागवानी से शहरवासियों के प्रति जताया अनूठा आभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) और यहां के स्थानीय समुदाय के बीच दशकों पुराने प्रगाढ़ संबंधों को अब एक नई और भव्य पहचान मिलने जा रही है। संयंत्र प्रबंधन ने स्थानीय निवासियों के निरंतर सहयोग, अटूट विश्वास और ऐतिहासिक योगदान के प्रति अपना आभार प्रकट करने के लिए सेक्टर-11 में कृतज्ञता पार्क की स्थापना का निर्णय लिया है। यह पहल न केवल औद्योगिक इतिहास में एक सराहनीय कदम है, बल्कि यह उन हजारों विस्थापितों और ग्रामीणों के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिनकी भूमि और बलिदान पर इस आधुनिक भारत के मंदिर की आधारशिला रखी गई थी।

संयंत्र की स्थापना काल से लेकर आज की वैश्विक प्रगति यात्रा तक, क्षेत्र के लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय रही है। प्रबंधन ने मुक्त कंठ से स्वीकार किया है कि स्थानीय समुदाय की प्रतिबद्धता, त्याग और सकारात्मक सहभागिता के बिना बोकारो इस्पात संयंत्र का राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य में इस सशक्त स्थान तक पहुंचना संभव नहीं था। इसी कृतज्ञता भाव को मूर्त रूप देने के लिए सेक्टर-11 के इस विशेष भूखंड को एक स्थायी स्मारक के रूप में विकसित किया जाएगा, जो आने वाली पीढ़ियों को उद्योग और समाज के बीच के इस गौरवशाली समन्वय की गाथा सुनाएगा।

कृतज्ञता पार्क केवल एक सुंदर पर्यटन स्थल या स्मारक नहीं होगा, बल्कि यह इस सत्य का जीवंत प्रमाण बनेगा कि किसी भी महान औद्योगिक उपलब्धि के पीछे स्थानीय समाज का पसीना और सहयोग निहित होता है। प्रबंधन का मानना है कि यह पार्क उद्योग और जनसाधारण के बीच के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करेगा। यह पहल उस उत्तरदायी कार्यसंस्कृति को भी दर्शाती है, जहां विकास का श्रेय केवल मशीनों और आंकड़ों को नहीं, बल्कि उन लोगों को दिया जा रहा है जो इस प्रगति के असली आधार रहे हैं। संयंत्र प्रबंधन ने विश्वास जताया है कि विकास का यह साझा सफर और आपसी विश्वास भविष्य में भी इसी तरह बना रहेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की प्रगति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

बोकारो थर्मल में भाईचारे के साथ मनाई गई होली

» छिटपुट घटनाओं के बीच सुरक्षा रही चाक-चौबंद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : रंगों का त्योहार होली बोकारो थर्मल और इसके आस-पास के क्षेत्रों में बुधवार को बेहद उत्साह और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। डीवीसी की आवासीय कॉलोनियों से लेकर मंगल पांडेय चौक और जीएम कॉलोनी स्थित सर्वोदय क्लब तक, हर जगह युवाओं और कामगारों की टोलियां फागुनी मस्ती में डूबी नजर आईं। अबीर-गुलाल की उड़ती बौछारों और पारंपरिक गीतों के बीच लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर पुरानी कड़वाहटें भुलाईं और भाईचारे का संदेश साझा किया। स्थानीय फास्ट फूड केंद्रों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होली मिलन की रौनक देखी गई, जहां दुकानदारों और ग्राहकों ने मिलकर उत्सव मनाया।

उत्सव के इस उल्लास के बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। इंस्पेक्टर पिंकू कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीमें पूरे थाना क्षेत्र में निरंतर गश्ती करती रहीं, ताकि हुड़दंगियों पर लगाम कसी जा सके और नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें। हालांकि, त्योहार की खुशियों के बीच कुछ छिटपुट अप्रिय घटनाएं भी सामने आईं। होली की पूर्व संध्या पर गोविंदपुर कॉलोनी के पास एक बोलेरो (जेएच10एम-3855) अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी, जिसमें सवार तीन लोग बाल-बाल बच गए। वहीं, बुधवार की रात झारखंड चौक पर नशे में धुत एक बोलेरो चालक ने भाजपा के झंडा पोस्ट को टक्कर मार दी, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अतिरिक्त, जीएम कॉलोनी में युवकों के दो गुटों के बीच मारपीट की घटना भी दर्ज की गई।

ग्रामीण अंचलों में भी होली की धूम व्यापक रही। हजारी पंचायत के गैरमजरुआ गांव में पुरुषों और महिलाओं की भारी भीड़ ने मिलकर होली खेली। इस अवसर पर कुलदीप प्रजापति, बद्री प्रसाद, नरेश राम महतो और सोमनाथ गंझू सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशियां बांटीं। वहीं, गुरुवार को अरमो पंचायत की नई बस्ती में ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ सामूहिक रूप से होली मनाई, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

होली के रंग में खून की छींटें,हुसैनाबाद के हीरा सिकनी में बुजुर्ग की टांगी से हत्या, आरोपी फरार

पलामू: रंगों और उमंग के पर्व होली के दिन हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के हीरा सिकनी गांव में खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गांव में जहां एक ओर लोग अबीर-गुलाल में सराबोर थे, वहीं दूसरी ओर 70 वर्षीय बुजुर्ग विश्वनाथ रजवार की बेरहमी से टांगी मारकर हत्या कर दी गई।

मृतक की पहचान हीरा सिकनी निवासी विश्वनाथ रजवार (70वर्ष) के रूप में हुई है। आरोप है कि गांव के ही उनके गोतिया कपिल रजवार (25 वर्ष) ने गुस्से और शराब के नशे में धुत होकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना शाम करीब 6 बजे की बताई जा रही है।

तू-तू मैं-मैं से शुरू हुआ विवाद, खून-खराबे में बदला-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। होली के दिन पहले से ही माहौल में शराब का असर था। इसी दौरान बात इतनी बढ़ गई कि कपिल रजवार ने टांगी उठा ली और विश्वनाथ रजवार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

गांव में दहशत, पुलिस जांच में जुटी-घटना की खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। होली का उत्सव पलभर में सन्नाटे में बदल गया। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो जाएगा। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और शराब के नशे को घटना का कारण माना जा रहा है।

होली पर मातम का साया-इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। होली जैसे पावन पर्व पर हुई इस हत्या ने इलाके में सनसनी फैला दी है।पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

उरांव समाज ने मनाया खद्दी फग्गू सरहुल

पश्चिमी सिंहभूम। जिला मुख्यालय चाईबासा में गुरुवार को होलिका दहन के तीसरे दिन आदिवासी उरांव समाज की ओर से खद्दी फग्गू सरहुल पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर समाज के अखाड़ों में पारंपरिक पूजा-अर्चना की गई और मुर्गा बली देकर प्रकृति और ग्राम देवी-देवताओं की आराधना की गई।

दोपहर के बाद चाला मंडप स्थित सरना स्थल में पाहन पुजारी और उनके सहयोगी पनभरवा ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद सरना स्थल से ढोल, नगाड़ा और मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य-गीत के साथ जुलूस निकाला गया, जिसमें समाज के लोग नाचते-गाते हुए मोहल्ले के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते रहे।

इस दौरान मुहल्ले की महिलाओं ने अपने घरों से लोटे में पानी और कटोरे में सरसों का तेल लाकर पाहन और पनभरवा को स्नान कराया और तेल लगाया। वहीं परंपरा के अनुसार महिलाओं को भी पानी से भिगोया गया, जिससे पूरे माहौल में उत्साह और उल्लास का वातावरण बन गया। शाम होने से पहले सभी महिला-पुरुष नदी में स्नान करने के बाद पुनः चाला मंडप लौटे और सामूहिक प्रार्थना के बाद अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए। इसी क्रम में बान टोला अखाड़ा में भी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-पाठ किया गया। सरना स्थल में चाईबासा उरांव समाज के सातों अखाड़ों से जुड़े परिवारों की सुख-समृद्धि, शिक्षा, रोजगार और घर-परिवार की खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की गई।

पर्व के दौरान मान्यता के अनुसार मुहल्ले के प्रत्येक घर के दरवाजे पर लाल और सफेद मिट्टी से छाप लगाया गया और दरवाजों पर तिलाई फूल लगाया गया, जिसे शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। बान टोला अखाड़ा में पारंपरिक नाच-गान और लोकगीतों के साथ उत्सव का माहौल देर तक बना रहा। इस मौके पर समाज के मुखिया लालू कुजूर, पाहन फागु खलखो, पनभरवा दुर्गा कुजूर और मंगरू टोप्पो के अलावा चमरू लकड़ा, राजु तिग्गा, सीताराम मुंडा, शम्भू टोप्पो, राजेंद्र कच्छप, बुधराम कोया, कलिया कुजूर सहित समाज के कई लोग उपस्थित थे।

प्रतिबंधित मांस के साथ तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

पूर्वी सिंहभूम। जिले में प्रतिबंधित मांस के अवैध कारोबार और पशुओं के साथ क्रूरता के खिलाफ बहरागोड़ा पुलिस ने कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हानाबाउड़िया जंगल के पास छापेमारी कर कुख्यात तस्कर शराफत खान को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसके पास से करीब 2.5 किलोग्राम प्रतिबंधित मांस बरामद किया है। गुरुवार को उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम चिंगडा निवासी शराफत खान प्रतिबंधित मांस की अवैध खेप खपाने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हानाबाउड़िया जंगल के आसपास घेराबंदी कर दी। इसी दौरान कच्ची सड़क के पास से आरोपित को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2.5 किलोग्राम प्रतिबंधित मांस बरामद हुआ। इस मामले में बहरागोड़ा थाना में कांड संख्या 12/26 दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया है। इसके अलावा झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम भी जोड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि इन सख्त धाराओं के तहत आरोपित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इस अवैध कारोबार में कुछ अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि ग्राम चिंगडा के कई संदिग्ध लोग इस नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस सभी संभावित नामों की जांच कर रही है और जल्द ही इस मामले में अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

वहीं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपित शराफत खान को कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

धनबाद नगर निगम की विभिन्न परियोजनाओं व भावी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के कार्यालय कक्ष में गुरुवार को धनबाद नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं, सुधारात्मक पहलों तथा भावी कार्ययोजनाओं के संबंध में एक विस्तृत बैठक सह प्रस्तुतीकरण आयोजित किया गया।

बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट) के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें वाहन ट्रैकिंग प्रणाली, रूट ऑप्टिमाइजेशन, रियल-टाइम ट्रैकिंग, मिस्ड पॉइंट अलर्ट, अपशिष्ट संग्रहण में पारदर्शिता बढ़ाने तथा संसाधनों के दुरुपयोग को नियंत्रित करने हेतु किए जा रहे डिजिटल हस्तक्षेपों की जानकारी साझा की गई।

इसके अतिरिक्त धनबाद में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के निर्माण की प्रगति तथा इसके शीघ्र संचालन हेतु जिला प्रशासन से अपेक्षित सहयोग, विशेष रूप से भूमि संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र, फीकल स्लज मैनेजमेंट प्लांट तथा भविष्य में बड़े स्तर के बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। देश के विभिन्न नगरों में सफलतापूर्वक संचालित मॉडलों का उल्लेख करते हुए चर्चा की गई कि आवश्यक परीक्षण, अध्ययन एवं सक्षम प्राधिकरण की स्वीकृति के उपरांत उपयुक्त मॉडलों को धनबाद में भी अपनाया जा सकता है। साथ ही ई-वेस्ट प्रबंधन संयंत्र के संचालन की तैयारियों तथा इसके सफल संचालन की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई।

बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम), धनबाद तथा धनबाद नगर निगम के बीच संभावित सहयोग के माध्यम से नगर में उत्पन्न प्लास्टिक अपशिष्ट के सतत उपयोग, जैसे कार्बन नैनो ट्यूब, हाइड्रोजन उत्पादन तथा प्लास्टिक आधारित सड़क निर्माण जैसी संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया, जिससे आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके।

बैठक में जल संरक्षण एवं शहरी जल प्रबंधन से संबंधित विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। जिसमें उथले जलभृत प्रबंधन, शहरी क्षेत्र में वर्षा जल संचयन के ऑडिट, जलाशयों के पुनर्जीवन तथा जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने से जुड़े उपायों पर विचार किया गया। इस क्रम में नगर आयुक्त द्वारा झरिया राजा तालाब, लोको टैंक तालाब आदि परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया। साथ ही वार्ड संख्या 19 एवं 20 में स्थित पंपू तालाब के विकास की योजना पर भी चर्चा हुई। इन परियोजनाओं के माध्यम से जल सुरक्षा सुदृढ़ करने, सार्वजनिक स्थलों के सृजन, आंतरिक राजस्व सृजन तथा जलवायु अनुकूल पहल को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

साथ ही कोयला खदानों में संचित पिट वाटर के शोधन कर पेयजल स्तर तक उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इस दिशा में बीसीसीएल एवं जिला प्रशासन के समन्वय से कार्य करने तथा शहर के विभिन्न स्थानों पर पिट वाटर आधारित पेयजल कियोस्क स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

शहर में यातायात प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न तकनीकी एवं संस्थागत उपायों पर भी चर्चा हुई, जिससे शहरी गतिशीलता में सुधार एवं नागरिक सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके।

स्ट्रीट लाइट के रखरखाव, खराबी के त्वरित निवारण, व्यापक फेल्योर सर्वेक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान तथा महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्ययोजना पर विचार किया गया।

नगर में निर्मित सार्वजनिक परिसंपत्तियों जैसे पार्क, फूड कोर्ट, खेल मैदान एवं तालाबों को प्रभावी ढंग से जन उपयोग में लाने, उनके हस्तांतरण के पश्चात रखरखाव की प्रणाली विकसित करने, जन सहभागिता बढ़ाने तथा फीडबैक तंत्र विकसित करने के संबंध में भी चर्चा की गई।

सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की सुविधाओं में सुधार तथा सुलभ इंटरनेशनल द्वारा संचालित शौचालयों के संचालन को मानकीकृत करने एवं उन्हें शिकायत निवारण प्रणाली से जोड़ने की दिशा में भी प्रस्तावित पहल पर विचार किया गया।

सफाई मित्रों के कल्याण को आगे बढ़ाने तथा धनबाद नगर निगम के कार्यों में संभव क्षेत्रों में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के समेकन पर भी चर्चा की गई।

आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल आपूर्ति एवं जल संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए आवश्यक तैयारी एवं समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। शहर सौंदर्यीकरण से संबंधित पहलों तथा इन कार्यों में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से अपेक्षित सहयोग पर भी विचार-विमर्श हुआ।

इसके अतिरिक्त कांजी हाउस, स्लॉटर हाउस, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा विभिन्न जल परियोजनाओं से संबंधित भूमि विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैठक के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा सड़क डिवाइडरों के किनारे क्षतिग्रस्त ग्रिलों की मरम्मत से संबंधित विषय उठाया गया। वहीं उपायुक्त ने शहरी क्षेत्र में गड्ढों (पॉटहोल) की मरम्मत हेतु कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में विभिन्न विषयों पर प्राप्त सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने तथा समन्वित प्रयासों के माध्यम से शहर के सतत, सुरक्षित एवं व्यवस्थित विकास की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज सहित जिला प्रशासन एवं धनबाद नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आपसी रंजिश में मारपीट, बम के धमाके से दहला इलाका

» **बम के अवशेष व बाइक बरामद, बरोरा थाना क्षेत्र का मामला**

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): बाघमारा पुलिस अनुमंडल के बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहराकूदर में गुरुवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान एक पक्ष के लोगों ने बम के धमाके कर दहशत फैला दिया। हालांकि बमबाजी की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है। सूचना पाकर बरोरा थाना और सोनारडीह ओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तहकीकात की। पुलिस ने मौके से बम के अवशेष और एक वाहन बरामद किया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से आवश्यक पूछताछ की।

पीड़ित प्रभाष सिंह ने बरोरा थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में शुभम सिंह, बंटी सिंह, कुणाल सिंह, तुषार सिंह, युवराज सिंह (सभी बेहराकूदर), नीरज पासवान (कोल डंप कॉलोनी)

के खिलाफ जान मारने की नीयत से बम फेंकने, नकद बीस हजार रुपये, सोने का चैन छीनने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा है कि वह अपने परिजनों के साथ बजरंग बली मंदिर के पास बैठा हुआ था। तभी शुभम उक्त लोगों के साथ हरवे हथियार से लैस होकर वहां पहुंचा। शुभम अपने दोनों हाथ में बम लिए था, जिसे जान मारने की नीयत से मेरे उपर फेंक दिया। पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

डिपेंटी कु. गुप्ता को राज्य का सर्वश्रेष्ठ पीएलवी का सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) धनबाद की पीएलवी डिपेंटी कुमारी गुप्ता को राज्य का सर्वश्रेष्ठ पीएलवी के सम्मान से सम्मानित किया गया। रांची के शौर्य सभागार में आयोजित छठवीं राज्य स्तरीय डीएलएसए मीट के दौरान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा एवं अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो के मार्गदर्शन मे किए गए कार्यों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष पर सम्मानित करने के लिए चिन्हित किया गया था। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि राँची में आयोजित छठे राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के उपस्थिति में न्यायमूर्ति आनंद सेन, न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी, पूर्व न्यायमूर्ति अंबुजनाथ सदस्य सचिव रंजना अस्थाना द्वारा धनबाद जिले के शोषित वंचित हाशिए पर खड़े आदिवासी जनमानस तक सुलभ व त्वरित न्याय पहुंचाने हेतु राज्य के सर्वश्रेष्ठ परलीगल वॉलिंटियर/ अधिकार मित्र होने का गौरव प्रदान किया गया जो पूरे जिले के लिए गौरव का पल रहा। न्यायमूर्ति द्वारा द्वारा कहां गया कि अधिकार मित्र द्वारा किए गए विधिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, वृद्ध जनों को आश्रय दिलाना, असाध्य रोग से ग्रसित पीढ़ित को इलाज मुहैया करवाना एवं जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में सक्रिय भूमिका सराहनीय रही है।

रास्ता पूछने पर ग्रामीणों ने बच्चा चोर समझ कार सवार लोगों को घेरा, पुलिस ने छुड़ाया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : जब से झारखंड में बच्चा चोरी का मामला बढ़ा है तब से ग्रामीण अपने बच्चों की प्रति सजग और सतर्क हो गए हैं। गांव एवं मुहल्ले में अंजान व्यक्ति और गाड़ियों पर पैनी नजर रख रहे हैं। इसी दरम्यान गुरुवार को गोला प्रखंड के हेमतपुर धमनाटांड गांव के कुरमी धर्मशाला के निकट बरवाडीह गांव जाने वाले मार्ग के समीप बच्चा चोरी के अफवाह के कारण ग्रामीणों ने एक कार वालों को घेर लिया। मिली जानकारी के अनुसार विंध्याचल दास 50 वर्ष लगभग, पिता- स्व श्याम दास अपने पुत्र यश राज उम्र 10 वर्ष लगभग और मुकेश उरांव 25 वर्ष लगभग के साथ बरियातू होसिंग कॉलोनी रांची से अपने कार संख्या JH01 EN 5707 से बोकारो सेक्टर 11 डी ससुराल जा रहे थे। इस दरमियान कार संचालक ने अपने स्कूली बच्चों से मगनपुर गांव जाने वाले मार्ग और किधर है के बारे में पुछा। तभी स्कूली बच्चों ने उनके पहनावा और कार को देख बच्चा चोर समझ चिलाने लगे। तभी देखते देखते सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों को देख कार में सवार दोनों व्यक्ति और बच्चे डर गए। उन्होंने अपनी सच्चाई बताई की हमलोग बचा चोर नहीं है फिर भी ग्रामीण नहीं माने और कार वालों को रोक के रखा और इसकी सूचना ग्रामीणों ने गोला थाना पुलिस को दी। पुलिस ने त्वरित पहुंच कर कार और कार में सवार दोनों व्यक्ति और बच्चे को थाना ले आई। इस संबंध में गोला थाना से पुछे जाने पर बताया गया कि यह लोग बारियातू रांची से अपने रिश्तेदार के घर बोकारो जा रहे थे तभी रास्ता पूछने पर ग्रामीणों ने बच्चा चोर समझ कर घेर लिया था। ये लोग बच्चा चोर नहीं है, बच्चा चोर की बात अफवाह है।

गर्मी से पहले जलापूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने का निर्देश, मॉनिटरिंग के लिए बनाया जाएगा वॉर रूम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने गर्मी से पहले जिले की जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गुरुवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज के साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की।

बैठक में उपायुक्त ने जिले में पानी से संबंधित जितनी भी समस्याएं हैं, उनका गर्मी से पहले त्वरित समाधान करने, सभी जलमीनारों को नियमित रूप से चालू रखने, जलापूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। किसी भी क्षेत्र में जलापूर्ति से संबंधित समस्या आने पर उसे 24 से 48 घंटे के भीतर हर हाल में दूर करें। जलापूर्ति व्यवस्था की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जलमीनार, चापाकल, कुएं सहित जलापूर्ति से जुड़े सभी मौजूदा जल स्रोत शत-प्रतिशत क्रियाशील (फंक्शनल) होने चाहिए। मार्च माह के अंत तक जिले के सभी चापाकल, कुएं एवं जलमीनारों को पूरी तरह से दुरुस्त एवं कार्यशील करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी के लिए टीम का गठन किया जाएगा। इसमें संबंधित क्षेत्र के बीडीओ तथा पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता शामिल रहेंगे। साथ ही एक सत्यापन टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में रैंडम निरीक्षण भी किया जाएगा।

बैठक के दौरान प्लंबर एवं श्रमिकों की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई, ताकि किसी भी खराबी को शीघ्र ठीक किया जा सके। इसके अलावा स्पेयर पार्ट्स की सूची तैयार करने तथा विश्वसनीय विक्रेताओं से बेहतर गुणवत्ता के सामान की खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने कहा कि जलापूर्ति व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए एक वार रूम भी बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगली बैठक में सभी संबंधित विभाग अपनी विस्तृत रिपोर्ट के साथ उपस्थित होंगे।

उपायुक्त ने कहा कि इस बार गर्मी के मौसम में प्रशासन पूरी तरह से सतर्क एवं तैयार रहेगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जिले के किसी भी परिवार को पानी लाने के लिए दूर तक नहीं जाना पड़े।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पीएचईडी 1 एवं 2 के कार्यपालक अभियंता, सभी प्रखंड के कनीय अभियंता, सहायक अभियंता के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए।

होली के रंग में सराबोर दिखा दुमका, सभी वर्गों पर छायी रही खुमारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। उपराजधानी दुमका में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से सौहार्दपूर्ण महौल में मनाई गई। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बड़ी संख्या में लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की मस्ती में डूबे दिखे। होली के त्योहार पर सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

पांरपरिक होली के गीतों पर झूमते-नाचते लोगों का उत्साह इस दौरान देखते ही बन रहा था। शहरी जीवन में रहने के बावजूद बेहद ही ग्रामीण परिवेश में युवा कपड़ाफार होली खेली। हर तरफ होली की मस्ती छाई रही। मौके पर यहां के गली, मुहल्लों और चौक-चौराहों पर बच्चे, बूढ़े और जवानों को होली खेलते देखा गया। दुमका शहर में सुबह से ही होली शुरू हो गई। बच्चों की टोली

को भी हाथों में पिचकारी लिए सड़कों पर लोगों को रंग लगाते देखा गया। होली खेलने में महिलाएं भी पीछे नहीं रही। महिलाओं ने आपस में एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली का त्योहार मनाया। दुमका वासियों ने पहले पहर में रंग खेलकर और दूसरे पहर में अबीर-गुलाल लगाकर होली का लुफ्त उठाया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

होली के दिन बेटे की हत्या, पिता के सामने चाकू से वार

पाकुड़ : शहर में होली के दिन हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। नगर थाना क्षेत्र के तलवाडांगा स्थित नंदीपाड़ा में मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे 44 वर्षीय देवराज सरकार उर्फ निमुवा की उनके ही पिता के सामने चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार देवराज सरकार घर से चाय पीने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए आठ से दस हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने देवराज को पकड़कर उन पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय उनके पिता मेघनाथ सरकार भी वहीं मौजूद थे और बेटे पर हो रहे हमले को बेबस होकर देखते रह गए।

गंभीर रूप से घायल देवराज को परिजन और स्थानीय लोग तत्काल सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल के चिकित्सक मनीष कुमार ने बताया कि अस्पताल लाए जाने के समय ही उनकी स्थिति बेहद नाजुक थी।

मृतक के पिता मेघनाथ सरकार ने बताया कि हमलावरों की संख्या आठ से दस थी और उन्होंने कुछ लोगों की पहचान भी की है। उनके बयान के आधार पर पुलिस को नाम दे दिए गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रुपयों के लेनदेन को लेकर देवराज का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था, जिसे इस हत्या की वजह माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। होली के दिन हुई इस निर्मम हत्या से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पत्थर चिप्स के अवैध परिवहन पर दो जगह कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त; मालिक-चालक पर केस

अवैध खनिज दुलाई पर नहीं मिलेगी राहतः एसडीपीओ

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और प्रशासन ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए स्टोन चिप्स लदे दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। दोनों मामलों में ट्रैक्टर मालिक और चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार, महेशपुर थाना क्षेत्र के रद्दीपुर ओपी अंतर्गत 02 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे अंचल अधिकारी संजय कुमार सिंहा थाना प्रभारी व पुलिस बल के साथ क्षेत्र भ्रमण पर थे। इसी दौरान नारायणपुर स्कूल के पास 5/8 स्टोन चिप्स लदे एक ट्रैक्टर (संख्या JH 16 K 2107) को रोका गया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। जांच के दौरान ट्रॉली पर करीब 200 सीएफटी स्टोन चिप्स लदा पाया गया, जबकि परिवहन से संबंधित कोई वैध कागजात या चालान प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर रद्दीपुर ओपी को सुपुर्द कर दिया। सीओ के आवेदन के आधार पर महेशपुर थाना कांड संख्या 27/2026 के तहत चालक व मालिक के खिलाफ बीएनएस व एमएमडीआर एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

वहीं दूसरी कार्रवाई पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र में की गई। बीते 04 मार्च 2026 की तड़के करीब 3 बजे एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी कर ग्राम सेजा ईंट भट्ठा के समीप से JH16F4471 नंबर का ट्रैक्टर पकड़ा गया, जो बिना माइनिंग चालान के चिप्स का परिवहन कर रहा था। छापेमारी टीम में मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे। जांच में ट्रैक्टर में लदा चिप्स अवैध पाया गया, जिसके बाद वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस संबंध में पाकुड़ अंचल अधिकारी के आवेदन के आधार पर मुफस्सिल थाना में ट्रैक्टर के मालिक व चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।एसडीपीओ ने कहा कि जिले में अवैध खनन और खनिज के अवैध परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर अवैध परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रानीश्वर में बीडीओ ने पंचायत सचिवों व कनीय अभियंताओं के साथ की समीक्षा

दुमका : रानीश्वर प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को उपायुक्त दुमका के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने सभी कनीय अभियंताओं और पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में 15वीं वित्त आयोग के तहत पंचायतों को प्राप्त राशि के उपयोग और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। बीडीओ ने निर्देश दिया कि अनाबद्ध मद में प्राप्त राशि के अनुसार ग्राम पंचायतों में योजनाओं का चयन कर नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ग्राम पंचायत आसनबनी, बाँसकुली, बिलकांदी, वृन्दावनी, दक्षिणजोल, गोविन्दपुर, पथरा, रंगालिया, सादीपुर और तालडंगाल में आबद्ध मद से प्राप्त राशि के मुकाबले कम खर्च होने पर चिंता जताई गई। संबंधित पंचायत सचिवों को 15 दिनों के भीतर लंबित योजनाओं को पूरा कर शत-प्रतिशत राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि 15वीं वित्त आयोग के तहत आठ पंचायतों ने अब तक रॉयल्टी की राशि जमा नहीं की है। इस पर बीडीओ ने संबंधित पंचायतों को जल्द से जल्द रॉयल्टी राशि जमा कराने का निर्देश दिया।

इसके अलावा आगामी गर्मी को देखते हुए सभी पंचायतों में खराब पड़े चापाकल और जलमीनार की मरम्मत कराने पर भी जोर दिया गया। इसके लिए 15वीं वित्त आयोग के अनाबद्ध मद से राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया, ताकि गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को पेयजल की समस्या न हो। बैठक में सभी कनीय अभियंता और पंचायत सचिव मौजूद रहे।

विधायक निसात आलम की दावत-ए-इफ्तार में सैकड़ों रोजेदारों ने मिलकर खोला रोजा

» इफ्तार लोगों को जोड़ने का मौका है, बढ़ता है आपसी प्रेमः तनवीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः पाकुड़ के विधायक निसात आलम की ओर से गुरुवार को पाकुड़ स्थित बैंक कॉलोनी मैरिज हॉल में भव्य 'दावत-ए-इफ्तार' का आयोजन किया गया। इस पाक मौके पर नगर व आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों रोजेदारों ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया और मुल्क की अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी।डॉ. तनवीर आलम रहे मुख्य आकर्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक के पुत्र सह कांग्रेस प्रदेश महासचिव डॉ. तनवीर आलम उपस्थित रहे। रोजेदारों का इस्तकबाल करते हुए डॉ. आलम ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना हमें धैर्य, त्याग और आपसी प्रेम का संदेश देता है। इफ्तार के आयोजन ऐसे अवसर होते हैं जहां हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं।प्रमुख हस्तियों ने की शिरकत इफ्तार में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के कई दिग्गजों का जमावड़ा लगा रहा। इसमें मुख्य रूप से एसडीपीओ दयानंद आजाद, एसडीपीओ विजय कुमार, बिडिओ समीर अल्फ्रेड मुर्मू, जिले के अन्य आल्हा अधिकारी व झामुमो के जिला अध्यक्ष एजाजुल इस्लाम, हाजी समद अली, वरिष्ठ नेता श्याम यादव, कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। नेताओं ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और गंगा-जमुनी तहजीब को बरकरार रखने पर जोर दिया।शाम 05:43 पर खुला रोजा निर्धारित समय शाम 05:43 बजे अजान के साथ ही रोजेदारों ने खजूर और पानी से अपना रोजा खोला। आयोजन समिति की ओर से रोजेदारों के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। अंत में मगरिब की नमाज अदा की गई, जिसमें सामूहिक रूप से क्षेत्र की तरक्की की प्रार्थना की गई।

सिटी गार्डन में छापेमारी कर दो वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः दुमका पुलिस को वर्षों से फरार एक दर्जन से अधिक मामलों में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है| इसके साथ ही एक अन्य वांछित अपराधी को भी गिरफ्तार किया गया है।मामले में पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने पत्रकारों को बताया कि 3 मार्च मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर दुमका नगर थाना पुलिस ने होटल सिटी गार्डन में छापेमारी कर वांछित अभियुक्त मंटू ओझा को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक राहुल राज को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।उन्होंने बताया कि पुलिस टीम जब होटल के कमरा नंबर 203 में पहुंची तो आरोपियों ने पुलिस को देखकर गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करते हुए भागने का प्रयास किया। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस बल ने दोनों को पकड़ लिया और थाना ले आई। बताया जाता है कि इस दौरान सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का भी प्रयास किया गया।गिरफ्तार मंटू ओझा (27 वर्ष), पिता कृष्णकांत ओझा, निवासी कुम्हारपारा रानीबगान , दुमका नगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसके खिलाफ दुमका नगर थाना में वर्ष 2018 से 2025 तक विभिन्न धाराओं में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट सहित अन्य गंभीर आरोप शामिल हैं। दूसरे आरोपी राहुल राज (31 वर्ष), पिता विनोद रजक, निवासी -काशीपुर, थाना नगर, जिला समस्तीपुर (बिहार) के खिलाफ भी दुमका नगर थाना में पूर्व से आपराधिक मामले दर्ज हैं।छापेमारी दल में नगर थाना प्रभारी सहित शिकारीपाड़ा और जामा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

आस्था, परंपरा और उल्लास का संगमः गरडी गांव में तीन दिवसीय बाहा पर्व धूमधाम से सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : दुमका प्रखंड के गरडी गांव में पारंपरिक आदिवासी पर्व बाहा तीन दिनों तक आस्था, परंपरा और उत्साह के साथ मनाया गया। मंगलवार को सम्पन्न हुए इस पर्व में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे गांव में भक्ति व उल्लास का माहौल बना रहा।बाहा पर्व के पहले दिन को जाहेर दाप माह, दूसरे दिन को बोंगा माह और तीसरे एवं अंतिम दिन को शरदी माह के रूप में मनाया जाता है। पर्व के अवसर पर ग्रामीण पारंपरिक नृत्य-गान के साथ गांव के नायकी (पुजारी) को उनके आंगन से जाहेर थान तक लेकर गए। वहां पहुंचकर नायकी ने बोंगा दारी (पूज्य वृक्ष) सारजोम (सखुआ) के नीचे स्थित पूजा स्थल का गोबर और जल से शुद्धिकरण किया, जिसे गेह-गुरिह कहा जाता है।इसके बाद सिंदूर और काजल अर्पित कर मातकोम (महुआ) तथा सारजोम (सखुआ) के फूल चढ़ाए गए और जाहेर ऐरा, मारांग बुरु, मोड़ेकू-तुरुयकू, धोरोम गोसाई सहित इष्ट देवी-देवताओं के नाम पर विधिवत बलि दी गई। पूजा के दौरान "जोहार गोसाई मारांग बुरु, जोहार गोसाई जाहेर ऐरा और सगुन बाहा पोरोब" के जयघोष से पूरा जाहेर थान गुंजायमान हो उठा।पूजा-अर्चना के बाद तुन्दाह और टमाक की थाप पर पारंपरिक बाहा नृत्य और गीत प्रस्तुत किए गए। नृत्य के उपरांत श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और नायकी को पुनः नृत्य-गान के साथ गांव वापस लाया गया। गांव पहुंचने पर नायकी ने प्रत्येक घर में जाकर सारजोम (सखुआ) का फूल वितरित किया। श्रद्धालुओं ने उनके सम्मान में चरण धोए और फूल ग्रहण कर एक-दूसरे पर सादा पानी डालकर पर्व की खुशियां साझा कीं। पुरुषों ने फूल को कान में और महिलाओं ने अपने जूड़े में धारण किया।पर्व के तीसरे और अंतिम दिन शरदी माह के अवसर पर ग्रामीणों ने सुबह से ही एक-दूसरे पर पानी डालकर बाहा पर्व का आनंद लिया और एक-दूसरे के घर जाकर सामूहिक भोजन किया।इस अवसर पर मांझी बाबा मंत्री मुर्मू, नायकी बाबा सनातन किस्कू, गुडित बाबा गायना मुर्मू, पराणिक बाबा गायना मुर्मू, जोग मांझी बाबा देवीधन मुर्मू, स्टेफन मुर्मू, मीनू टुडू, मानेसोल मरांडी, शिवलाल मुर्मू, खैतिश सोरेन, फ्रांसिस किस्कू, संजीव मुर्मू, सुमन किशोर टुडू सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

ठाडीहाट में कलश यात्रा के साथ शिवमहापुराण कथा सप्ताह शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जिले के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत ठाडीहाट में गुरुवार को कलश शोभायात्रा के साथ सप्त दिवसीय श्रीशिवमहापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य शुभारंभ हुआ। लोकमंगल और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। आयोजन के अवसर पर 108 माताओं और बहनों ने सिर पर अभिमंत्रित कलश धारण कर भव्य शोभायात्रा निकाली, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

कलश यात्रा आयोजन स्थल से शुरू होकर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों और मार्गों से होते हुए पूरे ठाडीहाट गांव का भ्रमण करती हुई पुनः कथा पंडाल पहुंची। यात्रा के दौरान महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लिए शिव भजनों पर झूमती नजर आईं।

बग्गी पर विराजमान कथाव्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज श्रद्धालुओं का अभिवादन करते हुए शोभायात्रा में शामिल रहे।

इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान ठाडीहाट निवासी राजकुमार सेन और उनकी पत्नी ज्योतिरानी सेन हैं। कथा वाचन के लिए श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथाव्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज श्रद्धालुओं को शिवमहापुराण की कथा सुना रहे हैं। यह कथा 5 मार्च से 11 मार्च तक चलेगी। इसके समापन अवसर पर 12 मार्च को सुबह 8 बजे से हवन और दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

अपने प्रवचन में कथाव्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज ने कहा कि श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन और उसका श्रवण मनुष्य को जन्म-जन्मांतर के पुण्यों से प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म, आस्था और भक्ति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूरे ठाडीहाट गांव के लोगों का सहयोग देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

सादीपुर के आठ आँगनबाड़ी केन्द्र का बीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा के द्वारा प्रखण्ड अन्तर्गत सादीपुर पंचायत का आठ आँगनबाड़ी केन्द्र सादीपुर बाउरी टोला, सादीपुर बागती टोला, सादीपुर-1, सादीपुर-2, हुसैनपुर, पाथरबगान, जयपहाड़ी-1 और नीमबनी का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त सभी केन्द्र खुला पाया गया तथा केन्द्र के सेविका, सहायिका और पोषण सखी भी उपस्थित मिले। कुछ केन्द्रों पर बच्चों की उपस्थिति कम पायी गयी जिसके बारे में पूछताछ करने पर सेविका द्वारा बताया गया कि त्यौहार और शादी के कारण बच्चों की उपस्थिति कम है। उक्त सभी केन्द्रों पर सेविका द्वारा कुछ मरम्मति का कार्य कराया गया है, इसका भी निरीक्षण किया गया। आँगनबाड़ी केन्द्र सादीपुर-1 तथा जयपहाड़ी-1 पर नियमित टीकाकरण का कार्य किया जा रहा था। उक्त केन्द्रों के सभी सेविकाओं को पोषण सखी के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराने का निदेश दिया गया।

गेहूं के खेत में मिली नाबालिग की लाश, गैंगरेप के बाद हत्या; चार आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के मुर्गाडांगा गांव में नाबालिग लड़की की हत्या की दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। जिस बेटी के लौटने का इंतजार घरवालों को था, वह खबर बनकर सामने आई। गेहूं के खेत से बरामद सड़ी-गली लाश की जांच में सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार युवती 21 तारीख को घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजन लगातार उसकी तलाश करते रहे। इसी बीच रविवार को मुर्गाडांगा गांव के बहियार स्थित गेहूं के खेत से एक सड़ी-गली लाश बरामद हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

युवती के भाई के बयान पर विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एसपी के निर्देश पर हिरणपुर थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास सक्रिय मोबाइल नंबरों का सीडीआर खंगाला। जांच में सामने आया कि युवती के साथ पहले सामूहिक दुष्कर्म किया गया और बाद में उसकी हत्या कर दी गई।

पुलिस ने मामले में बिंझामारा निवासी रफायल सोरेन, खुजुरडांगा निवासी एल्गिन टूडू, धनबाद निवासी राम मरांडी और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया, जबकि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों में से एक के साथ युवती का प्रेम प्रसंग था और इसी विवाद के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया।

मामले की जांच में एसआई अरुण कुमार राम, गौतम कुमार दास, जेना बालमुचु, एएसआई बिनोद कुमार टूडू, एएसआई साधन कर्मकार और रिजर्व गार्ड की टीम शामिल रही। पुलिस ने घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस वारदात ने एक परिवार से उनकी बेटी छीन ली और पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है।

हथियार लेकर घूम रहा था बदमाश, पुलिस ने जंगल के पास दबोचा

» कई थानों में दर्ज हैं आधा दर्जन मामले

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो॰ काजीरुल शेख : पाकुड़ः पाकुड़ पुलिस के अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमड़ापाड़ा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बरमसिया मोड़ के पास छापेमारी कर एक शातिर अपराधी को देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार (04 मार्च) को सूचना मिली थी कि बरमसिया मोड़ से कोयला रोड की ओर एक संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा, लेकिन पुलिस ने सशस्त्र बल के सहयोग से घेराबंदी कर उसे बरमसिया स्थित जंगल के पास दबोच लिया।

तलाशी में मिला हथियार- गिरफ्तार आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान तालु मुर्मू उर्फ खलासी (39 वर्ष), पिता स्व. मंगल मुर्मू, निवासी छोटा लक्ष्मी, थाना मिर्जाचौकी, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है। इस संबंध में अमड़ापाड़ा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 08/2026 दर्ज किया गया है।

कई मामलों में रहा है आरोपी-पुलिस जांच में पता चला है कि तालु मुर्मू का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर गोड्डा जिले के ललमटिया और बोआरीजोर थाना सहित साहिबगंज के मिर्जाचौकी थाना में हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

छापेमारी टीम में ये रहे शामिल-इस कार्रवाई में अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा, पुअनि चंदन कुमार सिंह, सअनि संतोल मुर्मू, हवलदार सतपाल कुमार, आनंद मालतो, प्रकाश असुर और संदीप शर्मा सहित अन्य पुलिस जवान शामिल थे। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी

नई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उदय से न केवल भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं। यह उल्लेखनीय है कि पिछले तीन दशकों में, प्रौद्योगिकी क्षेत्र भारत में उपभोक्ता मध्यम वर्ग के निर्माण का एक प्रमुख चालक रहा है। प्रमुख तकनीकी कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट के चलते, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की बैठक पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों में गिरावट का सीधा कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के नए उपकरणों का उदय है। विशेष रूप से, अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने क्लाउड ऐप्स पर ऐसी सेवाएं प्रदान की हैं, जिनसे यह धारणा बनी है कि वे उन कार्यों को करने में सक्षम हैं जो पहले टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसी तकनीकी कंपनियां करती थीं। परिणामस्वरूप, इस महीने ऐसी भारतीय कंपनियों के शेयरों में रोजाना गिरावट देखी गई है। भारतीय तकनीकी शेयरों में गिरावट का मुख्य कारण विदेशी निवेशकों द्वारा धन की निकासी है। इस घटनाक्रम से न केवल भारत के तकनीकी क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत में तकनीकी क्षेत्र केवल अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा नहीं है, बल्कि पिछले तीन दशकों से उपभोक्ता मध्यम वर्ग के निर्माण में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पिछले वर्ष, तकनीकी कंपनियों में 58 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। आयकर आंकड़ों के अनुसार, भारत की कुल स्थायी वेतन आय में तकनीकी कर्मचारियों का योगदान 25.5 प्रतिशत से अधिक था। यह हिस्सा केंद्र सरकार के कर्मचारियों के कुल वेतन से सवा तीन गुना अधिक है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण इस क्षेत्र में गिरावट आती है, तो इसका असर स्पष्ट रूप से भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इसीलिए मंगलवार को होने वाली नैसकॉम की बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें भारत में एआई को अपनाने की गति और उद्योगों पर इसके प्रभाव पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी। भारतीय तकनीकी कंपनियां आश्वासन दे रही हैं कि एआई के उपयोग से उनके संचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उनके अनुसार, वे एआई युग की मांगों के अनुरूप तेजी से ढल रही हैं।

वर्दी है, कुर्सी नहीं: झारखंड की प्रशासनिक उलझन

पूर्णेन्दु पुष्पेश

झारखंड में इन दिनों एक अजीब सी स्थिति बनी हुई है। अफसर हैं, वर्दी है, वेतन है, काम भी है..... लेकिन पद नहीं है। सुनने में यह थोड़ा अटपटा लगता है, पर हकीकत यही है। राज्य में सौ से अधिक डीएसपी, एसडीएम और वन सेवा के अधिकारी ऐसे हैं जो महीनों से अपनी औपचारिक पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं। वे रोज दफ्तर जाते हैं, जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन कागजों में उनकी स्थिति साफ नहीं है। सवाल सिर्फ उनकी व्यक्तिगत परेशानी का नहीं है, यह पूरे प्रशासनिक ढांचे की कार्यशैली पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। सबसे पहले बात पुलिस विभाग की। एक तरफ कहा जा रहा है कि राज्य में अधिकारियों की कमी है। नई नियुक्तियों के लिए विज्ञापन निकल रहे हैं। दूसरी तरफ, प्रशिक्षण पूरा कर चुके दर्जनों डीएसपी महीनों से बिना स्थायी तैनाती के बैठे हैं। इनमें नए भर्ती अधिकारी भी हैं और वे भी, जिन्हें वर्षों की सेवा के बाद पदोन्नति मिली है। सोचिए, कोई अधिकारी तीन दशक की नौकरी के बाद डीएसपी बनता है और फिर उसे महीनों तक इंतजार करना पड़ता है कि उसे आखिर जिम्मेदारी कब दी जाएगी। यह स्थिति स्वाभाविक रूप से निराशा पैदा करती है। मामला सिर्फ पुलिस तक सीमित नहीं है। अनुमंडल पदाधिकारी, जिन्हें प्रखंड विकास पदाधिकारी से पदोन्नत किया गया, वे भी लंबे समय से आदेश की प्रतीक्षा में हैं। वन सेवा के युवा अधिकारी, जो देश की कठिनतम परीक्षाओं में से एक पास कर यहां पहुंचे हैं, वे भी फाइलें संभालने और प्रस्तुति तैयार करने तक सीमित हैं, जबकि फील्ड में रिक्तियां मौजूद हैं। यह तस्वीर किसी एक विभाग की चूक नहीं लगती, बल्कि समन्वय की कमी की ओर इशारा करती है। यहां सबसे गंभीर पहलू जवाबदेही का है। कोई भी प्रशासनिक पद सिर्फ कुर्सी नहीं होता, वह जिम्मेदारी का दायरा तय करता है। जब किसी अधिकारी को औपचारिक रूप से पदस्थापित नहीं किया जाता, तो वह निर्णय लेने की स्थिति में भी नहीं होता। वह काम तो करता है, लेकिन अधिकार और जवाबदेही के बीच संतुलन नहीं बन पाता। अगर कल कोई विवाद हो जाए, कोई निर्णय गलत साबित हो जाए, तो जिम्मेदारी किसकी होगी? यह अस्पष्टता न तो शासन के लिए अच्छी है और न ही अधिकारियों के मनोबल के लिए। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि प्रक्रिया जारी है। यह भी कहा गया कि कुछ अधिकारियों को प्रशिक्षण और चुनावी कार्यों में लगाया गया है। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है। प्रशासन में कई बार फाइलें समय लेती हैं, कैडर प्रबंधन जटिल होता है, और राजनीतिक-प्रशासनिक प्राथमिकताएं बदलती रहती हैं। लेकिन जब देरी महीनों से बढ़कर साल पार करने लगे, तो उसे सामान्य प्रक्रिया कहकर टालना कठिन हो जाता है। एक और दिलचस्प पहलू है....नई भर्तियों का विज्ञापन। जब पहले से उपलब्ध अधिकारियों को जिम्मेदारी नहीं मिली है, तब नए पदों के लिए आवेदन क्यों मांगे जा रहे हैं? संभव है कि यह दीर्घकालिक योजना का हिस्सा हो। संभव है कि रिक्तियों का स्वरूप अलग हो। लेकिन आम नजर से देखें तो यह विरोधाभास जैसा लगता है। इससे यह संदेश जाता है कि व्यवस्था में तालमेल की कमी है। विधानसभा में भी यह मुद्दा उठा है। विपक्ष ने सवाल किए हैं। सत्ता पक्ष ने आश्वासन दिया है। यह लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या आश्वासन से आगे बढ़कर कोई ठोस समयसीमा तय की जाएगी? प्रशासनिक सुधार सिर्फ बयान से नहीं, निर्णय से दिखते हैं। वित्तीय पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। नियम कहते हैं कि बिना औपचारिक पदस्थापन के लंबे समय तक वेतन देना ठीक नहीं। हालांकि अधिकारी सेवा में हैं, इसलिए वेतन मिलना उनका अधिकार है। लेकिन जब कार्य और पद स्पष्ट न हो, तो लेखा-जोखा और जवाबदेही की रेखाएं धुंधली हो जाती हैं। यह भविष्य में ऑडिट और कानूनी सवालों का कारण बन सकता है। बेहतर होगा कि इस स्थिति को जल्द स्पष्ट किया जाए। इस पूरे प्रकरण को सिर्फ आलोचना के चश्मे से देखना भी उचित नहीं होगा। झारखंड एक अपेक्षाकृत युवा राज्य है। यहां प्रशासनिक ढांचे को स्थिर और प्रभावी बनाने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। कई बार कैडर आवंटन, वरिष्ठता सूची, पदों की स्वीकृति और राजनीतिक परिस्थितियां मिलकर ऐसी जटिलताएं पैदा कर देती हैं। लेकिन यही वह समय होता है जब संस्थागत सुधार की जरूरत महसूस होती है। सबसे पहला कदम पारदर्शिता का हो सकता है। अगर पोस्टिंग में देरी के ठोस कारण हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। एक स्पष्ट टाइमलाइन दी जाए कि कब तक किस बैच को तैनाती मिलेगी। इससे अफसरों का मनोबल भी बना रहेगा और जनता का भरोसा भी। दूसरा, विभागों के बीच समन्वय मजबूत करना जरूरी है। अगर गृह विभाग, कार्मिक विभाग और वित्त विभाग के बीच फाइलें घूम रही हैं, तो एक संयुक्त बैठक कर निर्णय लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले विभागों में समन्वय की जिम्मेदारी और भी अधिक है।

तीसरा, कैडर प्रबंधन की दीर्घकालिक नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है। कितने पद स्वीकृत हैं, कितने भरे हुए हैं, कितने खाली हैं? इसका अद्यतन डेटा सार्वजनिक होना चाहिए। इससे भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। और सबसे महत्वपूर्ण, अधिकारियों के मनोबल का सवाल। एक युवा अधिकारी जब सेवा में आता है, तो उसके भीतर ऊर्जा और आदर्श होते हैं। अगर शुरुआती साल ही अनिश्चितता में बीत जाएं, तो उसका असर पूरे करियर पर पड़ सकता है। वही अधिकारी आगे चलकर जिलों की कानून-व्यवस्था संभालेंगे, विकास योजनाओं की निगरानी करेंगे, जंगल और जमीन की रक्षा करेंगे। उनका आत्मविश्वास मजबूत होना चाहिए, न कि कमजोर। झारखंड जैसे राज्य में, जहां कानून-व्यवस्था, विकास और पर्यावरण.....तीनों ही मोर्चों पर चुनौतियां हैं, वहां प्रशिक्षित और ऊर्जावान अधिकारियों का सही उपयोग होना बेहद जरूरी है। उन्हें प्रतीक्षा कक्ष में बैठाकर रखना न राज्य के हित में है और न प्रशासन के। यह समय है कि सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता दे। विपक्ष के सवालों को राजनीतिक चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। अगर अगले कुछ महीनों में सभी लंबित पोस्टिंग स्पष्ट कर दी जाती हैं, तो यह एक सकारात्मक संदेश होगा कि सरकार प्रशासनिक दक्षता को लेकर गंभीर है। आखिरकार, बात किसी एक बैच या कुछ अधिकारियों की नहीं है। बात उस व्यवस्था की है, जो नागरिकों को सेवा देने के लिए बनाई गई है। जब व्यवस्था के भीतर ही स्पष्टता नहीं होगी, तो बाहर तक उसका असर जाएगा। इसलिए जरूरी है कि "कागज पर अस्तित्व" की यह उलझन जल्द खत्म हो और हर अधिकारी को उसका स्पष्ट दायित्व, अधिकार और जवाबदेही मिले। झारखंड को मजबूत प्रशासन चाहिए। और मजबूत प्रशासन की पहली शर्त है -स्पष्ट पद, स्पष्ट जिम्मेदारी और स्पष्ट निर्णय। अब देखना है कि यह स्पष्टता कब तक आती है। रिक्तियां भी हैं, अफसर भी -फिर देरी क्यों?

शान्त हवा

अपनी फटफटिया ठीक करने रवि बाबू हमीद के गैरेज में पँहुचे ही थे कि दूर से शशि जी आते दिखाई दिए।शशि बाबू विदेश में बस जो गए थे और उन्हें अचानक देख कर रवि बाबू आश्चर्य चकित हो गए।दुआ सलाम के बाद बात बढाने के लिए रवि बाबू ने कहा-आज शान्त हवा है।शशि बाबू ने गेराज के एक स्टूल पर बैठते हुए कहा-शान्त हवा का मतलब भी समझते हैं?मैं विदेश में अपनी जिम्मेदारी खत्म कर रिटायर्ड जीवन जी रहा था।कुछ दिनों में बोर हो गया।सोचा अब हिंदी पढ़ता हूँ, इससे विदेश में हिंदी पढ़ाकर नया जीवन शुरू करूँगा।तो सुनिए-शान्त का अर्थ है-मौन,चुप,निःशब्द, धीर,स्थिरमना,अचंचल,श्रान्त,थका, रुका हुआ,शमित,मिटा हुआ,संतुष्ट आदि।हवा का अर्थ है-,एक तत्व,जो भूमण्डल को चारों ओर से घेरे हुए है और कुछ गैसों विशेषकर ऑक्सिजन, नाइट्रोजन के मेल से बना है।इसका पर्यायवाची शब्द समीर,वायु,सांस,गोज,बहुत,प्रेतादि,अफवाह,आडम्बर,बहुत हल्की वस्तु आदि है।पर शान्त हवा का अर्थ है कि कोई भयंकर तूफान आने का संकेत हो रहा है।रवि बाबू मुस्कुराए और पहले से चुपचाप बैठे रामलाल जी की ओर देखा।फिर बोले-हवा स्त्रीलिंग शब्द है।शशि जी,अगर स्त्रीलिंग शब्द के साथ शान्त लग जाये तो परिणाम तो भयंकर होंगे ही न! पीछे से रामलाल जी बोलते उठकर जाने लगे-शान्त हवा है।

थोड़ी देर की औपचारिकता के बाद शशि जी पास के रामु के पान दुकान पर आकर सिगरेट की कश लगाने लगे और रवि बाबू पिपरमिंट के लेमनचूस चबाने में व्यस्त हो गए।रामु ने बात छेड़ी-देखा,रामलाल जी पिछले तीन दिनों से गुमसुम हैं।सिर्फ कहते हैं-शान्त हवा है।मेरा अनुभव कहता है कि वे जरूर कोई बड़ा गुल खिलाने वाले हैं। रवि बाबू ने मज़ाक में कहा-इसके पहले करीब तीस बरस पहले ऐसे दो मौके आये थे,जब मुझे शान्त हवा लगी थी,बाकी तो जिंदगी भर आंधियों से लड़ते रहे।पहला मौका था जब मुहल्ले की एक सुंदर कन्या को प्रेम पत्र लिखा और उसके छोटे अबोध भाई को कन्या तक पंहुचाने को कहा था।शान्त हवा के कारण वह पत्र कन्या के पिता जी के हाथ लग गया और शाम होते होते आंधी-तूफान ने मेरा हाल बदतर कर दिया।दूसरी घटना नैनीताल तबादले की है जब अचानक स्वतंत्र गृहस्थ जीवन में वहाँ ताबदला हुआ।भैया,उसके बाद तो अपनी ज़िंदगी बदल गयी।आज भी बिना भगौने और सारे बर्तन साफ किए मैं सोता नहीं हूँ।इसलिए शान्त हवा से नहीं घबराता।

शाम होते-होते रामलाल जी के शान्त हवा की पोल खुल ही गयी।मुहल्ले में साहू जी का परिवार डंडे लेकर रामलाल जी को खोज रहा था।रामु ने बताया कि रामलाल जी शिव प्रसाद की कन्या कामिनी को लेकर फरार हैं।शान्त हवा के बाद रामलाल जी की करतूत ने मुहल्ले में तूफान खड़ा कर दिया था।दूसरे दिन सुबह रामलाल जी कामिनी के साथ रिक्शे पर बैठे साहू जी के घर गए।रामलाल जी और कामिनी ने नए वस्त्र पहन रखे थे,दोनों के गले में गुलाब की मालाएं थीं,कामिनी सिर से आँचल हटाकर बड़ी सावधानी से माँग के सिंदूर दिखा रही थी। साहू जी ने मुँह फेर लिया।रामलाल जी की योजना पर पानी फिर गया।कामिनी करोड़पति साहू जी की इकलौती संतान थी।रामलाल जी ने धैर्य से काम लिया।वे चुप रहे।कामिनी अपने पिता के घर लौट गई।अब रामलाल जी का सारा खर्च कामिनी देती है।रामलाल जी फिर से चुप हो गए हैं।रामु फिर से कहने लगा है-शान्त हवा है,भाइयों।रामलाल जी पर नज़र रखियो।

डॉ प्रशान्त करण
@सर्वाधिकार सुरक्षित

पाकिस्तान, तुर्की और ईरान में चरमपंथ की उत्पत्ति और परिणाम

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

ईरान, इज़राइल, संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के वर्तमान अशांति के अंतर्निहित कारणों और संभावित परिणामों की पूरी तरह से जांच और विश्लेषण आवश्यक है। मध्य पूर्व में इस्लामी देशों पर खमेनीई की हत्या और ईरान के हमले के प्रकाश में आतंकवाद, कट्टरपंथ और चरमपंथ को समझना महत्वपूर्ण है। जब किसी देश में अत्यधिक मजहबी चरमपंथ और ताकतवर बनने और दूसरों का दुरुपयोग करने की लालची और स्वार्थी इच्छा जागृत होती है, तो यह दुनिया को यह विचारधारा खतरे में डालती है। इसी वजह सें, लाखों लोगों की मृत्यु हो गई, प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया गया, आतंकवाद, नक्सलवाद, और युद्धों ने कई अर्थव्यवस्थाओं, समाजों और पर्यावरण को तबाह कर दिया। भविष्य में बढ़ने से रोकने के लिए, हमें अंतर्निहित कारण की पहचान करनी चाहिए और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। ईरान, पाकिस्तान और तुर्की द्वारा चरमपंथी धार्मिक कल्पनाएं दुनिया भर में उथल-पुथल का मुख्य कारण हैं। ये तीन देश युवा लोगों, आतंकवाद और विरोधी मान्यवादी लक्ष्यों के साथ हानिकारक विचारधाराओं को लागू करने के लिए अन्य देशों और धर्मों को खत्म करने के प्रयासों के बीच चरम इस्लाम के प्रसार के लिए ज़िम्मेदार हैं। यहां तक कि यदि ईरान, पाकिस्तान और तुर्की कई विषयों पर असहमत हैं लेकिन वे गैर-इस्लामी देशों में शरिया, उम्मा और इस्लामी चरमपंथ को लागू करने की अपनी इच्छा के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। इस उद्देश्य के लिए वे आवश्यकतानुसार चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के साथ सहयोग करते हैं। ये देश सीरिया, इराक, यमन, रूस, इज़राइल, भारत, चीन, कई यूरोपीय राष्ट्रों और संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवाद के लिए ज़िम्मेदार हैं। लाखों निर्दोष लोगों को आतंकवादी समूहों द्वारा आतंकवादी समूहों, जैश-ए-मोहम्मद, अलकायदा, लश्कर-ए-ताइबा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और कई आतंकवादी संगठन समय के साथ उभरे। लाखों लोग, महिलाएं और बच्चे इनकी बर्बरता का निशाना बने। आतंकवादी हिंसा के अधिकांश पीड़ित सामान्य नागरिक हैं। यह उन्हें अपने दैनिक अस्तित्व के बीच में पाता है, एक ऐसी जगह पर जहां किसी को भी अपनी सुरक्षा के लिए अनावश्यक तरीके सें सचेत नहीं होना चाहिए, किसी भी समय, कहीं भी। आतंकवादी और उनके आकाओं द्वारा निरंतर भेद्यता की एक असहनीय भावना सामने आई है। शांति कुछ दिनों, हफ्तों या यहां तक कि लंबे समय तक युद्ध की तरह दिखाई दे सकती है। अंतरराज्यीय हिंसा में कमी के तार्किक परिणाम के रूप में, लोकतांत्रिक दुनिया के लोगों को आतंकवादी हमलों से अधिक आघात होता है क्योंकि उन्हें अंतःस्थापित संस्कृति विरासत में मिली है। हालांकि, लोकतंत्र स्वतंत्रता और मानवाधिकारों पर स्थापित एक नरम राजनीतिक व्यवस्था है, वे भी अधिक शक्तिहीन हैं। पाकिस्तान, ईरान और तुर्की ने कश्मीर घाटी में युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर हजारों नागरिकों, पुलिस और सैन्य कर्मियों की हत्या की।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों को भी प्रसन्न करेगा। कहीं फंसा हुआ धन आपको वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आप परिवार के साथ यात्रा की योजना बनाएंगे। बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलने से आपको अपनी कई समस्याओं का समाधान खोजने में मदद मिलेगी।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। पुराने मामलों में न उलझें। व्यापार के लिए निकलने वाले व्यापारियों को धन लाभ होने की संभावना है। आज आप सामाजिक सेवा में अधिक रुचि लेंगे। आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का अवसर मिल सकता है जो आपके व्यापार में लाभ पहुंचाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आप नया घर खरीदने पर विचार करेंगे। इस बारे में आप अपने परिवार से चर्चा करेंगे। आपके बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गर्व का अनुभव कराएंगे। दिन को खास बनाने के लिए, लोगों को प्यार और उदारता के छोटे-छोटे उपहार दें। समय का सदुपयोग करना सीखें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए भावनात्मक रहेगा, क्योंकि आप अप्रत्याशित रूप से अपने किसी पुराने बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं। आपके जीवनसाथी का स्नेहपूर्ण व्यवहार आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। करीबी दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ व्यापार करने वालों को समन्वय से काम करने की आवश्यकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएं, लेकिन उन मामलों में दखल न दें जो आपसे संबंधित नहीं हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। जीवन का भरपूर आनंद लेने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण रखें। योग का सहारा लें, जो आपको आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखकर आपके हृदय और मन को लाभ पहुंचाता है। किसी महिला के सहयोग से आपको अपने व्यवसाय या नौकरी में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज सकारात्मक सोच के साथ काम करें।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहेगा। घर-परिवार की ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ न करें। आपके परिवार को आपसे बहुत उम्मीदें हैं, जिसके लिए आपको थोड़ी ज़्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज आपके प्रेमी-प्रेमिका एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, जिससे आपके रिश्ते में और मिठास आएगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आप घर की सजावट का सामान खरीदने बाजार जाएंगे। कोई व्यक्ति आपकी बात सुनने के बजाय अपने मन की बात कहना पसंद करेगा। आप आज दोस्तों से मिलने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी कमाई को व्यापार में फिर से निवेश करेंगे। किसी भी महत्वपूर्ण कार्य के लिए आप अपने भाई-बहनों से सलाह लेंगे। आज अपने जीवनसाथी के साथ समय बिताने से आपका रिश्ता और भी मधुर होगा। आप आज परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अप्रत्याशित खर्चों से थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन आप जल्द ही स्थिति को संभाल लेंगे। आज आपके कठोर व्यवहार के कारण कोई आपसे असहमत हो सकता है। आज अपने लिए समय निकालें और अपनी खूबियों और कमियों पर विचार करें।

मकर राशि: आज का दिन अनुकूल रहेगा। कोई पड़ोसी आपसे मदद मांग सकता है। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य से घरेलू समस्याओं पर चर्चा करना आज महत्वपूर्ण है। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन समर्पित करने से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। छात्र कॉलेज के प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरे करेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। सोच-समझकर किया गया निवेश लाभदायक साबित होगा और समृद्धि लाएगा। आप आर्थिक मामलों को जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लेंगे और उन्हें सुलझाने के तरीके खोजेंगे। आप किसी मित्र के साथ घूमने का प्लान बनाएंगे। आज कुछ नया और रचनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आसपास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे और आपके काम की सराहना करेंगे। घर पर ज्यादा गुस्सा न करें। अपने गुस्से पर काबू रखें, इससे पारिवारिक माहौल बेहतर होगा। कुछ लोगों से मिलने से आपके जीवन में ताजगी आएगी और आप खुश रहेंगे।

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

कांतिलाल मांडोत

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है। फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है। मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है—कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए। बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं। बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है। एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है। । एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

पटना-गया रेलखंड पर अज्ञात शव मिला, शुरुआती जांच में ट्रेन से गिरने की आशंका

पटना। गुरुवार को मसौढ़ी में पटना-गया रेलखंड पर गोपालपुर मठ के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर मसौढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार, शव रेलवे ट्रैक के समीप पड़ा मिला, जिससे यह दुर्घटना बीती रात की प्रतीत हो रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किस ट्रेन से गिरा। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। मृतक ने नीले रंग की जींस और हाफ चेक शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मसौढ़ी थाना प्रभारी विवेक भारती ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पीएमसीएच के 30 जूनियर डॉक्टर्स पर केस दर्ज, नशे में मरीज और उनके परिजन से मारपीट

पटना। पीएमसीएच में कार्यरत और पढ़ रहे 25-30 जूनियर डॉक्टर्स के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में केस रजिस्टर्ड हुआ है। इन सभी पर नशे में मारपीट करने और मोबाइल, ट्रॉली बैग छीनने का आरोप पेशेंट ने लगाए हैं। दरअसल मधुबनी के रहने वाले राहुल कुमार मिश्राक(31) ट्रेन से सफर कर रहे थे। इसी दौरान अथमलगोला के पास बीते 2 मार्च को उनके साथ मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना में राहुल और उनके भाई सोनू घायल हो गए। उनका प्रारंभिक इलाज बाढ़ अनुमंडल के अस्पताल में कराया गया। इसके बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। राहुल ने बताया कि 3 मार्च को 11:15 बजे सुबह में PMCH आए। सर्जरी डिपार्टमेंट के डॉक्टर के द्वारा सीटी स्कैन बाहर से करने के लिए कहा गया। मैं इस पर कहा कि पुर्जा पर लिखकर दे दीजिए, यहां नहीं होगा। तो फिर मैं बाहर से करा लूंगा। इसी को लेकर बहस होने लगी। इस बात से डॉक्टर्स और गार्ड इतने गुस्से में आ गए कि मुझे, मेरी मां, मेरे भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। गालियां देने लगें। जैसे तैसे हम लोग वहां से निकलकर बाहर जान बचाकर भाग रहे थे। इसी बीच मरीन ड्राइव की ओर बाहर निकलने वाले रास्ते के पास PMCH कैंपस में तीनों भाइयों को गार्ड और 25 से 30 जूनियर डॉक्टर्स ने घेर लिया और बुरी तरह से मारने पीटने लगे।

बिहटा निजी कंपनी में गार्ड सुपरवाइजर की मौत परिजनों ने प्रबंधन पर लगाया हत्या का आरोप

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र के महमदपुर पैनाल स्थित ओम करगटेड पैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत गार्ड सिक्योरिटी सुपरवाइजर रणविजय कुमार सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वैशाली जिले के विदुपुर थाना क्षेत्र के खिलवत गांव निवासी रणविजय के परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर हत्या का आरोप लगाया है। बिहटा पुलिस ने इस मामले में कंपनी के दो प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक के छोटे भाई विजय कुमार सिंह ने बिहटा थाना में कंपनी प्रबंधन के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए लिखित आवेदन दिया है। कंपनी के कर्मचारियों ने परिजनों को बताया कि रणविजय कुमार की मौत छत से गिरने के कारण हुई है। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि उन्हें घटना की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें हत्या की आशंका है। परिजनों के अनुसार, रणविजय कुमार पिछले करीब तीन वर्षों से कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। बुधवार शाम से ही वह कंपनी परिसर में मौजूद थे। कंपनी के एक स्टाफ सौरभ कुमार झा ने परिजनों को फोन कर रणविजय की गंभीर तबीयत की सूचना दी थी। मृतक के भाई विजय कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब चार बजे उन्हें भाई की नाजुक हालत की जानकारी मिली। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो रास्ते में ही उन्हें रणविजय कुमार का शव सौंप दिया गया। रणविजय कुमार शादीशुदा थे और उनके परिवार में पत्नी और एक छोटी बच्ची है। दानापुर एसडीपीओ 2 अमरेंद्र कुमार झा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि ओम करगटेड पैक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत एक व्यक्ति की छत से गिरकर मौत हुई है। पीड़ित परिवार की ओर से आवेदन दिया गया है और प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

होली पर युवक की गोली मारकर हत्या, परिजन ने हाजीपुर-महनार रोड किया जाम

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर गांव में होली के दिन युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में गुरुवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही मृतक का शव गांव पहुंचा, परिजनों और ग्रामीणों ने हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस के समझाने-बुझाने और जल्द कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात फिर से सामान्य हो सका। जानकारी के अनुसार बुधवार को हुई वारदात के बाद गुरुवार देर रात जब पोस्टमार्टम के बाद मृतक रंजीत दास का शव उसके घर पहुंचा, तो परिवार में कोहराम मच गया। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग पर पहुंच गए और हनुमान मंदिर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग हत्या के आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। अचानक हुए सड़क जाम से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया। करीब एक घंटे तक चली बातचीत के बाद पुलिस के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। इसके बाद सड़क पर आवागमन फिर से सामान्य हो सका। मृतक की पहचान दाउदनगर गांव निवासी चंदेश्वर दास के पुत्र रंजीत दास के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार बुधवार को रंजीत गांव में ही कुछ लोगों के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान आरोपी राजेश सिंह वहां पहुंचा और उनके साथ बैठ गया। बताया जा रहा है कि कुछ देर बातचीत के बाद उसने अचानक रंजीत पर गोली चला दी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायल रंजीत को इलाज के लिए बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार और गांव में मातम छा गया।

ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत, हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा, पुलिस ने 2 घंटे बाद हटाया जाम

हाजीपुर। वैशाली जिले में हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग संख्या 22 पर सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। यह घटना एक ट्रक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुई। मृतक की पहचान भगवानपुर निवासी अजय पटेल के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार अजय पटेल कथित तौर पर गलत दिशा से आ रहा था और नशे में था। इसी दौरान उसकी बाइक की सामने से आ रहे एक ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजय पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस के हस्तक्षेप और लोगों को समझाने के बाद लगभग दो घंटे बाद सड़क से जाम हटाया जा सका, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

मोकामा में ग्रामीणों-सीआरपीएफ के बीच झड़प, 8 लोग घायल

डीआईजी ने कहा- दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना में मोकामा के औंटा गांव में ग्रामीणों और सीआरपीएफ जवानों के बीच गुरूवार को हिंसक झड़प हो गई , जिसमें दोनों ओर के करीब 8 लोग घायल हो गए । वहीं घटना के बाद सूचना मिलने पर डीआईजी रवींद्र कुमार भगत और एसडीपीओ भी मौके पर पहुंचे और जाचं का आश्वासन दिया।

CRPF पर दरवाजा और खिड़कियां तोड़ने का आरोपः इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोग CRPF कैंप के पास होली खेल रहे थे इसी दौरान CRPF के जवानों ने उनके साथ मारपीट की और गांव में घुस कर घरों के दरवाजे , खिड़कियां तोड़ दी। ग्रामीणों ने जवानों पर महिलाओं और बच्चों के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया।

दोनों पक्षों का बयान दर्जः घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी रवींद्र कुमार भगत ने ग्रामीणों से बात की। उन्होंने कहा कि जांच टीम ग्रामीणों और सीआरपीएफ जवानों, दोनों के बयानों को दर्ज करेगी। उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो भी सच्चाई सामने आएगी, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। गलती चाहे ग्रामीणों की हो या सीआरपीएफ के जवानों की, दोषी पाए जाने पर सजा भुगतनी होगी।

CRPF ने क्या कहा इस पूरे मामले को लेकर CRPF के जवानों का कहना है कि होली के दिन गांव के लोगों ने सादी वर्दी में घूम रहे जवानों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की थी। जिसके बाद हम हाथीदह थाने की पुलिस के साथ उन लोगों को पकड़ने के लिए पकड़ने के लिए गांव में घुसे थे।

पीड़ितों से मिले अधिकारीः जांच के दौरान अधिकारी केवल मुख्य सड़कों तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने औंटा गांव के प्रभावित घरों में जाकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने उन घरों का निरीक्षण किया जहां जवानों द्वारा तोड़फोड़ या मारपीट के आरोप लगाए गए थे। डीआईजी ने पीड़ित महिलाओं और पुरुषों की बात सुनी और उनके घावों और नुकसान को बारीकी से देखा।

DIG ने क्या कहाः डीआईजी रविंद्र भगत ने बताया कि कुछ लोगों को CRPF कैंप के पास नशेबाजी करने से रोका गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने गेट पर हंगामा किया और गाली गलौज की। वहीं उन्होंने जाचं का आश्वासन दिया है।

अबीर खेलने निकले तीन युवकों को कार ने कुचला

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र में अबीर खेलने जा रहे तीन लोगों को एक अज्ञात गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान 32 वर्षीय भुल्ला के रूप में हुई है, जबकि घायलों में हरिहर महतो और झौरी महतो शामिल हैं। ये सभी पंडारक के निवासी हैं।

अज्ञात चार पहिया गाड़ी ने मारी टक्करः जानकारी के अनुसार, तीनों व्यक्ति गांव में अबीर खेलने के लिए जा रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद गाड़ी मौके पर पलट गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अबीर खेलने जा रहे थे, तभी हुए हादसे के शिकारः घायल हरिहर महतो के चाचा अमीरक महतो ने बताया कि, 'तीनों अबीर खेलने जा रहे थे, तभी सामने से आ रही फोर व्हीलर ने टक्कर मार दी। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' घायल झुरी महतो ने बताया कि, 'वे थाना के पास अपनी साली से अबीर की होली खेलने जा रहे थे, तभी अचानक सामने से आ रही गाड़ी ने टक्कर मार दी। उन्हें अस्पताल पहुंचने के बाद अपने साथी की मौत की जानकारी मिली।'

पटना के पंडारक में गड्ढे में पलटी गाड़ी, एक की मौत

फरार ड्राइवर की तलाश जारीः पंडारक थाना अध्यक्ष नवनीत राय ने पुष्टि किया कि टक्कर मारने वाला वाहन एक गड्ढे में पलट गया है और उसका चालक मौके से फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

पिपलावां में नहर पथ पर बाइक हादसा, युवक की मौके पर मौत

एजेंसी, पटना

पीपलावां थाना क्षेत्र के बिक्रम-नौबतपुर नहर पथ पर बुधवार शाम करीब 7:30 बजे एक सड़क हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रानीतालाब थाना क्षेत्र के सेलगढ़ निवासी आनंद विशाल (27 वर्ष) के रूप में हुई है। वह विजय कुमार के इकलौते पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, आनंद विशाल पटना में कैब चलाते थे। बुधवार शाम वह अपने घर पर दोस्तों के साथ होली खेलने के बाद पटना जाने के लिए अपनी R15 बाइक से निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक तेज रफ्तार में थी।

फरीदपुरा के पास अचानक बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर से युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी।

दोस्तों के साथ होली खेलने के बाद पटना जाते वक्त हुई दुर्घटना

सूचना मिलते ही पीपलावां थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पीपलावां थाना के अपर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है और वे मौके पर पहुंच गए हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। इकलौते पुत्र की असामयिक मृत्यु से परिवार में मातम छा गया है।

अग्निशमन विभाग के आईजी एम सुनील नायक आंध्र पहुंचे, स्टेटमेंट रिकॉर्ड करेगी आंध्र पुलिस

एजेंसी, पटना

बिहार अग्निशमन विभाग के IG एम सुनील नायक आंध्र प्रदेश पहुंच गए हैं। आंध्र हाईकोर्ट के डायरेक्शन के मुताबिक पूर्व सांसद के रघु रामकृष्णा राजू के साथ प्रताड़ना मामले में अपना स्टेटमेंट केस के इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर के सामने रिकॉर्ड कराएंगे। मामले में आंध्र पुलिस आईजी एम सुनील नायक को बलपूर्वक अरेस्ट करके पटना से आंध्र ले जाना चाहती थी, लेकिन अधूरे डॉक्यूमेंट के चलते नहीं ली जा पाई थी। पटना सिविल कोर्ट ने आधे अधूरे डॉक्यूमेंट के कारण ट्रांजिट रिमांड रिफ्यूज कर दिया था। आंध्र पुलिस के सख्त रुख को देखते हुए एंटीसिपेटरी बेल के लिए आईजीएम सुनील नायक की ओर से आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में अर्जी लगाई है। जिस पर सुनवाई चल रही है। सुनील नायक के अधिवक्ता कुणाल तिवारी के अनुसार मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। फिलहाल कोर्ट ने आंध्र पुलिस के एक्शन पर रोक लगा दिया है। अधिवक्ता कुणाल तिवारी ने बताया कि सुनील नायक 2021 में आंध्र प्रदेश में डेप्युटेशन पर सीआईडी में डीआईजी थे। पूर्व सांसद लगातार वहां के सीएम के बारे में अभद्र टीका टिप्पणी कर रहे थे। इसे लेकर सीआईडी के डीजी ने सुनील नायक को इंक्वारी करने के लिए कहा था। इन्होंने इंक्वारी की। इनकी इंक्वाइरी के आधार पर पूर्व एमपी के खिलाफ केस दर्ज हुआ। बस इनका रोल यही तक था। अधिवक्ता ने कहा कि सुनील नायक 2023 में वापस बिहार आ गए। जब आंध्र में सरकार बदली तो 2021 के मामले को लेकर 2024 में पूर्व सांसद ने केस रजिस्टर्ड कर दिया। हालांकि इसमें भी आईजी एम सुनील नायक को नामजद नहीं किया गया था। मामला तब तूल पकड़ा जब 2025 में आंध्र पुलिस ने BNSS 179 के तहत सुनील नायक को समन किया। जो नियमों के खिलाफ है, क्योंकि पुलिस इसके तहत लोकल जूरिडिक्शन या एडजॉइनिंग जूरिडिक्शन में ही स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के लिए समन दे सकती है। सुनील नायक ने इसका जवाब दिया। उन्होंने आंध्र पुलिस को बताया कि मुझे 3 महीने का समय चाहिए। फिलहाल अभी मैं ऑफिशियल काम में व्यस्त हूं। होम मिनिस्टरी में मीटिंग है, लेकिन आंध्र पुलिस इन्हें लगातार आने के लिए फोर्स करने लगी।

◆ पूर्व सांसद से जुड़े मामले को लेकर 9 मार्च को सुनवाई

आंध्र पुलिस के फोर्स करने पर सुनील नायक ने पटना हाईकोर्ट में रीट फाइल की। कोर्ट को बताया गया कि BNSS 179 के तहत आंध्र पुलिस बिहार में समन नहीं दे सकती है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के बाद स्टे लगा दिया। 9 मई 2025 को पटना हाईकोर्ट का एक फैसला आया जिसमें कहा गया कि आंध्र पुलिस टीम भेज कर या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनील नायक का स्टेटमेंट रिकॉर्ड कर सकती है। सुनील नायक के खिलाफ कोई जबरदस्ती का एक्शन नहीं लिया जा सकता है। इसके कुछ दिनों के बाद आंध्र पुलिस ने इस मामले में सुनील नायक को आरोपी बना दिया।

होली के दिन पीएमसीएच में सबसे ज्यादा पहुंचे घायल

एजेंसी, पटना

होली के दिन पटना की सड़कों पर हुए सड़क हादसों के कारण शहर के अस्पतालों में भारी भीड़ देखी गई। इन दुर्घटनाओं में कई लोग घायल हुए, जिन्हें विभिन्न सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में सबसे ज्यादा 25 घायलों का इलाज किया गया, जबकि गार्डिनर अस्पताल में 12 और इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में 9 घायलों का उपचार हुआ। स्वास्थ्य विभाग ने होली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं, रंग-गुलाल से एलर्जी और झगड़े-हंगामे की आशंका को देखते हुए पहले से ही हाई अलर्ट जारी किया था। अस्पतालों में एक्स्ट्रा बेड आरक्षित रखे गए थे और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किया गया था।

ज्यादातर मरीज के हाथ-पैर और सिर में चोटः PMCH के आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम लगातार मरीजों के इलाज में व्यस्त रही। यहां सड़क हादसों के सबसे अधिक मरीज पहुंचे, जिनमें कई को सिर-हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। IGIMS की आपातकालीन इकाई में भी डॉक्टरों की विशेष टीम तैनात थी। यहां दुर्घटनाओं के अलावा रंगों से एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायत वाले मरीज भी पहुंचे। अस्पताल प्रशासन ने आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की थी। गार्डिनर अस्पताल में भी आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहीं, जहां अधिकांश मरीज बाइक दुर्घटनाओं में घायल हुए थे।

इमरजेंसी के लिए डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ तैनात किए गए थेः PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'होली के मद्देनजर अस्पताल को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया था। आपातकालीन सेवाओं में अतिरिक्त डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को तैनात किया गया था, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और जिला अस्पतालों में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं सक्रिय रहीं और आवश्यकता पड़ने पर सर्जरी टीम को भी तैयार रखा गया था।'

◆ अस्पतालों में एक्स्ट्रा बेड रिजर्व थे, इमरजेंसी के लिए स्पेशल डॉक्टरों की टीम बनी थी

एम्बुलेंस सेवा भी रही सतर्क स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस सेवा को भी अलर्ट मोड में रखा था। सड़कों पर एंबुलेंस की तैनाती की गई थी, ताकि हादसे के तुरंत बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा सके। सिविल सर्जन डॉ. योगेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया कि होली के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही। हुड़दंग, सड़क दुर्घटनाओं या रंग-गुलाल से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए डॉक्टरों की टीम चौबीसों घंटे अलर्ट रही।

पहले से की गई थी व्यापक तैयारी होली से पहले ही अस्पतालों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए थे। ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त की उलब्धता थी। साथ ही ट्रॉमा और इमरजेंसी वार्ड में अतिरिक्त बेड आरक्षित रखे गए थे। त्योहार के दिन भले ही शहर में रंग और उत्साह का माहौल रहा, लेकिन अस्पतालों में दिनभर आपाधापी का माहौल देखने को मिला। राहत की बात यह रही कि अधिकांश घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गईं।

तेज रफ्तार कार ने 4 वर्षीय बच्ची को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में होली की शाम एक सड़क हादसे में चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। छोटी पहाड़ी मोहल्ले में सड़क किनारे खेल रही बच्ची को एक तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कार में सवार एक व्यक्ति की पिटाई की और वाहन में तोड़फोड़ की। मृतका की पहचान गुलजान परवीन (4 वर्ष) के रूप में हुई है।

सड़क किनारे खेल रही थी बच्चीः वह अपने पिता मोहम्मद फैयाज हसन के साथ छोटी पहाड़ी स्थित किराये के मकान में रहती थी। मोहम्मद फैयाज हसन मूल रूप से मधेपुरा के निवासी हैं और पटना में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बताया गया कि होली के अवसर पर मोहल्ले में बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक एक कार ने सड़क किनारे खेल रही गुलजान परवीन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

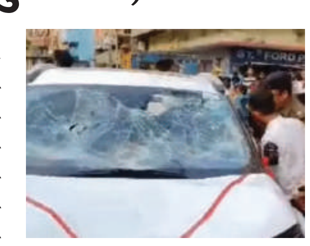

गुस्साई भीड़ ने एक कार सवार को पीटाः घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने कार को पकड़ लिया और उसमें सवार एक व्यक्ति, जिसकी पहचान मुकेश कुमार के रूप में हुई है, जिसकी जमकर पिटाई कर दी। हालांकि, कार चला रहा चालक सूरज कुमार मौके से फरार हो गया। आक्रोशित भीड़ ने गाड़ी में भी तोड़फोड़ की और हंगामा किया।

6 महीने से इंसेंटिव नहीं मिलने से परेशान आशा कार्यकर्ता

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) फुलवारी शरीफ में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं को पिछले छह महीनों से प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) का भुगतान नहीं हुआ है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ा है। उन्हें परिवार चलाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

आशा कार्यकर्ताओं संगीता देवी, रूबी कुमारी, शमा प्रवीण और गायत्री देवी समेत कई अन्य ने बताया कि प्रोत्साहन राशि न मिलने के कारण उनके त्योहार भी फीके पड़ गए हैं। दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के बाद अब होली का त्योहार भी बिना भुगतान के गुजर गया। उन्होंने कहा कि समय पर पैसे न मिलने से दैनिक खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है।

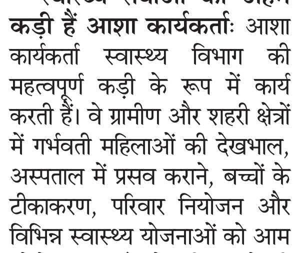

स्वास्थ्य सेवाओं की अहम कड़ी हैं आशा कार्यकर्ताः आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं। वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की देखभाल, अस्पताल में प्रसव कराने, बच्चों के टीकाकरण, परिवार नियोजन और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को आम लोगों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी निभाती हैं।

10 मार्च को हो सकती है बारिश, 5 जिलों में बिजली-ओले गिरने के आसार

एजेंसी, पटना

बिहार में मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी पड़ने लगी है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य का मौसम शुष्क बना रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार अगले एक सप्ताह के दौरान ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। मौसम शुष्क रहेगा। चिलचिलाती धूप के चलते दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल होगा। पिछले 24 घंटे में राज्य का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बांका में 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना, मुजफ्फरपुर, गया समेत राज्य के अन्य शहरों में गर्मी ज्यादा महसूस हो रही है। ग्रामीण इलाकों में रात से सुबह तक हल्की ठंडक है।

सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस औरंगाबाद में दर्ज किया गया।

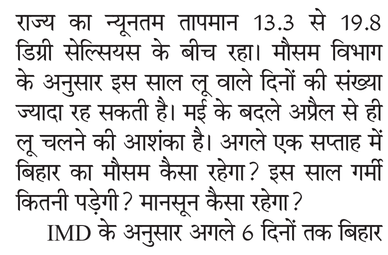

राज्य का न्यूनतम तापमान 13.3 से 19.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस साल लू वाले दिनों की संख्या ज्यादा रह सकती है। मई के बदले अप्रैल से ही लू चलने की आशंका है। अगले एक सप्ताह में बिहार का मौसम कैसा रहेगा? इस साल गर्मी कितनी पड़ेगी? मानसून कैसा रहेगा?

IMD के अनुसार अगले 6 दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क बना रहेगा। इसके बाद सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जिले में एक या दो स्थानों पर बारिश हो सकती है। अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों के अधिकतम तापमान में 1-3°C की वृद्धि होगी। वहीं, अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों के न्यूनतम तापमान में 2-4°C की वृद्धि होगी। एक सप्ताह में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस या इससे ऊपर पहुंच सकता है। IMD ने 5 मार्च से 9 मार्च 2026 तक के लिए राज्य के किसी भी जिले के लिए मौसम संबंधी कोई चेतावनी जारी नहीं की है। 10 मार्च को सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश होने और बिजली गिरने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 06 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

भर्ती प्रस्ताव भेजने से पहले आरक्षित पद बताना विभागों के लिए जरूरी, आयोगों के साथ विभागों की बैठक भी संभव

लखनऊ, एजेंसी। आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर विवादों से बचने के लिए शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं और कहा कि अगर जरूरी हो तो विभाग और आयोग बैठक भी करें जिससे कि विवादों से बचा जा सके। यूपी सरकार ने भर्तियों में आरक्षित पदों को लेकर समय-समय पर उठने वाले विवादों को पूरी तरह से खत्म करने की तैयारी की है। अब आरक्षित पदों की संख्या तय होने के बाद ही भर्तियां होंगी। संबंधित विभागों को रिक्तियों का प्रस्ताव भेजने से पहले एससी-एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के पदों को स्पष्ट करना होगा। जरूरी होने पर आयोगों

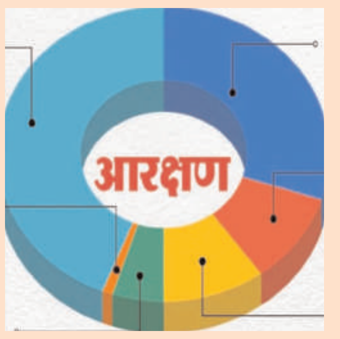

के साथ विभागों को बैठक भी करना होगा ताकि भर्तियों में पेंच फंसने की आशंका खत्म हो।

शासन की मंशा है कि भर्ती विज्ञापन निकालने से पहले पदों की गणना स्पष्ट रहे। इसमें देखा जाएगा कि आरक्षण के मुताबिक पदों का बंटवारा सही है या नहीं। इस संबंध में शासन ने सभी आयोगों को पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि राज्य के अधीन सेवाओं में ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्थाओं का मानक के अनुरूप पालन किया जाए। उप्र लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण) अधिनियम-2020 में दी गई व्यवस्था का हर हाल में पालन सुनिश्चित करें।

प्रदेश में भर्तियों के लिए उप्र लोक सेवा आयोग, उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, उप्र विद्युत सेवा आयोग, उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग, उप्र पुलिस भर्ती बोर्ड और उप्र सहकारी संस्थागत सेवा मंडल बनाया है। सबसे अधिक भर्तियां लोक सेवा और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग करता है। पर, पिछले कुछ भर्ती विज्ञापनों को लेकर आपत्तियां मिलीं कि रिक्तियों में ओबीसी के लिए कम पद तय हैं। ऐसी स्थिति से बचने के लिए ही सरकार ने ये दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कानपुर में भी जमकर खेली गई होली पुलिस वाले भी थिरके, मारपीट ,बवाल में कई गिरफ्तार

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां होलिका दहन के बाद जमकर होली खेली गई। पुलिस लाइन में भी इसका आयोजन किया गया जिसमें पुलिस के सभी छोटे-बड़े अधिकारियों कर्मचारियों भी ने एक दूसरे से होली खेली। इस दौरान नशेबाजी और बवाल करने वालों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने तगड़ी तैयारी भी रही। और जो कोई भी ऐसा करता पाया गया। उसके खिलाफ कार्रवाई भी की गई।

दरअसल उत्तर प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में होली दीपावली जैसा कोई भी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करना बहुत सरल नहीं माना जाता। यही वजह है कि होली को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने हर तरह से तगड़ी तैयारी पहले ही कर ली थी ,जिसके तहत रंग खेलने के दौरान शराब पीकर बवाल करने और मारपीट आदि करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। इसके लिए यहां के सभी थानेदारों को पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल द्वारा आवश्यक आदेश निर्देश पहले ही दिए जा चुके थे। रंग खेलने के दौरान बवाल करने वालों से निपटने के लिए सुरक्षा समेत तगड़ी तैयारी के अनुरूप जगह-जगह पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

जहां तक होली के दौरान बवाल की बात है । कई थाना क्षेत्रों में रंग लगाने को लेकर और शराबियों की वजह से भी मारपीट और झगड़े की घटनाएं हुई ,जिसकी सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में भी लिया। इस तरह की घटनाएं एक आध को छोड़कर जिले के लगभग हर थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पारिवारिक कलह में महिला ने फंदा लगाकर दी जान, पंखे से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के नगरा गांव में पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने घर पर पंखे के सहारे लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के मुताबिक, नगरा गांव के निवासी भानुप्रताप का विवाह आठ वर्ष पहले शिवली कानपुर देहात के देवीपुरवा के रहने वाले अजय पाल की पुत्री सोनी से हुआ था। भानुप्रताप के पिता देशराज ने बताया कि बेटा ई-रिक्शा चलाता है। होली के दिन घर के अन्य सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। इस दौरान बहू अकेले घर में थी। उसने बाहर आंगन के पास बने कमरे में लगे पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

तहरीर और जांच के आधार पर होगी कार्रवाई- मृतका के एक बेटी अनुप्रिया (4) और एक बेटा अभिषेक (6) है। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। मायके पक्ष को सूचना दी गई है।

अमेठी की खूनी होली: त्योहार के दिन सात मौतें

11 लोग घायल; कई परिवारों की खुशियां मातम में बदलीं

अमेठी, एजेंसी। अमेठी में होली के दौरान अलग-अलग हादसों में सात लोगों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। सड़क दुर्घटनाएं, करंट लगना, डूबने और संदिग्ध परिस्थितियों की घटनाओं ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है, जबकि घायलों का इलाज जारी है। रंगों और उमंग का पर्व होली इस बार जिले के कई परिवारों के लिए दुख और मातम लेकर आया। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों, करंट लगने और संदिग्ध परिस्थितियों की घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि मुसाफिरखाना और गौरीगंज में हुए अलग-अलग हादसों में 11 लोग घायल हो गए। इन घटनाओं ने कई घरों की खुशियां पल भर में छीन लीं। कमरौली के गढ़ा मोड़ के पास लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को डीसीएम की टक्कर से साइकिल सवार अनवरी बानों (55) की मौत हो गई, जबकि उनके पति मोहम्मद वसीम (59) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों साइकिल से दवा लेने जा रहे थे। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घायल वसीम का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

इन्हौना के कैथागांव धीरापुर निवासी राज बहादुर (60) की भी सड़क हादसे में जान चली गई। लखनऊ-सुल्तानपुर राजमार्ग पर अनियंत्रित कार की टक्कर से उनकी मौत हो गई। बाजार शुकुल के बागमीरा भिटवा गांव निवासी शिव ओम (18) की बुधवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। वह साइकिल से होली खेलने जा रहा था। जैसे ही वह जगदीशपुर-सत्थिन मार्ग पर चढ़ा, सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को ग्रामीणों ने सीएचसी जगदीशपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पीपरपुर के सवनगी गांव में करिश्मा (27) संदिग्ध परिस्थितियों में मायके के कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मुंशीगंज के सेवई हेमगढ़ गांव में खेत से लौट रहे किसान घेराऊ प्रजापति (65) बिजली के टूटे तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मुसाफिरखाना के जाखा शिवपुर निवासी सुनील कुमार वर्मा (30) का शव लालगंज चौराहे के पास सड़क किनारे झाड़ियों में मिला। मौके पर उनकी क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी मिली। पुलिस के अनुसार बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरने से उनकी मौत हुई।

कमरौली के बरसंडा के पट्टी गांव में हनुमान गौतम (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ सेवन के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी बीच बाजार शुकुल के किशनी गांव में होली खेलने के बाद गोमती नदी में नहाने गए युवक पवन कुमार गुप्ता (23) डूब गए।

मेडिकल लीव बढ़वाने के लिए अधिकारी के सामने पैंट उतारी

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ रेल मंडल में कार्यरत लोको पायलट ने मेडिकल लीव न बढ़ाने पर अधिकारी के सामने पैंट उतार दी। डॉक्टरों ने उसे पाइल्स सर्जरी के बाद आराम करने की सलाह दी थी। लखनऊ रेल मंडल में लोको पायलट ने पाइल्स सर्जरी के बाद मेडिकल लीव न बढ़ाने पर अधिकारी के सामने पैंट उतार दी। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। इससे भड़की रेलवे यूनियन ने कर्मचारी के अपमान का आरोप लगाते हुए उस पर कार्रवाई की मांग की है।

सीएम योगी ने काला चश्मा लगाकर खेली होली, रामलला ने पहनी पगड़ी

होली की रात पति को फूंक डाला

लखनऊ, एजेंसी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मानव जीवन में मर्यादा, जीवंतता, भक्ति और समरसता ही सनातन धर्म की वास्तविक शक्ति हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को इस बात पर गर्व करने का आह्वान किया कि उत्तर प्रदेश में ऐसे सभी प्रमुख विरासत स्थल मौजूद हैं जो इन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को होली के पावन अवसर पर घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और होलिकोत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा' के शुभारंभ के अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित कर रहे

अबूधाबी में फंसे संत सकुशल अयोध्या लौटे

एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, पूर्व सांसद भी पहुंचे

लखनऊ, एजेंसी। खाड़ी देशों में तनावपूर्ण हालात के चलते अबूधाबी में फंसे संत जब अयोध्या पहुंचे तो एयरपोर्ट पर अनेक संतों व भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया। उनके स्वागत के लिए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी मौजूद रहे।

दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत बिंदुगद्याचार्य और महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज अबूधाबी में एक सप्ताह तक फंसे रहने के बाद सकुशल अयोध्या लौट आए हैं। उनके सुरक्षित लौटने की खबर से संत समाज और श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। बुधवार सुबह महर्षि एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, रसिक

पीठ के आचार्य महंत जनमेजय शरण तथा महंत हेमंत दास सहित अनेक संतों और भक्तों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार, महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज 27 फरवरी को अबूधाबी स्थित स्वामीनारायण मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। इसी दौरान ईरान और इजरायल के बीच बढ़े तनाव के कारण खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़ गए और कई उड़ानों पर अस्थायी रोक लगा दी गई। इसके चलते उनकी 2 मार्च को प्रस्तावित भारत वापसी संभव नहीं हो सकी और वे वहीं रुकने को विवश हो गए। महाराज के विदेश में फंसे होने की खबर से अयोध्या के संत समाज और उनके अनुयायियों में चिंता का माहौल बन गया था। उनकी सकुशल वापसी के लिए अयोध्या में कई स्थानों पर हवन, पूजन और यज्ञ का आयोजन कर विश्वशांति तथा उनकी सुरक्षा की कामना की गई। बाद में हालात सामान्य होने पर 4 मार्च से हवाई सेवाएं दोबारा शुरू हुईं। इसके बाद महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज भारत के लिए रवाना हुए और सकुशल अयोध्या पहुंच गए। एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में संत और श्रद्धालु मौजूद रहे।

अध्यात्म, प्रकृति और सुविधाओं के संगम ने नैमिषारण्य में बढ़ाया पर्यटन

लखनऊ, एजेंसी। देश-विदेश के पर्यटक नैमिष धाम को अपने टूट पैकेज में शामिल कर रहे हैं। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और अयोध्या आने वाले पर्यटक नैमिषारण्य भी पहुंच रहे हैं। पर्यटकों के लिए नए केंद्रों को विकसित करने में जुटे पर्यटन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ से सटे सीतापुर स्थित नैमिषधाम में अत्याधुनिक सुविधाओं के बढ़ने व स्थानीय अल्पज्ञात स्थलों के विकास से अब यह पर्यटकों के टूर पैकेज में भी शामिल हो रहा है। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी व अयोध्या आने वाले श्रद्धालु व पर्यटक नैमिषधाम भी पहुंच रहे हैं। प्रदेश सरकार की ओर से नैमिषारण्य में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित अल्पज्ञात धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार कराया गया है। पड़ाव के 11 प्रमुख धार्मिक स्थलों हरैया के सिद्धदात्री माता मंदिर, कोथावा क्षेत्र के जनकपुर मंदिर, हत्याहरण पौराणिक स्थल और 80 वर्ष पुराना शिव मंदिर, गिरधरपुर क्षेत्र का सूर्यकुंड मंदिर आदि श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हैं। विभाग ने इन प्राचीन तपोस्थलों का नए सिरे से विकास कराया है। इसके अलावा संपर्क मार्गों का निर्माण, श्रद्धालुओं के लिए रैन बसेरा, प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार, सेल्फी प्वाइंट, तालाबों का सौंदर्याकरण और अन्य पर्यटन सुविधाओं का विस्तार कराया गया है। नैमिषधाम में युवाओं व विदेशी पर्यटकों की रुचि बढ़ी है। धार्मिक टूर

टूर पैकेज में शामिल कर रहे पर्यटक

पैकेजों में शामिल होने से इसकी ख्याति उत्तर से दक्षिण भारत तक फैली है। श्रद्धालुओं के बढ़ने से होटल, प्रसाद, फूल-माला और परिवहन कारोबार में तेजी आई है। इससे लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। इन अल्पज्ञात स्थलों के पुनरुद्धार और समग्र नैमिषारण्य क्षेत्र के विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से बजट और परियोजनाओं का दायरा भी बढ़ाया जा रहा है।

आस्था और विकास साथ-साथ आगे बढ़ रहे

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का कहना है कि बेहतर सुविधाओं और योजनाबद्ध विकास से नैमिषधाम वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। पर्यटन विभाग मिशन के रूप में अल्पज्ञात मंदिरों और परिक्रमा मार्ग के स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार करा रहा है। यहां आस्था और विकास साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला; दबंग परिवार ने की मारपीट, महिला समेत चार गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। कायमगंज के प्रेमनगर में अवैध शराब की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम के साथ मारपीट करने वाले विजय राजपूत और उसके परिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस फरार आरोपी अजय की तलाश कर रही है। फर्रुखाबाद जिले में कायमगंज के गांव प्रेमनगर में अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम के साथ आरोपियों ने हमला कर अभद्रता की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विजय राजपूत, उसकी पत्नी मीना, बेटियों अंजू व सौम्या और पड़ोसी सनी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि विजय का बेटा अजय मौके से फरार हो गया। सोशल मीडिया पर अवैध शराब बिक्री का वीडियो वायरल हुआ। इसकी सूचना पर पुलिस टीम मौके पर जांच करने पहुंची थी।

इस्राइल-ईरान युद्ध से दुबई में 350 से अधिक कोरियर फंसे

यूपी के निर्यातकों की परेशानी बढ़ी

मुरादाबाद, एजेंसी। खाड़ी देशों के ऊपर हवाई मार्ग बाधित होने और दुबई एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद होने के कारण मुरादाबाद जिले के निर्यातकों के कोरियर प्रभावित हो गए हैं। अमेरिका, जर्मनी और मिडिल ईस्ट देशों के लिए भेजे गए करीब 350 हस्तशिल्प सैंपल दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। खाड़ी देशों के ऊपर से गुजरने वाले हवाई मार्गों में बाधा और अस्थायी एयर स्पेस बंद होने की वजह से अमेरिका समेत मिडिल ईस्ट के देशों में जिले के निर्यातकों के कोरियर नहीं जा पा रहे हैं। अमेरिका व मिडिल ईस्ट के देशों के लिए भेजे गए सैंपल दुबई एयरपोर्ट पर फंस गए हैं। इसके कारण निर्यातकों की परेशानी और बढ़ गई है। निर्यातकों ने बताया कि कई कोरियर कंपनियों का कहना है कि मध्य पूर्व हवाई क्षेत्र प्रभावित है। इसकी वजह से कोरियर देरी से पहुंचेगा। अमेरिका, जर्मनी

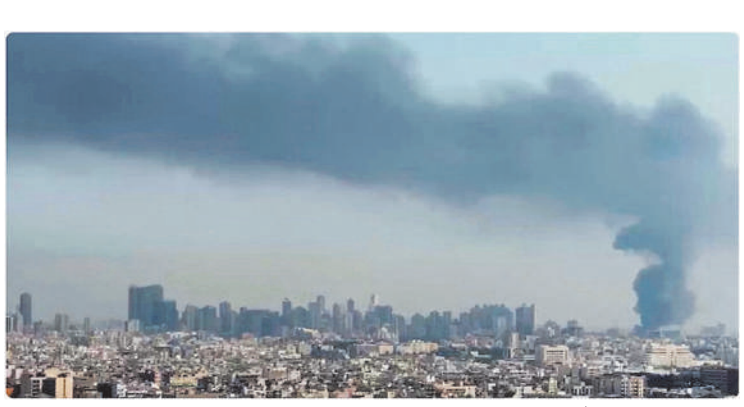

समेत मिडिल ईस्ट देशों में आर्डर के लिए खरीदारों के पास हस्तशिल्प उत्पादों का सैंपल हवाई मार्ग से भेजा जाता है।

सैंपल पसंद आने के बाद खरीदार आर्डर कंफर्म करते हैं। लेकिन अब निर्यातकों के आर्डर कंफर्म होने में अधिक समय लगेगा। इस्राइल-ईरान युद्ध की वजह से दुबई एयरस्पेस बंद है। इसकी वजह से 350 कोरियर दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। इन कोरियर में हस्तशिल्प उत्पाद का सैंपल भरा हुआ है। इसे तीन दिनों में अमेरिका समेत मिडिल ईस्ट देशों में पहुंचाना था। लेकिन अब यह इन देशों में देरी से पहुंचेंगे। शहर के कई निर्यातकों का कहना है कि एयरस्पेस बंद होने की वजह से कोरियर दुबई होते हुए अमेरिका नहीं जाएगा। द हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव सतपाल ने बताया कि युद्ध की वजह से सैंपल से लेकर आर्डर नहीं भेजे जा रहे हैं।जिले में स्थित कोरियर कंपनियों के अनुसार, प्रतिदिन 500 से अधिक हस्तशिल्प उत्पादों के कोरियर को विदेश भेजा जाता है। करीब 250 कोरियर दुबई के रास्ते अमेरिका समेत मिडिल ईस्ट देशों में भेजे जाते हैं। अब दुबई एयरस्पेस बंद होने की वजह कोरियर प्रभावित हुआ है। कोरियर को दूसरे रास्ते दुबई भेजे जाने का प्रावधान किया गया है। इससे कोरियर करने की कीमत बढ़ने की संभावना है। कुछ कोरियर कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका, जर्मनी समेत अन्य देशों में कोरियर भेजने के लिए कई हवाई रास्ते का प्रयोग किया जा रहा है।

जुए की पूछताछ पर युवक से अभद्रता

पुलिस और ग्रामीण भिड़े; बवाल के बाद जमकर पथराव, भारी फोर्स तैनात

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले में अचलगंज थाना क्षेत्र के हड़हा गांव में पुलिस द्वारा जुआ खेलने की जानकारी लेने पर अनुसूचित जाति का युवक भड़क गया। इस पर एक सिपाही ने उससे अभद्रता की, तो मामला हाथापाई तक पहुंच गया। मामला बढ़ते देख ग्रामीणों की भीड़ लग गई और दरोगा व सिपाही को बंधक बनाने का प्रयास किया। हालात बिगड़ते देख सिपाही, तो मौके से भाग निकला और उसने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। बवाल की सूचना पर सीओ और थानाध्यक्ष फोर्स के साथ पहुंचे।

पुलिस बल अधिक देख ग्रामीणों की संख्या भी बढ़ गई और पथराव कर दिया। घटना में दो से तीन पुलिस कर्मियों को चोटें भी लगी हैं। हालांकि उच्चाधिकारी इससे इन्कार कर रहे हैं। पथराव से एसओ का वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है, भगाने में गाड़ी खंती में चली गई। हालात गंभीर देख पुलिस को पीछे हटना पड़ा और एक किलोमीटर दूर जाकर पीएसी बुलवाई है। रात में एसपी पीएसी बल के साथ थाने पहुंचे। वहां से घटना से की समीक्षा कर रहे हैं।

दरोगा को छोड़कर मौके से भागा सिपाही- अचलगंज थाना क्षेत्र के हड़हा गांव में बुधवार शाम करीब छह बजे हल्का इंचार्ज शिवकुमार पांडेय सिपाही अमरजीत सिंह के साथ पहुंचे और अंकित सोनकर से जुआ होने की जानकारी लेने गया। अंकित ने खुद जाकर पता लगाने की बात कही, तो दरोगा व सिपाही भड़क गए।

कुछ पुलिस कर्मियों को चोटें लगने की भी चर्चा

थानाध्यक्ष बृजेश कुमार शुक्ला और सीओ मधुपनाथ मिश्रा फोर्स के साथ पहुंचे और डंडा पटककर भीड़ हटाने का प्रयास किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। घटना में कुछ पुलिस कर्मियों को चोटें लगने की भी चर्चा है। वहीं पथराव के दौरान एसओ के चालक गाड़ी भगाने का प्रयास किया, तो वह खंती में चली गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस बैकफुट पर आई और गांव एक किलोमीटर दूर उन्नाव-लालगंज हाईवे के बने अंडरपास के नीचे जाकर खड़ी हो गई और उच्चाधिकारियों को सूचना देकर पीएसी भेजने की मांग की।

गांव में पसरा हुआ है सन्नाटा- रात करीब 9 :30 बजे एसपी जयप्रकाश सिंह पीएसी बल के साथ थाने पहुंचे और हालात का जायजा ले रहे हैं। साथ ही, घटना के दौरान पुलिस की ओर से बनाए गए वीडियो की

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई का उत्तराधिकारी दूसरे बेटे मोजतबा को बनाने पर सहमति, जल्द होगी घोषणा

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में उनके दूसरे बेटे मोजतबा खामेनेई के नाम पर सहमति बन गई है। इसे लेकर पवित्र शहर कोम में 88 सदस्यों वाली 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' (विशेषज्ञों की सभा) में मतदान हो चुका है। ईरान इंटरनेशनल अखबार ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स गुरुवार को एक आपात सत्र में मोजतबा खामेनेई को आधिकारिक नेता के तौर पर घोषित करेगी। यह सत्र ईरान इंटरनेशनल की उस रिपोर्ट के दो दिन बाद आहूत किया गया है, जिसमें कहा गया था कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के दबाव में मोजतबा खामेनेई को अगला नेता चुना है। असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के प्रतिनिधियों के ऑफिस के दो सूत्रों ने बताया कि कम से कम आठ सदस्य गुरुवार के सत्र में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने इस चयन का विरोध किया है। खामेनेई का वारिस चुनने के लिए आपात बैठक कोम शहर में असेंबली बिल्डिंग पर इजराइली हमले के समय से पहले खत्म हो गई थी। गुरुवार की बैठक ऑनलाइन होगी। इसे कोम में फातिमा मासूमेह की दरगाह के पास एक इमारत से संचालित किया जाएगा। मोजतबा के चयन से नाखुश प्रतिनिधि नए सिरे से मतदान कराने की मांग कर सकते हैं। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की पत्नी मंसूरेह खोजस्तेह बघेरजादेह की मौत भी मौत हो चुकी है। उन्होंने अपना आखिरी दिन कोमा में सेंट्रल तेहरान में पाश्चर एवेन्यू पर अपने घर के पास एक हॉस्पिटल में बिताया। उनका घर (कंपाउंड) अब पूरी तरह तबाह हो चुका है। खामेनेई दंपति के छह संतानों में चार बेटे 1979 की क्रांति से पहले और दो बेटियां बाद में पैदा हुईं। एक बेटी होदा भी हमले में मारी जा चुकी है। इस बीच ईरान की एक अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा है कि इस्लामिक क्रांति के शहीद नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की योजना बनाई जा रही है। ईरान की मंत्रिपरिषद अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद 40 दिनो के राष्ट्रीय शोक की घोषणा पहले ही कर चुकी है।

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग, कोलकाता-दुबई फ्लाइट शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज छठा दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग के कारण मिडिल ईस्ट के देशों में भारत के लिए उड़ान सेवा प्रभावित हुई है। हालांकि बीते 2 दिन में हालात आंशिक रूप से सुधरे हैं। स्पाइसजेट मिडिल ईस्ट में फंसे यात्रियों की वापसी के लिए गुरुवार को UAE से 13 स्पेशल फ्लाइट्स चलाएगी। इनमें 12 फुजैराह से और 1 दुबई से चलेंगी। फुजैराह से मुंबई के लिए सात और दिल्ली के लिए पांच स्पेशल फ्लाइट्स चलेंगी। वहीं एक फ्लाइट दुबई से मुंबई आएगी। इधर, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन हुए। 1 मार्च से आज लगातार पांचवे दिन श्रीनगर में लाल चौक पर बैरिकेडिंग है, सुरक्षाबल की तैनाती है। गलियों के बाहर तार फैंसिंग की गई है। इस बीच 4 दिन बंद पड़ी कोलकाता-दुबई की उड़ानें आज से दोबारा शुरू की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि फ्लाईदुबई की फ्लाइट गुरुवार सुबह एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इसमें 130 यात्री थे। बोइंग 737 मैक्स वाला यह प्लेन यहां से 55 यात्रियों को लेकर दुबई रवाना हुआ। स्पाइसजेट के मुताबिक गुरुवार को दुबई से मुंबई के लिए SG 9014 और फुजैरा से मुंबई के लिए SG 9036 उड़ान चलेंगी। फुजैरा से दिल्ली के लिए SG 9006, SG 9082 और SG 9085 और फुजैरा से मुंबई के लिए SG 9087 और SG 9089 उड़ानें भी ऑपरेट की जा रही हैं। स्पाइसजेट ने 6 मार्च को भी फुजैराह से मुंबई और दिल्ली के लिए कई अतिरिक्त उड़ानें तय की हैं। 7 मार्च को फुजैराह से मुंबई के लिए एक स्पेशनल फ्लाइट ऑपरेट की जाएगी। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने कहा- 28 फरवरी या उससे पहले बुक टिकट वाले यात्री अपनी उड़ान मुफ्त में रीशेड्यूल करा सकते हैं या टिकट कैंसिल करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। कंपनी ने कहा कि हमारी मिडिल ईस्ट के हालातों पर नजर बनी हुई है। दुबई और जेद्दा से फ्लाइट ऑपरेट की जा रही हैं। वहां फंसे भारतीय लाने की कोशिशें जारी हैं।

कनाडा में पंजाबी यूट्यूबर नैन्सी ग्रेवाल की चाकू मारकर हत्या

लुधियाना। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैन्सी ग्रेवाल (45) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। कैनेडियन पुलिस के मुताबिक मंगलवार की रात करीब साढ़े 9 बजे हमलावर उसके घर में घुसे। उसे घर के भीतर ही चाकू मारे गए। जिसके बाद हमलावर उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गए। नैन्सी कनाडा के विंडसर इलाके में रहती थी। इसका पता चलने के बाद पुलिस वहां पहुंची। जहां से नैन्सी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। वहां के डॉक्टरों के मुताबिक उसे काफी गंभीर चोटें लगी हुई थीं। जिस वजह से उसकी मौत हो गई। हालांकि नैंसी की बहन ने दावा किया है कि नैंसी की हत्या उसके घर में नहीं हुई बल्कि उसके घर से 45 मिनट की दूरी पर एक पेशेंट के घर के बाहर हुई है। नैन्सी का जन्म हरियाणा में हुआ लेकिन बाद में उनका परिवार लुधियाना शिफ्ट हो गया। अब उसकी मां जालंधर में रहती है। नैन्सी अपने यूट्यूब वीडियो को लेकर सुर्खियों में रहती थी। जिसमें वह खुलकर खालिस्तानियों से लेकर अकाल तख्त जत्थेदार और डेरा ब्यास मुखी तक की आलोचना करती थी। टीम रात में पहुंची, अस्पताल में दम तोड़ दियाः कनाडा पुलिस के अधिकारी पियर्स ने बताया कि हमले की सूचना मंगलवार (3 मार्च) की रात को मिली थी। इसके बाद पुलिस और पैरामेडिक्स रात करीब साढ़े 9 बजे तक टॉड लेन (Todd Lane) के 2400 ब्लॉक में पहुंचे। इसके अलावा एसेक्स-विंडसर इमरजेंसी मेडिकल टीम के मेंबर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

बेंगलुरु- सॉफ्टेयर इंजीनियर महिला ने सुसाइड किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में महिला ने सास से झगड़ा होने पर सुसाइड कर लिया। घटना 4 मार्च को नॉर्थ बेंगलुरु के इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि 35 साल की मृतक महिला सुषमा आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। सुषमा की 5 साल पहले पुनीत कुमार से शादी हुई थी, दोनों का 4 साल का बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि सुषमा और उसकी सास के बीच अक्सर खाना बनाने को लेकर झगड़ा होता था। पारिवारिक झगड़ों के कारण सुषमा तनाव में रहती थी। बुधवार को सुषमा ने अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुषमा के परिवारवालों ने सुसराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। इसके बाद उसके पति पुनीत को गिरफ्तार किया गया है। सुषमा के पिता प्रभाकरमूर्ति ने बेटी के सुसरालपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी से हर रोज झगड़ा किया जाता था। यह एक दिन का मामला नहीं था। बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब सुषमा की शादी हुई थी। तब हमने दहेज में 10 लाख कैश और गोल्ड दिया था। बेटी पहले नौकरी करती थी, शादी के बाद उसने जॉब छोड़ी थी। उसने एक कार भी खरीदी थी। पुलिस ने कहा कि बेंगलुरु में एक ही हफ्ते के भीतर यह किसी टेक प्रोफेशनल की आत्महत्या का दूसरा मामला है।

ईरान पर अब तक की कार्रवाई से ट्रंप खुश

कहा- खामेनेई का उत्तराधिकारी भी मारा जाएगा

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन/तेल अवीव

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान के तहत किए गए आक्रमण में अब तक मिली सफलता की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अब ईरान के अगले नेता की भी मौत हो सकती है। इस बीच इजराइल ने ईरान के एक बड़े नौसेना के ठिकाने पर विस्फोट किया है। ईरान ने अमेरिका को धमकी दी है कि श्रीलंका में युद्धपोत पर किए गए हमले का माकूल जवाब दिया जाएगा। इस बीच ईरान के बंदर अब्बास में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवल बेस के पास जोरदार धमाके हुए हैं। ईरान इंटरनेशनल समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि ईरान के साथ लड़ाई बढ़ने पर अली खामेनेई के होने वाले वारिस मारे जाएंगे। उधर, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने ईरान में एक महत्वपूर्ण मिलिट्री कंपाउंड के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन पूरा किया है। आईडीएफ ने इस कंपाउंड में स्थित ईरान के सैन्य सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण मुख्यालयों को नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा बंदर अब्बास में आईआरजीसी नेवल बेस के पास जोरदार धमाकों की खबर है। यह धमाके इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के फर्स्ट नेवल जोन में बंदर-ए-बहोनार के पास हुए हैं। यह स्ट्रेटेजिक होर्मुज स्ट्रेट के सबसे पास की यूनिट है। इस पर ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी के एक अनजान कमांडर ने धमकी दी है। इस कमांडर ने कहा कि ईरान अब अमेरिका और ब्रिटिश जहाजों और फारस की खाड़ी में इजराइल के लिए माल ले जाने वाले हर जहाज को निशाना बनाएगा। उनमें चाहे झंडा किसी भी देश का लगा हो। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने अल-खारज के पूरब में तीन ड्रोन को रोककर नष्ट करने का दावा किया है। ईरान ने हिन्द महासागर में डुबोए गए अपने युद्धपोत पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन की शादी सानिया चंडोक के साथ मुंबई में फेरे

अमिताभ, अंबानी और जय शाह पहुंचे, धोनी-द्रविड़ भी शामिल हुए

एजेंसी, मुंबई

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की आज सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। शादी समारोह में अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के साथ क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं।

पैट स्पा सेंटर की डायरेक्टर है सानियाः सानिया चंडोक मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पैट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं।

यह पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे रिलेटेड प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। सानिया ने इसकी शुरुआत 2022 में एक लाख रुपए से की थी। सानिया की फैमिली यानी घई परिवार हॉस्पिटैलिटी और फूड वर्ल्ड में जाना-माना नाम है। उनका इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप है, जिसकी मल्टीनेशनल वैल्यू 18.43 बिलियन डॉलर (1.6 लाख करोड़ रुपए) है। वहीं मुंबई में इंटरकॉन्टिनेंटल होटल है।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव, तीसरे प्रत्याशी सतीश नांदल ने किया नामांकन

- सावित्री जिंदल सहित 3 एमएलए साथ रहे, कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध और बीजेपी से संजय भाटिया भर चुके पर्चा

एजेंसी, चंडीगढ़

राज्यसभा की 2 सीट के लिए कांग्रेस से कर्मवीर बौद्ध, भाजपा से संजय भाटिया और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सतीश नांदल ने नामांकन किया। हरियाणा राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी कैंडिडेट संजय भाटिया ने अपना नामांकन भर दिया है। उनके साथ सीएम नायब सैनी भी रहे। उधर, कांग्रेस ने कर्मवीर सिंह बौद्ध को राज्यसभा प्रत्याशी बनाया है। यह उनका पहला चुनाव होगा। बीजेपी कैंडिडेट नामांकन भरने के बाद बौद्ध ने भी विधानसभा भवन पहुंचकर अपना नामांकन किया। उनके साथ पूर्व सीएम भूपेंद्र सहित कांग्रेस के 34 विधायक मौजूद रहे। इससे पहले कांग्रेस ऑफिस में कर्मवीर बौद्ध ने नामांकन पत्र भरा। बताया जा रहा है कि हरियाणा के एक सीनियर आईएएस उन्हें पार्टी हाईकमान तक पहुंचाया। इसके बाद राहुल गांधी ने ही उनका नाम हरियाणा से राज्यसभा सदस्य के लिए सुझाया। नामांकन के बाद उन्होंने कांग्रेस हाईकमान का धन्यवाद किया। उधर, रोहतक के बोहर गांव के रहने वाले सतीश नांदल राज्यसभा के लिए तीसरे उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन कर दिया है। सतीश करीब दो बजे निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल, देवेंद्र कादियान और राजेश जून के साथ विधानसभा पहुंचे और नामांकन किया। नामांकन से पहले सतीश नांदल ने मीडियो से कहा कि हमारे साथी विधायकों ने सोच पैदा की है कि एक निर्दलीय प्रत्याशी भी होना चाहिए, इसीलिए पर्चा भर रहे हैं। तीन प्रत्याशी होने से एक बार फिर खेला होने के आसार बढ़ गए है।

उदयपुर में तोप गरजे, गोलियों की तड़तड़ाहट से सहमा इलाका

- आधी रात 451 साल पुरानी परंपरा निभाने जुटे हजारों लोग, बारूद की होली खेली

एजेंसी, उदयपुर

लाल पगड़ियों और सजे-धजे कपड़ों में आधी रात को हाथों में तलवारें लिए लोग खड़े थे। चारों तरफ आग उगलती तोपें थीं। एक के बाद एक धमाके हो रहे थे। बंदूकों से गोलियां चल रही थीं। माहौल ऐसा जैसे कोई महायुद्ध छिड़ गया हो। यह नजारा उदयपुर से 45 किलोमीटर दूर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे पर स्थित मेनार गांव में बुधवार (4 मार्च) की रात का है। करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में मेनारिया ब्राह्मण समाज बारूद की होली खेलता है। हर साल होलिका दहन के 48 घंटे बाद यानि तीसरी रात (जमरा बीज) को यह आयोजन होता है। खास बात यह है कि बुजुर्ग पीछे नहीं रहते। वह भी युवाओं के साथ मिलकर धमाके करते हैं। ढोल-दुंदुभि बजाया जाता है। तलवारों के साथ गैर डांस (राजस्थान का पारम्परिक प्रसिद्ध नृत्य) किया जाता है। मशाल लेकर गांव के रास्तों की मोर्चाबंदी होती है। यह सब देखने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और विदेशों तक से लोग मेनार गांव पहुंचे थे। कहा जाता है मेवाड़ में महाराणा अमर सिंह के साम्राज्य के दौरान जगह-जगह मुगलों की छावनियां (सेना की टुकड़ियां) बनी हुई थीं। मेनार गांव के पूर्वी छोर पर भी मुगल छावनी थी। छावनी के आतंक से लोग परेशान थे। मेनारिया ब्राह्मणों की भी परेशानियां बढ़ने लगी थीं। मेनारवासियों को वल्लभनगर छावनी पर जीत का समाचार मिला तो गांव के लोग ओंकारेश्वर चबूतरे पर जुटे और छावनी पर हमले की रणनीति बनाई। इसके बाद हमला कर मुगल छावनी को ध्वस्त कर दिया।

चारों तरफ भीड़, धमाके, जोश और गर्वः मेनार गांव में जमरा बीज की रात का माहौल किसी युद्ध स्थल से कम नहीं था। चारों तरफ भीड़। पैर रखने की जगह नहीं। गांव के लोगों ने सेना वाली पोशाक पहनी थी। हाथों में मशाल और तलवारें थीं। टुकड़ियां जब बारूद की होली खेलने गांव के ओंकारेश्वर चौक पहुंचीं तो शोर मच गया। रोम-रोम में रोमांच दौड़ गया। देखते ही देखते तोपें बारूद उगलने लगीं। गोला-बारूद से पूरा इलाका दहलने लगा। दुंदुभि बजाकर जीत का ऐलान किया गया और फिर तलवारों से गैर डांस शुरू हुआ। मुगल चौकी पर जीत के बाद से मेनारिया समाज हर साल इसी तरह होली मनाता है। खास बात यह है कि इसमें रंग से ज्यादा बारूद का इस्तेमाल होता है।

परंपरा निभाई, जाजम बिछाकर की मेहमान नवाजीः बुधवार को (5 मार्च) दोपहर ऐतिहासिक बारूद की होली की शुरुआत हुई। सबसे पहले गांव के ओंकारेश्वर मंदिर के चौक में शाही लाल जाजम बिछाई गई। गांव और आसपास के इलाकों से यहां पहुंचे मेनारिया ब्राह्मण समाज के पंचों, मौतवीरों (बुजुर्ग) का स्वागत किया गया। उनकी मेहमाननवाजी की गई। इसके बाद गांव के जैन समाज के लोगों ने अबीर-गुलाल बरसाना शुरू किया। सभी लोग आपस में गले मिले और होली की शुभकामनाएं दीं। रात 10:15 बजे के बाद रस्में शुरू हुईं। पूर्व रजवाड़ों के सदस्य सैनिकों की पोशाक धोती-कुर्ता और कसुमल पाग (साफा) बांधे तलवारें और बंदूकें लेकर घरों से निकले।

हिमाचल में राज्यसभा टिकट पर बोले आनंद शर्मा, स्वाभिमान महंगा होता है

एजेंसी, शिमला

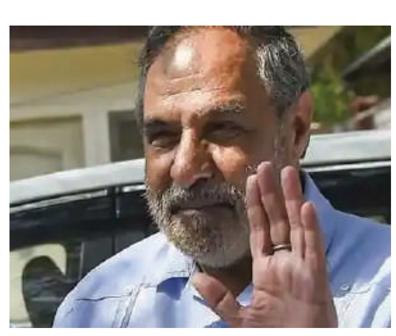

- सच बोलना अब राजनीति में अपराध', फिर भी सच्चाई से पीछे नहीं हटेंगे

हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए नाम तय होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने पार्टी के फैसले पर सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन उनको प्रत्याशी न बनाए जाने का दर्द छलका। मीडिया से बातचीत में उन्होंने इशारों-इशारों में अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीति में स्वाभिमान बहुत महंगा होता है और उसकी कीमत चुकानी पड़ती है, जबकि आज के दौर में सच बोलना एक तरह से राजनीतिक अपराध बन गया है। आनंद शर्मा ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि कांग्रेस की केंद्रीय नेतृत्व ने किस आधार पर फैसला लिया। इस बारे में वही लोग बेहतर बता सकते हैं जो निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की सुप्रीम कमांड ने अपने विवेक से फैसला किया होगा और वही इसके गुण-दोष स्पष्ट कर सकते हैं। करीब पांच दशक के अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए आनंद शर्मा ने कहा कि उन्होंने देश की कई पीढ़ियों के नेतृत्व के साथ काम किया है।

उन्होंने बताया कि उन्होंने इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, और मनमोह सिंह के साथ नजदीक से काम किया है। लंबे अनुभव के बाद उनका मानना है कि राजनीति में स्वाभिमान की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। आनंद शर्मा ने कहा कि उन्हें हिमाचल प्रदेश और देश का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला, जो उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि शिमला और हिमाचल के अन्य हिस्सों में कई संस्थान स्थापित करने में उनका योगदान रहा है और वे आगे भी राज्य के लोगों से जुड़े रहेंगे। राज्यसभा चुनाव को नामांकन से पहले राजधानी पहुंचने से जुड़े प्रश्न पर आनंद शर्मा ने कहा कि शिमला में उनका पैतृक घर है और वह समय-समय पर हिमाचल आते रहे हैं और भविष्य में भी आते रहेंगे। उन्होंने साफ किया कि इस मुद्दे को लेकर वह पार्टी हाईकमान से कोई अलग बातचीत नहीं करेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह सच बोलने से पीछे हटने वाले नहीं हैं और आगे भी अपने विचार खुलकर रखते रहेंगे।

'बंगाल में वोट देना लोगों की जान के लिए खतरा'

धामी बोले- एसआईआर में फर्जी वोटर हटने से घबराईं दीदी, योजनाओं पर उठाए सवाल

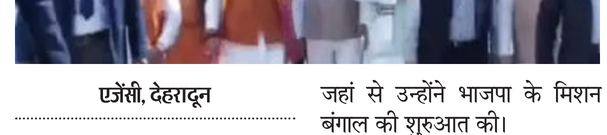

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह होली मनाने के बाद मिशन बीजेपी के जुड़ चुके हैं। होली मनाने के बाद सीएम धामी अपना कर्तव्य निभाते हुए बंगाल पहुंचे। वहां उन्होंने दीदी की सरकार पर जमकर हमला बोला। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा- दीदी ने घुसपैठियों को यहां पर घुसपैठ कराई है। उत्तराखंड के राज्यपाल के साथ होली खेलने के बाद सीएम धामी दोपहर को पड़ोसी देश बाग्लादेश की सीमा पर स्थित पश्चिमी बंगाल के कूचबिहार पहुंचे। जहां से उन्होंने भाजपा के मिशन बंगाल की शुरुआत की।

बीजेपी के लिए क्यों अहम 'पोरिबोर्तन यात्रा': जनता तक पहुंच और समर्थन जुटानाः यह यात्रा बीजेपी को पश्चिम बंगाल के हर विधानसभा क्षेत्र में सीधे जनता से जुड़ने का मौका देगी।

इससे पार्टी को जमीनी स्तर पर अपनी बात पहुंचाने और समर्थन जुटाने में मदद मिलेगी। रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से, बीजेपी मतदाताओं को आकर्षित करने और उन्हें अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगी।

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने किया मोदी के कूटनीतिक कौशल को सलाम

एजेंसी, नई दिल्ली,

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारतीय विदेश नीति को एक व्यावहारिक और यथार्थवादी आधार पर लाने तथा बहुपक्षवाद और वैश्विक सहयोग के विस्तार के साथ रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कूटनीतिक कौशल की आज मुक्त कंठ से प्रशंसा की। स्टब ने कहा कि इस उथल-पुथल भरे दौर में दुनिया को भारत के कूटनीतिक मार्ग को समझने एवं अनुसरण करने की जरूरत है। भारत की यात्रा पर आये राष्ट्रपति स्टब ने यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारत-फिनलैंड शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता करने के बाद अपने वक्तव्य में यह टिप्पणी की और यह भी कहा कि भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक सीट अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति स्टब की प्रतिष्ठा विश्व में एक सम्मानित नेता, उत्कृष्ट विचारक एवं प्रभावशाली लेखक के रूप में है। वह यहां आज शुरू हुए तीन दिवसीय रायसीना डॉयलॉग में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आए हैं। राष्ट्रपति स्टब ने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा, "मैं आपके कूटनीतिक कौशल को सलाम करता हूं जब आप कहते हैं कि हम यहां दो बड़े लोकतंत्रों के रूप में खड़े हैं।

दुबई में फंसे बांग्लादेश एयरलाइंस के 27 क्रू मेंबर को यूएस-बांग्ला की उड़ान ने स्वदेश पहुंचाया

एजेंसी, ढाका

यूएस-बांग्ला एयरलाइंस की एक उड़ान दुबई में 28 फरवरी से फंसे बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के 27 फ्लाइट क्रू मेंबर्स को लेकर ढाका पहुंच गई। यह लोग पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच दुबई में फंसे हुए थे। इनके साथ सैकड़ों बांग्लादेशी यात्रियों को भी विशेष उड़ान से वापस लाया। बांग्लादेश की आधिकारिक समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के क्रू मेंबर्स 28 फरवरी को युद्ध जैसे हालात शुरू होने के बाद से पिछले पांच दिनों से यूनाइटेड अरब अमीरात में फंसे हुए थे। इससे उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई थी। यूएस-बांग्ला एयरलाइंस ने आज यहां एक बयान में कहा कि उसने इस इलाके में फंसे बांग्लादेशी नागरिकों की मदद के लिए अपनी मानवीय कोशिश के तहत उनकी वापसी में मदद की। एयरलाइन के मुताबिक पश्चिम एशिया में बदलते हालात से प्रभावित बांग्लादेशियों को वापस लाने के लिए दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनुमित लेकर दो विशेष उड़ान शुरू की गई हैं। आज 27 क्रू मेंबर्स समेत 378 यात्रियों को लेकर एक विशेष उड़ान ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी। ऐसी ही एक उड़ान के शुक्रवार सुबह ढाका पहुंचने की संभावना है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव के चलते गुरुवार को ढाका हवाई अड्डे पर 34 उड़ान निरस्त कर दी गईं। पिछले छह दिनों में कुल 210 उड़ान निरस्त की जा चुकी हैं। इसकी पुष्टि बांग्लादेश सिविल एविएशन अथॉरिटी के अधिकारी कवसर महमूद ने की।

विराट आरसीबी के सबसे बड़े स्टार बने रहेंगे : बोबाट

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबाट ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह हमेशा ही टीम के लिए सबसे बड़े स्टार रहेंगे क्योंकि उन्होंने अपने करियर का पूरा समय आरसीबी के साथ ही बिताया है। जिस प्रकार से वह पिछले कई साल से समर्पित होकर टीम की ओर से खेले रहे है, ऐसा काफी कम देखा गया है। इसलिए हमें उनके लिए एक जीत दर्ज करने वाली टीम बनानी है। आरसीबी आईपीएल में अभी मौजूदा चैंपियन है और उसका लक्ष्य इस बार भी खिताब जीतना रहेगा। टीम ने पिछले सत्र में 18 साल के बाद अपना पहला आईपीएल खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। जिसके बाद विराट काफी भावुक हो गये थे क्योंकि लंबे समय तक वह कप्तानी करने के बाद भी वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। बाट ने कहा, 'विराट हमेशा इस टीम के आईकन रहेंगे। वह लीग की ओर से किसे शानदार प्रदर्शन के लिए इस सम्मान के अधिकारी हैं। उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'मुझे याद है पिछले सत्र मैं उनके आंकड़े देख रहा था जब वह करीब 9000 रन तक पहुंच गए थे और वो भी 18 साल तक केवल एक ही टीम की जर्सी पहनकर। इस प्रकार उन्होंने प्रत्येक सत्र में करीब 500 रन बनाये हैं।' बोबाट ने कहा, 'यह हैरानी की बात है। सात साल तक कुछ खिलाड़ी 500 रन एक सत्र में बनाकर भी फूले नहीं समाते हैं जबकि विराट ने प्रत्येक सत्र में 500 रन बनाये हैं। यह अपने आप में हैरान करने वाली बात है। कोहली ने सला 2008 से आरसीबी के लिए खेलते हुए 8 शतक भी लगाये हैं। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। साल 2016 में उन्होंने एक ही सत्र में 973 रन बनाये थे। बोबाट ने कहा, ' वह एंडी फ्लावर के साथ मिलकर उनके लिए एक एक ऐसे टीम बनाना चाहते हैं जो इस बार भी जीते क्योंकि विराट अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां वह लगातार जीत चाहते हैं।'उन्होंने कहा कि टीम इस बार भी विराट के लिए खिताब जीतने के इरादे से आक्रामक क्रिकेट खेलेगी। टीम का लक्ष्य लगातार दूसरी बार खिताब जीतकर ये दिखाना होगा कि पिछली बार उसकी जीत कोई तुक्का नहीं थी।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

» पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

एजेंसी, लाहौर

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

संक्षिप्त

एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 क्वालिफायर के लिए हैदराबाद पहुंची ऑस्ट्रिया की टीम

एजेंसी, हैदराबाद

ऑस्ट्रिया की महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 क्वालिफायर में भाग लेने के लिए गुरुवार को हैदराबाद पहुंच गई। हैदराबाद, तेलंगाना में होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ देश हिस्सा लेंगे, जहां से तीन टीमें इस साल अगस्त में एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगी। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित किया जाएगा। ऑस्ट्रिया का एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप में समृद्ध इतिहास रहा है। टीम ने इस प्रतियोगिता के शुरुआती चार संस्करणों में से तीन में भाग लिया था। हालांकि, ऑस्ट्रिया 1981 के बाद से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया है। कप्तान जोहाना चेक के नेतृत्व में ऑस्ट्रिया की टीम पूल-ए में इंग्लैंड, इटली और कोरिया के साथ मुकाबला करेगी। टीम का लक्ष्य 45 वर्षों बाद विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रचना है। कप्तान जोहाना चेक ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, "हम सबके लिए यह भारत में पहली बार है, इसलिए हम काफी उत्साहित हैं और अच्छा हॉकी खेलना चाहते हैं। टूर्नामेंट से पहले हमारी तैयारी थोड़ी कम रही क्योंकि हमें केवल एक प्रशिक्षण सत्र मिला, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। यहां मैचों से पहले हमें कुछ और अभ्यास सत्र मिलेंगे और हम मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देंगे।"

भारत के शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज राष्ट्रीय चयन ट्रायल 3 के लिए तैयार

एजेंसी,नई दिल्ली

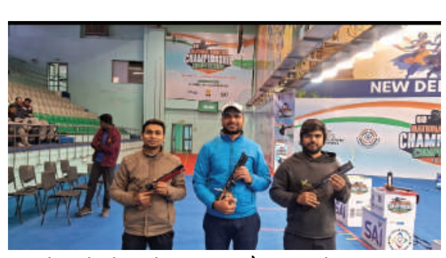

घरेलू सरज़मीं पर आयोजित एशियन राइफल-पिस्टल चैम्पियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत ने 39 स्वर्ण, 18 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 76 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब भारत के शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज़ों की नज़र 6 से 10 मार्च 2026 के बीच नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में होने वाले नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 (ग्रुप ए) पर होगी। यह ट्रायल्स अगले महीने से शुरू होने वाले व्यस्त अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सत्र से पहले आयोजित किए जा रहे हैं। भारत के लगभग सभी शीर्ष निशानेबाज़ 10 स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जिनमें आठों ओलंपिक स्पर्धाएँ और पुरुष एवं महिला राइफल प्रोन प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए वर्ष के दूसरे चरण में राष्ट्रीय टीम में चयन हेतु अपने स्कोर को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। ग्रुप बी खिलाड़ियों के लिए राइफल-पिस्टल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 भी 6 मार्च से शुरू होंगे, जो 6 से 22 मार्च 2026 तक भोपाल स्थित एम.पी. राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित किए जाएंगे। चयन ट्रायल्स के समापन के बाद राष्ट्रीय दल के खिलाड़ी 10 से 21 मार्च 2026 तक नई दिल्ली में कोचिंग कैंप में भाग लेंगे। शॉटगन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर भी आज नई दिल्ली में शुरू हो गया है, जिसमें सबसे पहले स्कीट निशानेबाज़ों ने रिपोर्ट किया। ट्रैप निशानेबाज़ 8 मार्च 2026 को शिविर से जुड़ेंगे। इसके बाद आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन से पहले प्री-इवेंट कैंप आयोजित किया जाएगा। वर्ष का पहला वर्ल्ड कप 21 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक टंगियर, मोरक्को में खेला जाएगा। इस वर्ष के पहले दो राइफल/पिस्टल (ग्रेनाडा और म्यूनिख) तथा शॉटगन (टंगियर और अल्माटी) आईएसएसएफ वर्ल्ड कप चरणों के लिए भारतीय टीमों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक चक्र की शुरुआत इसी वर्ष से हो रही है, जिसमें पहले कोटा स्थान अक्टूबर–नवंबर 2026 में होने वाली आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में तय किए जाएंगे। इसके अलावा सत्र में एशियाई खेल भी शामिल हैं, जहां भारतीय निशानेबाज़ एक और मजबूत प्रदर्शन का लक्ष्य रखेंगे। इन प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं को देखते हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर की स्पर्धाएँ राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्गों में टीम चयन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।८धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है। वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवसः भारतीय महिला खिलाड़ी छह खेलों में बदल रही तस्वीर

एजेंसी ,नई दिल्ली

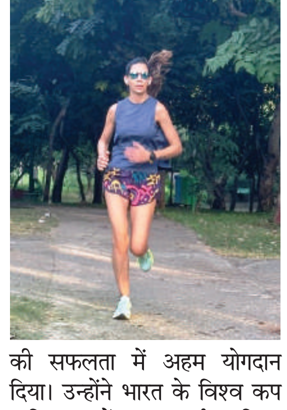

इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम #GiveToGain है, जो भारतीय खेलों की एक अहम सच्चाई को सामने लाती है। महिला खिलाड़ियों को जब सही निवेश, अवसर और मजबूत सहयोग मिलता है, तो वे न केवल रिकॉर्ड बनाती हैं, बल्कि पूरे खेल परिदृश्य को बदलने की क्षमता भी दिखाती हैं। आज भारतीय महिला खिलाड़ी कई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन कर रही हैं। विश्व खिताब जीतने से लेकर प्रेरणादायक संघर्ष की कहानियां लिखने तक ये खिलाड़ी नई पीढ़ी के लिए मिसाल बन रही हैं। आइए जानते हैं उन छह खेलों के बारे में जहां भारतीय महिलाएं खेल की दुनिया में नया अध्याय लिख रही हैं।

क्रिकेटः विश्व कप जीत के साथ सुनहरा दौर–भारत में महिला क्रिकेट एक नए और रोमांचक दौर में प्रवेश कर चुका है। बढ़ती लोकप्रियता, मजबूत लीग संरचना और अंतरराष्ट्रीय सफलता ने इस खेल को नई पहचान दी है। इस सफलता के केंद्र में हरमनप्रीत कौर हैं, जिन्होंने भारत को उसके पहले आईसीसी महिला विश्व कप खिताब तक पहुँचाकर इतिहास रच दिया। इस जीत ने पूरे देश में महिला क्रिकेट के प्रति उत्साह और समर्थन को नई ऊँचाइयों पर पहुंचा दिया। स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। उन्होंने भारत के विश्व कप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उनका दूसरा महिला प्रीमियर लीग खिताब दिलाया। इसके साथ ही आरसीबी पुरुष आईपीएल और महिला डब्ल्यूपीएल दोनों खिताब जीतने वाली पहली फ्रेंचाइजी बन गई। जेमिमा रोड्रिग्स ने सेमीफाइनल में निर्णायक प्रदर्शन कर भारत को फाइनल तक पहुंचाया, जबकि शफाली वर्मा ने चोटिल खिलाड़ी की जगह लेकर धमाकेदार प्रदर्शन किया और 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' चुनी गईं।

हॉकीः अनुभव, नेतृत्व और निरंतरता की ताकत–भारतीय महिला हॉकी टीम मजबूत नेतृत्व और निरंतर प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रही है। फॉरवर्ड नवनीत कौर भारतीय आक्रमण की अहम कड़ी बन चुकी हैं।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026ः राउंड ऑफ 32 में हारे सात्विक-चिराग

एजेंसी, बर्मिंघम

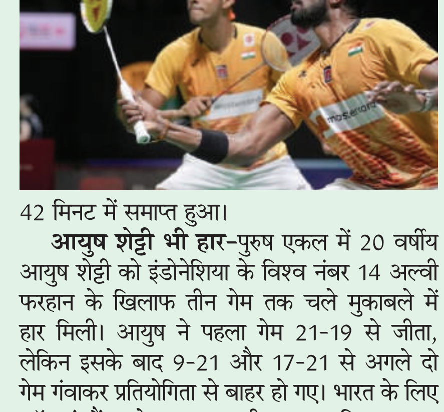

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को बुधवार को मलेशिया के आरोन ताई और खाई जिंग कांग ने सीधे गेम में 23-21, 21-12 से पराजित किया। मुकाबला 42 मिनट तक चला। विश्व नंबर चार भारतीय जोड़ी पहले गेम में अधिकांश समय पीछे रही। हालांकि उन्होंने दो गेम प्वाइंट बचाते हुए स्कोर 20-20 से बराबर किया, लेकिन मलेशियाई खिलाड़ियों ने निर्णायक अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम पूरी तरह एकतरफा रहा। एक समय रंकीरेड्डी और शेट्टी सात अंकों से पीछे चल रहे थे और वापसी नहीं कर सके, जिससे उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

मिश्रित युगल में भी निराशा–मिश्रित युगल में भारत के रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की जोड़ी को फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेलफीन डेलरू के खिलाफ 12-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। यह मुकाबला भी 42 मिनट में समाप्त हुआ।

आयुष शेट्टी भी हार–पुरुष एकल में 20 वर्षीय आयुष शेट्टी को इंडोनेशिया के विश्व नंबर 14 अल्वी फरहान के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार मिली। आयुष ने पहला गेम 21-19 से जीता, लेकिन इसके बाद 9-21 और 17-21 से अगले दो गेम गंवाकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। भारत के लिए ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 की शुरुआत निराशाजनक रही, क्योंकि प्रमुख खिलाड़ी पहले ही दौर में बाहर हो गए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद है नारियल पानी

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

बेल का जूस पीने से सुराही जैसा ठंडा रहेगा पेट

गर्मी में बेल का रस जरूर पीना चाहिए। ये समर ड्रिंक शरीर को धूप से बचाने और हाइड्रेट करने का काम करती है। आइए इस फल का शरबत पीने के फायदे जानते हैं।

गर्मी में धूप से बचना बहुत जरूरी है। यह शरीर में पानी की कमी, कब्ज, पेट में जलन, सीने में जलन जैसी दिक्कतें कर सकती है। इन समस्याओं को दूर रखने के लिए गर्मी में बेल का जूस पीना चाहिए। यह समर ड्रिंक बेहद हेल्दी होती है। बेल फ्रूट को बिल्व भी कहा जाता है, जो मूल रूप से भारत में पैदा होता है। यह फल पेट की गर्मी दूर करने का रामबाण इलाज है। आप इसका शरबत पीकर पेट को ठंडक दे सकते हैं। आयुर्वेद एक्सपर्ट ने बेल शरबत के फायदों के बारे में बताया है। बेल फल काफी पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, पानी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन सी की अच्छी मात्रा मिल जाती है। इसका गूदा पेट और पाचन के लिए बेहतरीन माना जाता है।

गर्मी की बेस्ट ड्रिंक

डॉ. बेल जूस के बेनिफिट बताते हुए इसे गर्मी के लिए बेस्ट ड्रिंक कहते हैं। इसके रस में ठंडा, ताजगी, पोषण, लैक्सेटिव आदि गुण होते हैं। जो इसे धूप के मौसम के लिए टॉनिक बनाते हैं।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है

पेट के अलावा बेल फल का जूस हड्डियों के लिए फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम का लेवल शारीरिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देने के लिए भी जानी जाती है।

बढ़ जाएगा खून

बेल के जूस में विटामिन बी2 होता है, जो शारीरिक विकास में मदद करता है। ये पौष्टिक गुण रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मददगार होता है। जिससे खून की कमी दूर होती है।

गर्मी में रामबाण है बेल का शर्बत

गर्मी के दुष्प्रभाव और सेहत की हर समस्या के लिए बेल का प्रयोग रामबाण है। यह न केवल शरीर में ठंडक पैदा करेगा बल्कि आपको सेहत से जुड़े ऐसे लाभ देगा, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। गर्मियों में रामबाण है बेल और उसका शर्बत। जानें 7 फायदे -

- गर्मी के दिनों में लू लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। बेल का शर्बत बनाकर पीने से लू का खतरा नहीं होता और लू लग जाने पर यह दवा के रूप में कार्य करता है। तपते शरीर की गर्मी दूर करने में यह बेहद लाभकारी है।
- शरीर में गर्मी अधिक बढ़ जाने पर आंव- दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए प्रतिदिन आधे कच्चे-पक्के बेलफल का सेवन करें या फिर बेल के शर्बत का सेवन करें। यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है।
- कई मर्तबा गर्मियों में आंखें लाल-लाल होने के साथ ही जलने लगती हैं। ऐसी स्थिति में बेल के पत्तों का रस एक-एक बूंद आंख में डालने से तुरंत लाभ होता है और इसका कोई नुकसान नहीं होता। इसे बात का ध्यान रखें कि रस में कचरा न हो। आंख के दर्द में बेल के पत्तों की लुगदी आंख पर बांधने से काफी आराम मिलता है।
- पाचन संबंधी समस्याओं में पके हुए बेलफल का सेवन लाभदायक होता है। इसका शर्बत पीने से पेट साफ रहता है। यह फल पाचक होने के साथ-साथ बलवर्द्धक है। इसके सेवन से वात-कफ संबंधी समस्याएं भी समाप्त हो जाती हैं। गर्मियों में गर्भवती स्त्रियों का जी मिचलाने लगे तो बेल और सौंठ का काढ़ा दो चम्मच पिलाने पर लाभ होता है।
- बेल का मुरब्बा शरीर की शक्ति बढ़ाता है और कमजोरी दूर करता है। यह पेट संबंधी समस्याओं में तो फायदेमंद है ही, बेल के गूदे को खांड के साथ खाने से आंत संबंधी रोग में राहत मिलती है।
- बच्चों के पेट में कीड़े होने पर तो इसके पत्तों का अर्क पिलाना कारगर उपाय है। छोटे बच्चों को प्रतिदिन एक चम्मच पका बेल खिलाने से शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं।
- बेल के पके फल को शहद व मिश्री के साथ चाटने से शरीर के खून का रंग साफ होता है और खून में भी वृद्धि होती है। वहीं इसके गूदे में काली मिर्च, सेंधा नमक मिलाकर खाने से आवाज भी सुरीली होती है।

मेडिटेशन करते समय आती है नींद? ऐसे पाएं छुटकारा

सेहत के लिए मेडिटेशन के फायदे हम सभी अच्छे से जानते हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे हैं जो सालों से इसे कर रहे हैं वहीं कुछ ऐसे हें जो अपने इस साल के वादे को पूरा करने के लिए हाल ही में मेडिटेशन करना शुरू कर रहे हैं। जो हाल ही में मेडिटेशन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं उन लोगों को एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि ध्यान लगाते समय उन्हें नींद आती है। ऐसे में जानते हैं इसकी वजह और कैसे पाएं इससे छुटकारा।

मेडिटेशन आपके दिमाग को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। यह आपकी याददाश्त में सुधार करने, तनाव को कम करने में मदद करता है। कई लोगों की शिकायत होती है कि उन्हें मेडिटेशन के दौरान नींद आती है। ऐसा मेडिटेशन के कारण बिल्कुल नहीं होता बल्कि नींद की कमी के कारण ऐसा होता है। नींद की कमी, पोषक तत्वों की कमी और तनाव ऐसे प्रमुख कारण हैं जिनकी वजह से आपको हर समय नींद आती है। ऐसे में आपको एक्टिव रहने के लिए काम करना चाहिए, ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी है सही लाइफस्टाइल और एक अच्छा मेडिटेशन सेशन करना चाहिए, जिससे आप नींद को खत्म कर सकें।

खाने से पहले ध्यान करें

मेडिटेशन में पूरे शरीर को एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना और खुद के साथ एक आध्यात्मिक संबंध बनान होता है। अगर आप खाने के ठीक बाद ध्यान करना शुरू करते हैं, तो आपको बहुत नींद आएगी क्योंकि आपका शरीर खाना और अन्य जटिल प्रक्रियाओं को पचाने में शामिल होगा और यह आपको विचलित करेगा। खाना खाने से पहले ध्यान करना अधिक फायदेमंद होगा क्योंकि आपका शरीर बिना विचलित हुए इसे पूरा करेगा।

जागरूक और एक्टिव रहें

ध्यान करते समय सचेत और एक्टिव रहना जरूरी है, आपको यह महसूस करना चाहिए कि आपके अंदर कुछ अच्छा हो रहा है। आप इन चीजों पर ध्यान लगाने के लिए सांस की एक्सरसाइज और कुछ शांत म्यूजिक बजा सकते हैं।

अपने ब्रेन को तैयार करें

मेडिटेशन प्रेक्टिस करना एक अच्छा कदम है। लेकिन बहुत लंबे मेडिटेशन सेशन से बचना बेहतर है क्योंकि शुरू में वे आपको नींद में डाल देंगे। आपको अपने दिमाग को इस तरह से प्रशिक्षित करना शुरू करना होगा कि आपका ध्यान अटूट रहे जो केवल 5 मिनट या 10 मिनट के छोटे सत्रों के साथ शुरू करने के बाद ही संभव होगा और फिर धीरे-धीरे लंबे समय तक आगे बढ़ें। जब आप छोटे सत्रों के लिए जागेंगे तो आपका दिमाग अपने आप काम करना शुरू कर देगा और ध्यान करते समय आपको नींद नहीं आएगी।

ओपन एरिया में करें ध्यान

खुले में ध्यान करना हमेशा बेहतर होता है क्योंकि आपका शरीर नेचर के साथ एक्टिव रिलेशन महसूस कर सकता है। इसके अलावा, आपके चारों ओर ठंडी हवा, पक्षियों की हल्की आवाज के साथ आपके मन को शांत करता है और ध्यान करते समय आपको एक्टिव महसूस करने के लिए मदद मिलती है।

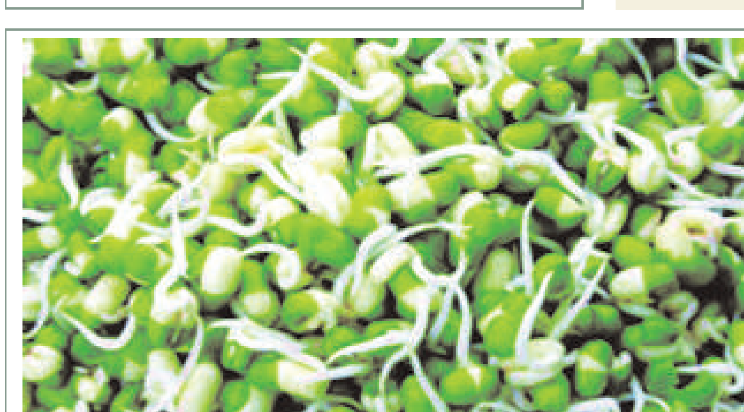

किसी भी रूप में फायदेमंद है मूंग दाल का सेवन

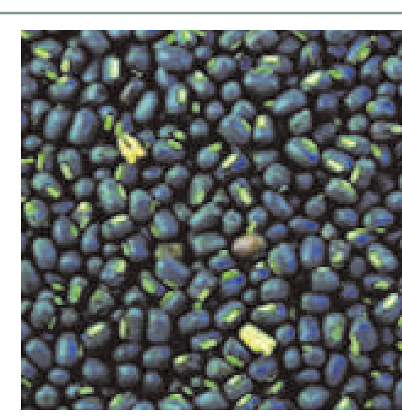

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

बाफ्टा में हुई ट्रोलिंग पर आलिया ने दी प्रतिक्रिया

आलिया भट्ट लंदन में आयोजित हुए 79वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) में शामिल हुई थीं। आलिया इस कार्यक्रम में बतौर प्रेजेंटर पहुंची थीं। इस दौरान आलिया के हिंदी में स्पीच और उनके लुक की काफी चर्चा रही और फैंस ने इसकी जमकर तारीफ भी की। लेकिन आलिया की बाफ्टा में पहुंचने पर उनकी आलोचना भी हुई। कार्यक्रम के बाद की बातचीत में कैमरे के सामने दिए गए उनके बयानों और बॉडी लैंग्वेज को लेकर वो लोगों के निशाने पर आ गईं। अब आलिया ने उनको ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है।

आलिया भट्ट ने बाफ्टा अवॉर्ड्स के रेड कार्पेट पर खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इवेंट के दौरान हुई उनकी बातचीत के एक वीडियो क्लिप को लेकर उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। क्लिप में उनसे एक ऐसी फिल्म का नाम बताने को कहा गया था जिसका प्लॉट ट्विस्ट बेहद प्रभावशाली हो। आलिया कुछ पल के लिए हैरान दिखीं और फिर उन्होंने 'गॉन गर्ल' का नाम लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई दर्शकों ने सवाल उठाया कि क्या उन्होंने वाकई फिल्म देखी थी? वहीं कई ने उनकी प्रतिक्रिया को अटपटी बताया। तो वहीं कई यूजर्स ने आलिया को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर दबाव में बताया और कहा कि वो खुद की इमेज बनाने की कोशिश कर रही थीं।

तमाम आलोचनाओं और ट्रोलिंग के बाद अब आलिया ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने फैशन कमेंटेटर डाइट सब्या से बातचीत के दौरान अपने हाव-भाव और बोलने के तरीके को लेकर मचे बवाल पर कहा कि इस बारे में इतनी चर्चा क्यों हो रही है? क्या यह मेरे हाव-भाव की वजह से है? उन्होंने कहा कि असल में मुझे लगता है कि यह सबसे बेहतरीन ट्विस्ट है। ये 10 साल पहले रिलीज हुआ था, तो मैंने इसे उसके बाद नहीं देखा। इसलिए जब उन्होंने 'वो मोनोलॉग' कहा, तो मैंने कहा हां और मैं अपने दिमाग में सोच रही थी कि अरे हां, 'वो मोनोलॉग, बिल्कुल सही। फिर उन्होंने फर्श साफ करने का जिक्र किया और मैंने कहा 'हां', क्योंकि मैं बिल्कुल अतीत में खो गई थी। मुझे लगता है कि लोगों ने वही देखा। हां, मैं एक कूल लड़की हूं। मैं एक प्यारी लड़की हूं। लेकिन मैं कूल होने से ज्यादा प्यारी हो सकती हूं। हालांकि, बाद में आलिया ने कहा कि असल में, मुझे नहीं लगता कि मैं कूल हूं। मैं अनकूल लड़की हूं, मेरी बहन ऐसा कहती है।

कल्कि 2 में दीपिका की जगह साई पल्लवी की एंट्री

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का सीक्वल 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। जिसकी एक खास झलक हाल ही में अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। जानकारी के अनुसार, अब दीपिका की जगह एक साउथ एक्ट्रेस सुमति के रोल में नजर आएंगी।

दीपिका ने क्यों छोड़ा प्रोजेक्ट

खबर के अनुसार, दीपिका इस फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। वजह है- फीस में बढ़ोतरी (पहली फिल्म से करीब 35% ज्यादा), काम के घंटों की मांग (नई मां होने के कारण वर्क-लाइफ बैलेंस)। वहीं एक वजह यह भी थी कि दीपिका की भूमिका को कैमियो तक सीमित करने की बात हुई, जिससे वे सहमत नहीं हुईं। यही वजह है कि दीपिका अब इस फिल्म का हिस्सी नहीं हैं। अब दीपिका की जगह साई पल्लवी को 'कल्कि 2' में मुख्य भूमिका के लिए फाइनल किया गया है।

अब 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल 'कल्कि 2' में साउथ अभिनेत्री साई पल्लवी 'सुमति' का किरदार निभाएंगी। साई की टीम के एक सदस्य ने पुष्टि करते हुए कहा, 'यह साई ही हैं (दीपिका की जगह)। दीपिका के जाने के बाद भी रोल बरकरार रखा गया,और अब साई इसे निभाएंगी।' हालांकि, अभी तक निर्देशक नाग अश्विन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

फिल्म की शूटिंग शुरू

इस हफ्ते की शुरुआत में अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर अश्वत्थामा के लुक की तस्वीरें शेयर कीं और कन्फर्म किया कि 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू हो गई है। उन्होंने कमल हासन के साथ रीयूनियन की फोटोज भी पोस्ट कीं। शूटिंग हैदराबाद में चल रही है।

फिल्म 'कल्कि 2'

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल 'कल्कि 2' में पहले से ही प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दिशा पाटनी, कीर्ति सुरेश जैसे बड़े नाम हैं। साई पल्लवी की एंट्री से फिल्म में नई एनर्जी और दक्षिण भारतीय टच आएगा। अभी तक रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

नीरज पांडे डायरेक्ट करेंगे आरडी बर्मन की बायोपिक

लेजेंड्री सिंगर और कंपोजर आरडी बर्मन की बायोपिक मेगा स्केल पर बन रही है। ये भारत की सबसे चर्चित अपकमिंग फिल्मों में से है, जिसे कमल जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, आरडी बर्मन की बायोपिक के प्रोड्यूसर इस फिल्म को मेगा-स्केल पर, भारत में पहले कभी न देखे गए सिनेमाई अनुभव के रूप में बनाने की योजना बना रहे हैं। यह बायोपिक पहले ही भारत से आने वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक के रूप में सुर्खियां बटोर रही है।

विनीत कुमार की सीरीज हेल्लो बच्चों में दिखेगी अलख पांडे की कहानी

विनीत कुमार सिंह स्टारर आगामी वेब सीरीज 'हेल्लो बच्चों' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह शो शिक्षक अलख पांडे और उनकी टीचिंग से प्रभावित छात्रों से प्रेरित है। यह शो अलग-अलग पृष्ठभूमियों के उन छात्रों की कहानी बताता है, जो अपने सपनों को एक ऐसे शिक्षक के समर्थन से पूरा करते हैं जो उन पर विश्वास करता है।

ट्रेलर में क्या है?

2 मिनट 21 सेकंड के इस ट्रेलर में दिखाया जाता है कि कैसे एक छोटे से क्लास रूम से शुरू हुआ यह सफर धीरे-धीरे शहरों और छोटे कस्बों के छात्रों तक पहुंचा। सीरीज में पांच छात्रों की कहानी दिखाई गई है। जो व्यक्तिगत और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

किरदार में पूरी तरह से उतर गए विनीत कुमार सिंह

'हेल्लो बच्चों' टीवीएफ का नया प्रोजेक्ट है, जो इससे पहले 'एस्पिरेंट्स' और 'कोटा फैक्ट्री' जैसे इसी तरह के शो ला चुका है। ट्रेलर में विनीत कुमार सिंह प्रमुख भूमिका में नजर आते हैं। वो एक बार फिर अपने अभिनय से किरदार में पूरी तरह से उतर जाते हैं। उनके अलावा सीरीज में विक्रम कोचर, गिरिजा ओक, सतेंद्र सोनी, सोनू कुमार यादव, अंशुल डोगरा, समता सुदीक्षा, वरुण बुद्धदेव और नमन जैन भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं।

6 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

प्रतीश मेहता द्वारा निर्देशित यह सीरीज नेटफ्लिक्स और टीवीएफ के बीच एक और नया कोलैबोरेशन है। 'हेलो बच्चों' 6 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

धनुष स्टारर 'कारा' को मिली रिलीज डेट, अगले महीने की सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड फिल्म 'तेरे इश्क में' से तारीफें बटोर चुके धनुष अब नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मेकर्स ने अभिनेता की अपकमिंग फिल्म 'कारा' की रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा ने किया है। फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'कारा' के मेकर्स ने एलान किया है कि एक्शन एंटरटेनर फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का एलान इशारी के गणेश ने किया। फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस, वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी है।

इशारी ने धनुष की तारीफ की

वेल्स यूनिवर्सिटी के दो दिन के कल्चरल फेस्टिवल में प्रोड्यूसर इशारी के गणेश ने कहा, 'अगर मुझे किसी चीज को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहना हो, तो वह निश्चित रूप से एक्टर धनुष के साथ 'वदा चेन्नई 2' होगी। साथ ही धनुष की आने वाली फिल्म 'कारा' 30 अप्रैल को थिएटर में रिलीज होने वाली है।' गणेश यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर भी हैं।

पोंगल पर जारी हुआ पोस्टर

फिल्म के मेकर्स ने इस साल पोंगल पर फिल्म का टाइटल शेयर किया था। मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर भी रिलीज किया था। इसमें धनुष इंटेंस लुक में दिख रहे थे। पोस्टर पर लिखा था, 'कभी-कभी, खतरनाक बने रहना ही जिंदा रहने का एकमात्र तरीका होता है।'

एक्ट्रेस कानी कुसृति ने बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से कहा प्लीज मुझे कास्ट न करें

जहां एक तरफ बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच कलाकारों का आना-जाना तेजी से बढ़ रहा है, वहीं एक कलाकार ने इस ट्रेंड के बीच एक अलग ही फैसला लिया है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने खुद बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से कहा है कि उन्हें कास्ट न करें।

अस्सी फिल्म में काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस

हम बात कर रहे हैं कानी कुसृति की। कानी को इंटरनेशनल पहचान फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' से मिली, जिसे पायल कपाड़िया ने डायरेक्ट किया था। फिलहाल वे फिल्म 'अस्सी' में नजर आ रही हैं, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वे ज्यादा हिंदी फिल्में क्यों नहीं कर रहीं, तो उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी।

आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए

कानी ने बताया कि वे हिंदी ठीक से नहीं बोल पातीं, इसलिए जो रोल उन्हें ऑफर होते हैं, वे उन्हें निभा नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं खुद मेकर्स से कह देती हूं- आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए। 'अस्सी' में मेरा किरदार केरल से रखा गया, इसलिए मैं फिल्म कर पाई। वरना अगर किरदार उत्तर भारत का होता, तो मुझे काफी मुश्किल होती। मुझे डायलॉग समझने और याद करने में बहुत समय लग जाएगा। मैं हर मायने में खुद को एक सच्ची मलयाली मानती हूं। आज भी मैंमलयालम में ही सोचती हूं और अंग्रेजी बोलते समय भी मन ही मन ट्रांसलेट करना पड़ता है। मेरे लिए भाषा सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि संस्कृति और सोच से जुड़ी चीज है।'

मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं कानी

बता दें कि कानी मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 2005 से 2007 के बीच त्रिशूर स्कूल ऑफ ड्रामा में थिएटर की पढ़ाई की और बाद में पेरिस में भी एक्टिंग की ट्रेनिंग की। उन्हें पहली बड़ी पहचान 2009 की फिल्म 'केरल कैफे' से मिली। 2010 में उन्होंने 'शिक्कर' में नक्सलाइट का किरदार निभाया, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल भी थे। इसी साल फिल्म 'कॉकटेल' में उनके दमदार एक्टिंग ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। बाद में फिल्म 'बिरयानी' के लिए उन्हें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि, असली वर्ल्डवाइड पहचान उन्हें 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' से मिली। वहीं, उनकी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी उनकी एक्टिंग को लोगों ने काफी सराहा।

जिम्मेदार पिता और पति के रोल को भी बखूबी निभा रहे हैं इमरान हाशमी

इमरान हाशमी ने पिछले कुछ सालों में अपने करियर में एक बड़ा बदलाव किया है। रोमांटिक हीरो से हटकर अब वह कई मीनिंगफुल गंभीर किरदारों में नज़र आ रहे हैं। वहीं इमरान निजी जिंदगी में एक जिम्मेदार पिता और पति के रोल को भी बखूबी निभा रहे हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज तस्करी: द स्मगलर्स वेब को लेकर। इस बातचीत में उन्होंने अपने ट्रैवल प्लान्स, बच्चे की परवरिश और काम के बारे में बात की।

मुझे कुछ नहीं करना पड़ता घूमने के लिए

इमरान को अपने परिवार के साथ समय बिताना और घूमना-फिरना काफी अच्छा लगता है लेकिन उनका कहना है कि वह जब घूमने निकलते हैं तो उन्हें किसी तरह की कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती है। वह अपने ट्रैवल प्लान किस तरह से तैयार करते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'दरअसल, मैं घूमने के लिए कभी भी ट्रैवल प्लान नहीं करता हूं। मैं बस बैग पैक करके निकल जाता हूं। मेरी जो घूमने की प्लानिंग होती है वो मेरी वाइफ करती हैं और अब मेरे बेटे ने भी करना शुरू कर दिया है। आमतौर पर किस शहर में घूमने जाना है, इसका सिलेक्शन मेरी पत्नी करती हैं, और किन रेस्तरां में खाना है, उसका चुनाव मेरा बेटा करने लगा है। मैं बस उनके प्लान के हिसाब से घूमने निकल जाता हूं।'

विदेश में शॉपिंग नहीं करता

फिल्मी करियर होने की वजह से इमरान को काफी ट्रैवल करना होता है, जिसके लिए उन्हें एयरपोर्ट जाना होता है। इमरान का कहना है कि वह जब विदेश में जब जाते हैं, तो शॉपिंग ज्यादा नहीं करते। वहीं उन्होंने पॉवरबैंक के जाने को लेकर भी अपनी पुरानी फिक्र पर बात की। वह कहते हैं, 'पहले पॉवरबैंक को लेकर कुछ घटनाएं हुई थीं, तब मुझे हमेशा एयरपोर्ट जाते हुए ये चीज रहती थी कि पॉवरबैंक आखिर रखूं कहां, हैंड बैग में रखूं या सूटकेस में। मैं जब विदेश होता हूं तो वहां बहुत ज्यादा शॉपिंग नहीं करता हूं। मैं मुंबई में ही ऑनलाइन शॉपिंग कर लेता हूं। तो विदेश से कुछ लाकर एयरपोर्ट पर किसी तरह की रुकावट की फिक्र मुझे नहीं रहती है।'

बच्चे के लिए हेलीकॉप्टर पैरंट्स न बनें

आज के दौर में जब बच्चों की अच्छी परवरिश पैरंट्स के लिए चुनौती बनती जा रही है, ऐसे में इमरान इस जिम्मेदारी को किस तरह देखते हैं? वह कहते हैं, 'पेरेंटिंग एक बहुत पेचीदा चीज होती है। हम सब उस चीज से जूझ रहे हैं। हम गलतियां करते हैं, फिर उसे सुधारने की कोशिश करते हैं। आजकल सोशल मीडिया एक बड़ी प्रॉब्लम बन रहा है, तो कैसे बच्चे पर नजर रखें, काम और खेल के बीच संतुलन बनाना, वो सब चीजें जरूरी हैं। हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग एक टर्म है, जिससे बचके बच्चों को आजादी भी देनी है, ताकि वो खुद भी निर्णय ले सके।

मैं दर्शक बनकर कहानी को चुनता हूं

करियर के शुरूआत में अपनी लवर बॉय वाली इमेज से निकलकर पिछले कुछ सालों में एक अलग छवि बना ली है। कॉप से लेकर लॉयर तक वह कई गंभीर किरदारों में नज़र आ चुके हैं। इन दिनों वह अपनी सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियों में हैं। कई थ्रिलर प्रोजेक्ट में नजर आ रहे इमरान कहते हैं, 'मैं इस तरह से कभी नहीं सोचता कि सिर्फ थ्रिलर, ड्रामा या हॉरर ही करना है। जब कोई कहानी आती है तो मैं एक दर्शक की तरह उस पर रिएक्ट करता हूं। लेकिन तस्करी जैसा शो मैंने पहले बहुत कम किया है।